- वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि उपकर से मिला राजस्व राज्यों से होगा साझा - 12

- केंद्रीय मंत्री गोयल बोले-भारत और रूस व्यापार को संतुलित बनाने की जरूरत - 12

- अमेरिकी सांसदों का रूबियो को पत्र, पाकिस्तान पर लगाएं कड़े प्रतिबंध - 13

- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराया - 14

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.14

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 285, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गले लग दोस्त पुतिन का स्वागत

ग्रैंड वेलकम देने खुद पहुंचे मोदी, रक्षा व भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव मुक्त रखने पर चर्चा आज

- शिखर वार्ता में भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते व्यापार घाटे को दुरुस्त करने पर देगा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को करीब 27 घंटे के दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें गले लगाया। चार साल के अंतराल के बाद उनका भारत आगमन हुआ है। यह दौरा करीब आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करने वाला है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है।

दोनों नेता हवाई अड्डे से मोदी की कार में निकले और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पहुंचे। करीब तीन महीने पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के बाद चीन के शहर तियानजिन में उन्होंने एक ही वाहन में साथ यात्रा की थी। मोदी ने शाम में रूसी राष्ट्रपति के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया। पिछले साल जुलाई में पुतिन ने भी प्रधानमंत्री की मॉस्को यात्रा के दौरान उनका इसी तरह का सत्कार किया था। इस अवसर पर मोदी के आधिकारिक आवास को रोशनी से जगमग किया गया था और फूलों से सजाया गया था। शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता में दोनों देश संबंधों को और व्यापक बनाने के लिए प्रयास करेंगे। शिखर वार्ता में भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते व्यापार घाटे को दुरुस्त करने पर जोर देगा। रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत-अमेरिका संबंध पिछले दो दशकों में संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। बैठक से पहले दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने गुरुवार को व्यापक चर्चा की, जिसमें रूस से एस-400 मिसाइल प्रणालियों और अन्य महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर की अतिरिक्त खेप खरीदने की भारत की योजना पर फोकस रहा।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नई दिल्ली आगमन पर उनका गले लगकर स्वागत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। दाएं : पुतिन को अपने अधिकारिक आवास पर ले जाते प्रधानमंत्री।

पुतिन बोले-भारत किसी दबाव में नहीं झुकता, मोदी को सराहा

पुतिन ने भारत दौरे के दौरान अमेरिका की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब अमेरिका रूस से परमाणु ईंधन खरीद सकता है, तो भारत को रोकने का सवाल क्यों उठता है। पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता की खुलकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकता और वैश्विक मुद्दों पर अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेता है। वहीं, रूसी तेल खरीद पर पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का रूस से तेल खरीदना पूरी तरह उचित है, क्योंकि जब अमेरिका खुद रूस से न्यूक्लियर ईंधन खरीद सकता है, तो भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता।

पश्चिमी देश रख रहे करीब से नजर

दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच होने वाली बैठकों पर पश्चिमी देशों करीब से नजर रख रहे हैं। रूसी नेता का नई दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है क्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है। वहीं, यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत लगातार यह कहता रहा है कि बातचीत और कूटनीति ही युद्ध खत्म करने का एकमात्र तरीका है।

संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया तो भूल जाएं पदोन्नति

- प्रदेश सरकार का सख्त आदेश, 31 जनवरी तक आठ लाख से अधिक कार्मिकों को चल-अचल संपत्ति बताना अनिवार्य
- मानव संपदा पोर्टल पर विवरण दर्ज नहीं करने वालों के नाम एक फरवरी के बाद होने वाली डीपीसी से स्वत: होंगे बाहर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों की पदोन्नति पर अब संपत्ति की पारदर्शिता का पहरा होगा। योगी सरकार ने स्पष्ट आदेश में कहा है कि जो भी कर्मचारी 31 जनवरी 2026 तक अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं करेगा, उसे स्थायी रूप से प्रमोशन से वंचित कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, ऐसे कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई भी अनिवार्य रूप से की जाएगी। सरकार ने इसे अंतिम चेतावनी करार दिया है।

प्रदेश में आईएएस, आईपीएस, पीसीएस व पीपीएस अधिकारियों समेत आठ लाख से अधिक सरकारी कार्मिक विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। सरकार पिछले कई वर्षों से इस बारे में नोटिस, रिमाइंडर जारी कर रही है। किंतु बड़ी संख्या में कर्मचारी भी लापरवाही बरतते रहे हैं। सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित सभी प्रकार की संपत्ति का ब्योरा देना अनिवार्य है। कोई भी कर्मचारी यह समझकर न बैठे कि यह केवल औपचारिकता है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश में सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि पहली फरवरी 2026 के बाद होने वाली किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में उन्हीं कर्मचारियों के नाम शामिल किए जाएं, जिन्होंने समय पर संपत्ति विवरण अपलोड किया हो। जो कर्मचारी इसे नहीं करेंगे, उनके नाम सूची से स्वतः बाहर कर दिए जाएंगे।

यह विवरण देना अनिवार्य

कर्मचारियों को अपनी हर प्रकार की संपत्ति का विवरण देना होगा। इसमें घर, प्लॉट, दुकान, दोपहिया/चार पहिया वाहन, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट, बीमा, शेयर/म्यूचुअल फंड निवेश, कोई भी अन्य चल-अचल संपत्ति शामिल है। सरकार ने बताया कि मानव संपदा पोर्टल 1 जनवरी 2026 से खुल जाएगा और 31 जनवरी 2026, रात 12 बजे तक ही सक्रिय रहेगा। इसके बाद पोर्टल बंद हो जाएगा और कोई प्रविष्टि स्वीकार नहीं होगी।

इन्हें नियमों के तहत छूट

पहले से नियमों के छूट पाने वालों में चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप डी) के कुछ कर्मचारी जैसे चौकीदार, सफाईकर्मी, माली, चपरासी, वाहन चालक (कुछ विभागों में) शामिल हैं। साथ ही आउटसोर्स स्टाफ, संविदा आधारित कर्मी, दैनिक वेतन भोगी, प्रेरक व सहायकों आदि जैसी श्रेणियां, प्रोजेक्ट आधारित कर्मचारी (एनएचएम, मिशन, एड्स कंट्रोल, डूडा आदि) इन पर संपत्ति विवरण देने का प्रावधान ही नहीं था, इसलिए पहले से छूट मानी जाती है। इसके अलावा स्वायतशासी व विभिन्न निगमों के वे कर्मचारी जिनके सेवा नियम अलग हैं।

ब्रीफ न्यूज

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज के पति एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल तथा वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। दिल्ली भाजपा ने एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी। सुषमा स्वराज और स्वराज कौशल की इकलौती संतान बांसुरी स्वराज नयी दिल्ली से सांसद हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा वंचितों की मदद के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने के लिए उन्हें याद किया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, स्वराज कौशल जी के निधन से मैं दुखी हूं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में

नई दिल्ली। प्रदूषण में कई दिनों तक तेज वृद्धि और गिरावट दर्ज किए जाने के बाद, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता गुरुवार शाम को एक बार फिर बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई, जिससे सुबह की अल्पकालिक राहत खत्म हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

बीएलओ के काम के दबाव को कम करें राज्य और केंद्र

- सुप्रीम कोर्ट ने और कर्मचारी मुहैया कराने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने मतदाता सूचियों के समयबद्ध एसआईआर में जुटे बूथ स्तरीय अधिकारियों पर कामकाज का अत्यंत दबाव होने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर गौर करते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को और अधिक कर्मचारियों को तैनात करने का निर्देश दिया है ताकि बीएलओ के कामकाज के घंटो में कमी लाई जा सके।

शीर्ष अदालत अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि समयबद्ध तरीके से ड्यूटी न निभाने के लिए बीएलओ के खिलाफ प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टीवीके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया कि कुछ निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव आयोग के अधिकारियों की ओर से दबाव डाले जाने के कारण कई बीएलओ की मौत हो चुकी है। अधिवक्ता ने कहा कि इसके अलावा निर्वाचन आयोग के अधिकारी सौंपा गया कामकाज पूरा करने में विफल रहने पर बीएलओ के खिलाफ प्राथमिकियां भी दर्ज करा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि राज्य सरकार काम का दबाव कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करने पर विचार कर सकती है।

छूट मांगने का विशिष्ट कारण है तो अन्य कर्मचारी तैनात करें

पीठ ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के पास ड्यूटी से छूट मांगने का कोई विशिष्ट कारण है, तो राज्य सरकार का संबंधित अधिकारी ऐसे अनुरोधों पर मामलों के आधार पर विचार कर सकता है और उस कर्मचारी की जगह किसी अन्य को तैनात कर सकता है। अदालत ने कहा, हालांकि, यह न समझा जाए कि यदि उनके विकल्प उपलब्ध नहीं कराए गए हैं तो वे ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों को वापस बुला सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में शुरू की प्री-एसआईआर प्रक्रिया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- वर्ष 2003 की मतदाता सूची से की जाएगी वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग
- सीईओ ने कहा-हर मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करेंगे फील्ड ऑफिसर

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य में भी प्री एसआईआर गतिविधियां आरंभ कर दी गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में प्रदेश में इस चरण में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर प्रारम्भिक तैयारियां की जाएंगी। साथ ही, एसआईआर के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके दृष्टिगत 'प्रत्येक मतदाता तक पहुंच,समन्वय और संवाद' अभियान पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अलग-अलग वर्षों में इससे पूर्व 11 बार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम पूरे देश में संपादित किया जा चुका है। उत्तराखंड में वर्ष 2003 में एसआईआर किया गया था। वर्ष 2025 में आयोग द्वारा पहले चरण में बिहार और दूसरे चरण में 12 अन्य राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया गतिमान है। आयोग का इस पूरी प्रक्रिया के पीछे उद्देश्य हर पात्र मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करना है।

जानकारी देते डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम।

राजनैतिक दल करें बीएलए नियुक्त : मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 11733 बूथ के सापेक्ष 4155 बीएलए ही नियुक्त हैं।

ऐसे होगी मतदाताओं की मैपिंग

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्री एसआईआर फेज में प्रदेश की वर्तमान मतदाता सूची में शामिल लगभग 40 वर्ष तक की आयु के ऐसे मतदाता जिनके नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज थे, उनकी सीधे बीएलओ एप से मैपिंग की जाएगी। इसके साथ ही 40 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे मतदाता जिनके नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में किसी कारणवश नहीं हैं, तो उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी के नाम के आधार पर प्रोजनी के रूप में मैपिंग की जाएगी। सीईओ ने बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची www.ceo.uk.gov.in एवं www.voters.eci.gov.in पर सर्च की जा सकती है।

हेल्प डेस्क होगी स्थापित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी जनपदों में जिलाधिकारी, ईआरओ और बीएलओ को मतदाताओं के बीच अपनी पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद एवं ईआरओ स्तर पर एक हेल्प डेस्क स्थापित की जा रही है ताकि मतदाताओं को आसानी से मदद मिल सके। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तु दास मौजूद रहे।

गुलदार ने दिनदहाड़े ग्रामीण को मार डाला

संवाददाता, देहरादून

- पौड़ी ब्लॉक में सक्रिय गुलदार को गोली मारने के आदेश, दो दिन स्कूल बंद

अमृत विचार: पौड़ी गढ़वाल जिले के पौड़ी ब्लॉक में गुरुवार सुबह आदमखोर गुलदार ने दूध कारोबारी को मार डाला। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और सदमे का माहौल है।

तहसील पौड़ी के ग्राम पंचायत चवथ के गजल्ड (गजेंद्रपुर) गांव में 45 वर्षीय राजेन्द्र नौटियाल दूध का काम करते थे। वह रोजाना की तरह गांव के मंदिर में दीपक जलाने गए थे। सुबह करीब 6:30 बजे मंदिर से लौटते समय गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने मदद के लिए शोर मचाया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मौके पर पहुंचीं जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि, सूचना मिलते ही घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्य वन्यजीव वार्डन ने तेंदुए को गोली मारने की अनुमति प्रदान कर दी है। इसके बाद शूटर को तैनात करने की त्वरित कार्रवाई की गयी। तात्कालिक सुरक्षा के लिए संकुल ढांडरी (ग्रामीण क्षेत्र), संकुल बाड़ा तथा संकुल चरधार के 12वीं कक्षा तक के समस्त निजी व शासकीय विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में शुक्रवार व शनिवार को अवकाश के आदेश दे गए हैं। वन विभाग पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से 10 लाख की अनुग्रह राशि देगा।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद ने गुरुवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद समान कर बोझ रखने के लिए उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है। राज्यसभा में उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन वाले विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद उच्च सदन ने इसे ध्वनिमत से लौटा दिया।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। कहा कि चूंकि जीएसटी कानून में अधिकतम कर दर 40 प्रतिशत तय है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटा दिया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ वर्तमान स्तर से कम हो जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कर बोझ जीएसटी मुआवजा उपकर के दौरान जितना था, उससे कम न हो।

- शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के उच्च सदन ने दी मंजूरी

नहीं उड़े इंडिगो के 550 विमान, 3 दिन तक परिचालन रह सकता रद्द

मुंबई, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहने से 550 से अधिक घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया, जबकि कई देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।

वहीं, इंडिगो ने डीजीसीए को जानकारी दी है कि अगले दो-तीन दिन तक उड़ानों का रद्द होना जारी रहेगा। दिल्ली में इंडिगो की 100, मुंबई में 70, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 100 उड़ानें रद्द की गईं। अन्य अड्डों पर भी उड़ानें रद्द होने की बात सामने आई है। छह प्रमुख हवाई अड्डों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद के संयुक्त आंकड़ों के आधार पर एयरलाइन की समयपालन दर बुधवार को गिरकर 19.7% पर आ गई जबकि 4 दिसंबर को यह 35 प्रतिशत थी।

- इंडिगो के उड़ान प्रबंधन में आई गिरावट पर यात्रियों के साथ हितधारक भी उठा रहे सवाल

कंपनी परिचालन को सामान्य बनाने में जुटी: सीईओ एल्बर्स

नई दिल्ली। परिचालन संकट से गुजर रही इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि विमानन कंपनी का तात्कालिक लक्ष्य परिचालन को सामान्य करना एवं सेवाओं का समय पर संचालन करना है लेकिन यह कोई आसान लक्ष्य नहीं है। एल्बर्स ने कर्मचारियों को दिए संदेश में यह स्वीकार किया कि एयरलाइन ग्राहकों को हवाई यात्रा का अच्छा अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर खरी नहीं उतर सकी।

सख्ती | ट्रंप प्रशासन ने वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं की कड़ी

एच-1बी वीजा के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल करने होंगे सार्वजनिक

- 15 दिसंबर से आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सरकार ने एच-1बी वीजा आवेदकों और उन पर आश्रित एच-4 वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं कड़ी कर दी हैं। नए निर्देशों के तहत सभी आवेदकों को अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल की निजता सेटिंग्स सार्वजनिक (पब्लिक) रखने के लिए कहा गया है।

विदेश विभाग ने जारी किए नए आदेश में कहा कि 15 दिसंबर से सभी एच-1बी आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे पहले छात्र (एफ, एम) और 'एक्सचेंज विजिटर' (जे वीजा) पहले से ही ऐसी जांच के दायरे में थे, जिसे अब एच-1बी और एच-4 वीजा तक बढ़ा दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, इस जांच को सुगम बनाने के लिए सभी एच-1बी, एच-4, एफ, एम और जे वीजा आवेदकों को अपने सभी सोशल मीडिया प्रोफाइल की प्राइवेसी सेटिंग्स सार्वजनिक करने के निर्देश दिए जाते हैं।

विभाग ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार है और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में उपलब्ध सभी सूचनाओं का उपयोग करके आवेदकों की गहन जांच की जाती है।

विदेश मंत्रालय ने कहा- अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार

अमेरिकी बयान में कहा गया है, हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णय है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन नियमों को कठोर बनाने की नवीनतम कार्रवाई है। प्रशासन एच-1बी वीज़ा के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक कार्रवाई कर रहा है, जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने में करती हैं। भारतीय पेशेवर, विशेषकर प्रौद्योगिकी कर्मी और चिकित्सक एच-1बी वीज़ा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

राज्य में जल्द बनेगा इंटीग्रेटेड पैक हाउस

देहरादून : कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को कैंप कार्यालय में कृषि एवं उद्यान विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभागीय कैलेंडर के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने विभागीय मंत्री को अवगत कराया कि राज्य में उत्पादित फसलों के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल्द ही प्रदेश में इंटीग्रेटेड पैक हाउस का निर्माण किया जाएगा। मंत्री ने इस परियोजना से संबंधित सभी कागजी कार्यवाही को समयबद्ध रूप से पूरा कर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। कहा कि इंटीग्रेटेड पैक हाऊस बनने से किसानों की फसलों की गुणवत्ता और बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धा दोनों में बड़ा सुधार होगा। यह कृषि उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप तैयार करेगा, जिससे राज्य में उत्पादित फल-सब्जियों के निर्यात के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

नियमावली के तहत ही होगी भर्ती

देहरादून : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विपक्ष को विरोध की बजाय अपने कार्यकाल की उपलब्धि गिनाने की सलाह देते कहा कि, चिकित्सा शिक्षा विभाग में नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती को लेकर विपक्ष युवाओं को गुमराह कर रहा है जबकि उक्त विभागों में नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती निहित प्राविधानों के अनुरूप राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से की जा रही है। नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती निहित प्राविधानों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से की जाएगी।

स्वास्थ्य शिक्षा में 10 श्रेणियों में 56 स्वास्थ्य सेवाओं को मान्यता मिली

पैरामेडिकल तथा एलाइड हेल्थ शिक्षा में आएगी एकरूपता, बढ़ेगा युवाओं का दायरा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में स्वास्थ्य शिक्षा को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आधुनिक, पारदर्शी और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में गुरुवार को ऐतिहासिक कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट निर्देशों में राष्ट्रीय सहबद्ध और स्वास्थ्य देखरेख वृत्ति आयोग अधिनियम-2021 के तहत उत्तराखंड राज्य सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख परिषद के गठन की प्रक्रिया को तेजी देने हेतु सचिवालय में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय और आपदा संवेदनशील राज्य में आधुनिक, प्रशिक्षित और प्रमाणित एलाइड हेल्थ वर्कफोर्स का विकास अत्यंत आवश्यक है। परिषद के गठन से न केवल शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि देशभर में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में उत्तराखंड अग्रणी भूमिका निभाएगा। बैठक में परिषद के गठन, उसकी संरचना, भविष्य की आवश्यकताओं और कार्य प्रणालियों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। तय किया गया कि परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए 'तलाश सह चयन समिति' बनाई जाएगी, जो निर्धारित योग्यताओं और अनुभवों के आधार पर नामों का चयन करेगी। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिए कि परिषद के सुचारू संचालन के लिए प्रारंभिक बजट, कार्यालय संरचना, तकनीकी सहायता और मानव संसाधन की उपलब्धता तुरंत सुनिश्चित करें ताकि परिषद अपने दायित्वों का निर्वहन शीघ्र आरंभ कर सके।

वर्तमान में राज्य में पैरामेडिकल शिक्षा उत्तराखंड पैरामेडिकल अधिनियम–2009 और स्टेट मेडिकल फैकल्टी के माध्यम से संचालित होती है। यहां स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर 22 विषयों के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। राष्ट्रीय अधिनियम लागू होने के बाद इन सभी पाठ्यक्रमों को और अधिक मानकीकृत, रोजगारोन्मुख, और कौशल आधारित बनाया जाएगा। नए अधिनियम में कुल 10 श्रेणियों में 56 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं को मान्यता दी गई है। इससे विद्यार्थियों को न सिर्फ व्यापक कॅरियर अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग्यता को उच्च पहचान मिलेगी।

सचिवालय में बैठक की अध्यक्षता करते स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार।

यह बोले स्वास्थ्य सचिव

राज्य सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख परिषद का गठन परिवर्तनकारी कदम साबित होगा। इससे पैरामेडिकल तथा एलाइड हेल्थ शिक्षा में एकरूपता आएगी, पाठ्यक्रमों का मानकीकरण होगा और पंजीकरण एवं लाइसेंसिंग प्रक्रिया बेहद सरल और पारदर्शी बनेगी। नए अधिनियम के तहत कई उभरते विषय और विशेषज्ञताएं शामिल होंगी, जिससे युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने का अवसर मिलेगा। हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड गुणवत्ता-आधारित स्वास्थ्य शिक्षा और हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट का मॉडल राज्य बनकर उभरे।

मजबूत होगी स्वास्थ्य सेवाएं

विशेषज्ञों ने बताया कि अधिनियम के तहत पोषण विज्ञान, स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन, क्लिनिकल साइकोलॉजी, डायलिसिस तकनीशियन, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन, आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन आदि कई नए और महत्वपूर्ण विषय शामिल होंगे। इन विषयों के शामिल होने से राज्य के युवाओं को विस्तृत कॅरियर विकल्प, निजी और सरकारी क्षेत्र में बेहतर प्लेसमेंट तथा शोध और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं में अवसर मिलेंगे। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम उत्तराखंड को स्वास्थ्य शिक्षा और एलाइड हेल्थ सर्विसिस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करेगा और भविष्य में राज्य हेल्थ एजुकेशन हब के रूप में स्थापित होगा।

उत्तराखंड राज्य में साइबर सुरक्षा प्रबंधन की पुख्ता तैयारी जरूरी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: साइबर सुरक्षा को लेकर देहरादून में 'साइबर भारत सेतु : ब्रिजिंग स्टेट्स, सिक्योरिंग भारत' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय अभ्यास कार्यक्रम गुरुवार को आरंभ हो गया।

साइबर सुरक्षा के प्रति लचीलापन क्षमता को सुदृढ़ करने तथा अंतर-विभागीय समन्वय को बढ़ावा देने के साथ ही साइबर संकटों के प्रभावी प्रबंधन हेतु समग्र तैयारी को मजबूत करने के उद्देश्य से सीईआरटी-उत्तराखंड तथा आईटीडीए द्वारा, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सिविल सेवा संस्थान देहरादून के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए आईटीडीए उत्तराखंड के निदेशक आलोक पांडे ने कहा कि साइबर सुरक्षा का महत्वपूर्ण कार्य उत्तरोत्तर अधिक चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। लिहाजा साइबर सुरक्षा प्रबंधन के लिए राज्य के सभी विभागों और संस्थानों को गंभीरता के साथ पूरी तैयारी रखनी जरूरी है। साइबर संकटों की जानकारी और उनसे निपटने के उपायों के लिए इस तरह के आयोजनों को अत्यधिक उपयोगी बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में साइबर सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के पहले दिन विशेषज्ञों ने भारतीय कंप्यूटर इंमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) की भूमिका और उसके द्वारा साइबर सुरक्षा के संबंध में की गई पहलों की जानकारी देने के साथ ही, उत्तराखंड में साइबर सुरक्षा की चुनौतियां और अवसर पर विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर लचीली साइबर संकट प्रबंधन योजना के निर्माण के संबंध में कार्यशाला का आयोजन करने के साथ ही साइबर खतरों एवं हमलों के तौर-तरीकों तथा इनसे बचाव के उपायों, साइबर सुरक्षा की चुनौतियों व एहतियातों और साइबर संकट प्रबंधन के उपायों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई। इस दौरान विभिन्न सत्रों में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संस्थान सीईआरटी-इन के वैज्ञानिक राजेश पोखरियाल, शशांक गुप्ता, सब्यसाची जेना, राज्य निर्वाचन आयोग के संयुक्त सचिव कमलेश मेहता, आईटीडीए उत्तराखंड के एजीएम कमलेश अरुण, आशीष उपाध्याय, ट्रेंड माइक्रो के प्रतिनिधि अंकित आदि विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर उपयोगी जानकारी दी। कार्यशाला में राज्य के विभिन्न विभागों एवं संथानों 150 से भी अधिक मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों, आईटी विशेषज्ञों एवं साइबर सुरक्षा प्रशासकों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता।

- 'साइबर भारत सेतु : ब्रिजिंग स्टेट्स, सिक्योरिंग भारत' विषय पर राष्ट्रीय अभ्यास कार्यक्रम शुरू

यूकेपीएससी की मेन परीक्षा हाईकोर्ट से स्थगित हुई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएसी) की संयुक्त राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा की मुख्य परीक्षा स्थगित कर दी है। यह परीक्षा 6 से 9 दिसंबर के बीच आयोजित होनी थी लेकिन प्रारंभिक परीक्षा में कुछ गलत सवाल पूछे जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में हुई।

मामले के अनुसार, हरिद्वार निवासी कुलदीप राठी व अन्य ने प्रारंभिक परीक्षा में कुछ गलत सवाल पूछे जाने पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि ये प्रश्न या तो गलत हैं या फिर उनके विकल्पों को लेकर गंभीर अस्पष्टता है। इस मामले में हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रश्न संख्या 70 को पूरी तरह से हटाया जाए, जबकि बाकी तीन विवादित सवालों की दोबारा समीक्षा एक्सपर्ट कमेटी से कराई जाए। कोर्ट का कहना है कि जब तक इन सवालों की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं होती और मेरिट लिस्ट को सही तरीके से पुनः निर्धारित नहीं किया जाता, तब तक मुख्य परीक्षा करवाना उचित नहीं होगा। इसी वजह से यूकेपीएसी की मुख्य परीक्षा पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है।

यह मामला 2024-25 की भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर सहित कुल 123 पदों के लिए भर्ती होनी है। प्रारंभिक परीक्षा में जनरल स्टडीज और सीएसटी के 150-150 अंकों के पेपर हुए थे। इन्हीं अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था लेकिन अब अगर कोई सवाल हटाया जाता है या उसके अंक बदले जाते हैं, तो कई उम्मीदवारों की मेरिट रैंक में बदलाव तय माना जा रहा है।

दमुवाढूंगा अतिक्रमण के दस्तावेज उपलब्ध कराएं

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के दमुवाढूंगा में देवखड़ी नाले पर हुए बड़ी संख्या में अतिक्रमण के मामले में गुरुवार को सुनवाई करते हुए जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि न्यायमित्र अधिवक्ता आदित्य प्रताप सिंह को अतिक्रमण से संबंधित सभी दस्तावेज और नक्शा उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की युगलपीठ में इस मामले पर सुनवाई हुई। सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत गौनिया के पत्र का संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने इस मामले में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हल्द्वानी में तीन पानी से काठगोदाम तक सड़क मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य प्रस्तावित है। देवखड़ी नाले पर अतिक्रमण के चलते चौड़ीकरण का कार्य प्रभावित हुआ है। कुछ व्यावसायिक संस्थानों को फायदा पहुंचाया गया है। अदालत के आदेश पर जिला प्रशासन ने अदालत को जो सर्वे रिपोर्ट सौंपी, उसमें कहा गया है कि देवखड़ी नाले पर 200 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से अतिक्रमणकारियों की सूची भी अदालत को सौंपी गयी।

दूसरी ओर, न्यायमित्र अधिवक्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि अतिक्रमण से जुड़े नक्शा और दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इसके बाद अदालत ने जिलाधिकारी नैनीताल को निर्देश दिए कि 12 दिसंबर तक सभी दस्तावेज और नक्शा न्यायमित्र अधिवक्ता को उपलब्ध कराए जाएं। इसके बाद न्यायमित्र अधिवक्ता इनका अध्ययन कर अदालत को रिपोर्ट सौंपेंगे। अदालत इस मामले में 12 दिसंबर को सुनवाई करेगी। गुरुवार को जो नक्शा पेश किया गया, वह गूगल से लिया गया था जिससे यह पता नहीं चल रहा है कि नाला कहां है जबकि खसरा नंबर में नाला है। अब नाले पर अतिक्रमण होने की वजह से उसका वजूद ही गायब हो गया। केवल वाकवे मॉल के पास पास दिखाया गया इसलिए राजस्व रिकॉर्ड को पेश कराया जाए।

एलटी शिक्षक पदोन्नति पर अब मंगलवार को सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ प्रदेश के एलटी शिक्षकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति के मामले पर आगामी मंगलवार को करेगी।

गुरुवार को सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने अपने रजिस्ट्री विभाग से कहा है कि इससे सम्बन्धित एक मामला एकलपीठ में चल रहा है, उसे भी इसके साथ सूचीबद्ध करें ताकि सभी मामलों की एक साथ सुनवाई हो सके। सुनवाई के समय सरकार की तरफ से कहा गया कि वर्ष 2005 से सीधी भर्ती व एडहॉक से हुए प्रमोशन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। एक मामला एकलपीठ में भी विचाराधीन है। जिस पर कोर्ट ने उसको भी इन याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध करने के निर्देश रजिस्ट्री विभाग को दिए हैं। दायर याचिकाओं में कहा है कि उनको पहले वरीष्ठता दी जाए क्योंकि उनका चयन वर्ष 2005 में सीधी भर्ती से हुआ। वहीं कई अन्य याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि उनको पहले वरिष्ठता पर रखा जाए क्योंकि वे एडहॉक प्रमोशन से आए हुए हैं।

- एकलपीठ में चल रहा मामला भी खंडपीठ में सूचीबद्ध होगा

यूपी से पहुंची कछुओं की खेप, पुलिस ने पकड़ी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राजधानी की रायवाला पुलिस ने संरक्षित प्रजाति के 14 कछुए बरामद करते हुए वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त दंपती को गिरफ्तार किया है।

रायवाला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह खोलिया ने बताया कि एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर गुरुवार की सुबह सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। रायवाला कोतवाली के गेट के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग ऋषिकेश को जाने वाली सड़क पर एक वाहन को चेक किया गया तो उसमें मिले एक कट्टे में 14 छोटे-बड़े कछुए बरामद हुए। कार में सवार बेताबनाथ निवासी सपेरा बस्ती ऋषिकेश और उसकी पत्नी बरखा से पूछताछ की गई तो वे कोई सन्तोषजनक जवाब नहीं दे पाए और न ही उनसे सम्बन्धित कोई वैध कागजात ही दिखा पाए। पुलिस द्वारा आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध कोतवाली रायवाला पर सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है। कोतवाल के अनुसार, आरोपी बेताबनाथ ने पूछताछ में बताया कि वह कबाडी का काम करता है तथा इन कछुओं को उन्होने नजीबाबाद निवासी एक व्यक्ति से खरीदा था, जिन्हें वह तस्करी कर अपने घर काले की ढाल ऋषिकेश ला रहे थे। आरोपी इन कछुओं को स्थानीय खरीदारों को मंहगे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने की फिराक में थे।

- संरक्षित प्रजाति के 14 कछुए बरामद, दंपती गिरफ्तार

आमने-सामने

कांग्रेस का हर दिन चुनाव का दिन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड कांग्रेस ने गुरुवार से 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय पर चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में कहा कि, हमारे लिए आज से एक-एक दिन चुनाव का दिन है, इसके लिए पार्टी स्तर पर काम शुरू कर दिया गया है।

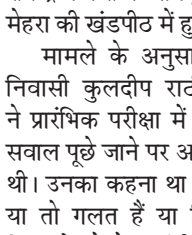

बैठक में साल 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए। सभी नेताओं ने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक के बाद डॉ. रावत ने मीडिया से वार्ता में कहा कि, बैठक में 2027 के चुनाव से पहले क्या मुद्दे जनता के बीच ले जाएं, उस पर चर्चा हुई। साथ ही, कांग्रेस के दस साल बनाम भाजपा के 15 साल पर मंथन हुआ। कहा कि, उत्तराखंड के जो प्राकृतिक संसाधन हैं, विभाजन एक्ट में संशोधन करते हुए उसका टैक्स उत्तराखंड को मिलना चाहिए क्योंकि यह टैक्स उत्तर प्रदेश को जा रहा है। आरोप लगाया कि सरकार टिहरी विस्थापितों से किए वादों को पूरा नहीं कर रही है। संवेदनशील जिलों में जिम्मेदार अधिकारियों को बैठाया जाना चाहिए। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की विफलताओं की लिस्ट बहुत लंबी है और कांग्रेस के पास अवसर ज्यादा हैं। भाजपा जिस बूथ मैनेजमेंट का दावा करती है वह कागजी मैनेजमेंट और हवा हवाई है। हम समय आने पर उसकी पोल खोल कर रख देंगे।

हरक सियासी तौर पर दिवालिया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा विधायक महंत दिलीप सिंह रावत ने कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत द्वारा भाजपा नेताओं पर की जा रही अमर्यादित टिप्पणियों की कड़े शब्दों में आलोचना करते इसे उनका राजनैतिक दिवालियापन बताया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हरक का कोई भरोसा नहीं, क्योंकि जब कांग्रेस में उनकी पूछ नहीं होगी तो वे कहेंगे कि राहुल को उन्होंने राजनीति सिखाई है। राजीव को पीएम बनाया और नेहरू पहले पैदा हुए इसलिए उन्हें नहीं सिखा पाया। बेहतर है कि उन्हें दिल्ली दरबार में नंबर बढ़ाने और गोदियाल से आगे निकलने के लिए, ऐसे बयान देने से बचना चाहिए।

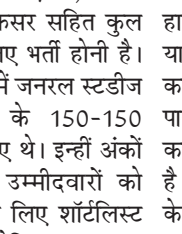

पार्टी मुख्यालय में उन्होंने कहा कि हरक सिंह रावत इस समय राजनैतिक डिप्रेशन में हैं इसीलिए वे पार्टी के अपने प्रतिद्वंदी गोदियाल से आगे निकलने की होड़ में अनर्गल बयान भाजपा नेताओं पर दे रहे हैं। आज उनके पास अधिक मुद्दे नहीं है राजनीतिक बातें नहीं हैं, उनके बयान सुनकर कहीं से नहीं लगता कि वे बड़े नेता हैं। आगामी विस चुनाव में भाजपा की हार पर भविष्यवाणी पर कहा कि हरक के पिछले विधानसभा के दो भाषण देखें तो एक कोटद्वार में जहां सुरेंद्र नेगी के 20 हजार से जीतने का दावा किया था और श्रीनगर में कहा कि मेरे आने से गोदियाल की जीत में 10 हजार वोट और जुड़ गए हैं लेकिन परिणाम सबके सामने है और दोनों सीटों पर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार बुरी तरह पराजित हुए हैं।

धराली पहुंचे कांग्रेसी, लोगों से जाना हाल

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में गुरुवार को धराली आपदाग्रस्त क्षेत्र पहुंचा। गोदियाल ने वहां से एक वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया कि हमारे पहुंचने से पहले सरकार ने धराली मे इंटरनेट सेवाएं बंद करा दी हैं। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के यहां आने से पहले हालांकि इंटरनेट सेवाएं बहाल थी।

कांग्रेस जनों ने वहां पीड़ित लोगों से मिलकर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार का काम है कि इस जगह को पूर्व की स्थिति में लाने का प्रयास करे। आरोप लगाया कि, जो सरकार मलबे मे दबे लोगों के शवों को निकालने का प्रयास नहीं कर पा रही है, वह सरकार इस जगह की स्थिति को पूर्व की भांति कैसे ला पाएगी। सरकार का यह कहना कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को क्षतिपूर्ति नहीं दी जाएगी, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि केदारनाथ में जब इसी तरह आपदा आई थी, उस समय की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने होटल ढाबे, प्रतिष्ठान चलाने वालों को आपदा में हुए नुकसान का स्वआकलन करने का निर्णय लिया था। उनकी तरफ से सरकार को त्रासदी में हुए नुकसान का आकलन करके राज्य सरकार को एफिडेविट दिया गया, जिसके बाद सरकार ने वहां देवीय आपदा में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति की थी। गोदियाल ने आरोप लगाया कि सरकार मुख्यमंत्री राहत कोष का इस्तेमाल अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए कर रही है।

कांग्रेस का डिलीवरी नहीं ड्रामेबाजी में यकीन

देहरादून : भाजपा ने धराली आपदा को लेकर कांग्रेस पर राजनीति ड्रामा रचने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कहा कि आपदा पीड़ित के आंसू पोंछने और उनकी मदद करने में गायब रही कांग्रेस, डिलीवरी नहीं ड्रामेबाजी में यकीन करती है। उन्होंने कहा, 5 अगस्त को धराली में कुदरत का कहर आसमान से बरसा था। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम धामी के नेतृत्व में वहां आपदा बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया गया। जानमाल की हानि को न्यूनतम करते हुए, तमाम विपरीत परिस्थितियों में रेस्क्यू अभियान संपन्न किया गया। स्वयं मुख्यमंत्री घटनास्थल पर 3 दिन तक अभियान की मॉनिटरिंग करते रहे। बहुत दुख के साथ प्रदेश ने वहां अपनों को खोया, जिसके बाद इस असीम पीड़ा को सहते हुए सभी प्रभावितों की मदद की गई। किसी भी आपदा में दिए मुआवजे से अधिक राहत देकर उनकी तकलीफों को कम करने के हरसंभव प्रयास किए गए। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के 4 महीने बाद वहां पहुंचने को राजनैतिक ड्रामा करार दिया।

वॉल्वो-ट्रैक्टर में भिड़ंत बस चालक की मौत

ऋषिकेश : देहरादून-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर नुंनावाला के पास गुरुवार को यात्रियों से भरी एक वॉल्वो बस गन्ने से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉले से टकराने से बस चालक की मौत हो गयी। यह हादसा गुरुवार सुबह लगभग 5:30 बजे हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस चालक योगेंद्र (52) की मौके पर मौत हो गयी। वह गाजियाबाद के मोदीनगर थाने का पटला निवासी था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त बस में फंसे चालक को निकालने के लिए राहत कार्य शुरू किया। चालक और परिचालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। परिचालक दिलशान (32) निवासी हापुड़ घायल है। चौकी प्रभारी नवीन डंगवाल ने बताया कि वॉल्वो बस दिल्ली से देहरादून आ रही थी, तभी नुंनावाला गुरुद्वारा के समीप सामने चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉले से बस टकरा गई।

चुनाव में तीन पर्यवेक्षक नियुक्त

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट बार एसोसिएशन नैनीताल की चुनाव कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. महेन्द्र सिंह पाल, महेश चन्द्र कांडपाल एवं महावीर सिंह त्यागी को चुनाव में पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। अनन्तिम वोटर लिस्ट भी जारी की गयी।

चुनाव कमेटी द्वारा जिलाधिकारी को पत्र देकर चुनाव हेतु ईवीएम उपलब्ध कराने हेतु निवेदन किया गया। चुनाव में सहयोग हेतु प्रदीप लोहनी, विकास उनियाल, पान सिंह बिष्ट, राजीव पाठक, हेम चन्द्र पाठक, विशाल सिंह मेहरा, मीनाक्षी शर्मा, कौशल साह जगाती, सुनील उपाध्याय, सुनील कुमार, श्वेता बड़ोला डोभाल, सूर्यकान्त मैथानी को निर्वाचन टीम में शामिल किया गया। चुनाव कमेटी की बैठक में कुर्बान अली मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजेश शर्मा, रविन्द्र सिंह बिष्ट, भाष्कर चन्द्र जोशी, केके तिवारी, कार्तिकेय हरि गुप्ता, राजेश जोशी, तपन सिंह, वन्दना मेहरा, पान सिंह बिष्ट, पंकज कपिल, शीतल सेलवाल, संगीता अधिकारी पाटनी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

- हाईकोर्ट बार एसो. चुनाव में अनन्तिम वोटर लिस्ट जारी

एनएच सुधारीकरण को 720 करोड़ स्वीकृत

देहरादून: हरिद्वार-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुधारीकरण प्रक्रिया लेकर केंद्र से बड़ी खुशखबरी आई है। अगले ढाई वर्ष में पूर्ण होने वाली इस कार्ययोजना के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने 720 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट द्वारा राज्यसभा में प्रश्न संख्या 324 के तहत एनएच-7 और एनएच-34 पर क्रमश लालतप्पड़ और मोतीचूर के अधूरे छूटे कार्यों के संबंध में जानकारी मांगी थी। गौरतलब है कि हरिद्वार देहरादून और हरिद्वार ऋषिकेश के बीच सफर करने वाले वाहनों को अपूर्ण कार्य के चलते समस्या का सामना करना पड़ रहा था जिसके सम्बन्ध में स्थानीय लोगों की समस्या को देखते सांसद द्वारा सदन में इसे उठाया गया।

जिसका जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन जयराम गडकरी की तरफ से बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-7 के देहरादून-लालतप्पड़ नेपाली फार्म खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के नेपाली फार्म मोतीचूर खंड के सुधार के लिए कार्य सौंप दिया गया है।

सिटी ब्रीफ

विजय मेहता बने हल्द्वानी के कोतवाल

हल्द्वानी : जिले में एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के तबादले किए हैं। चार कोतवाल, एक थाना इंचार्ज, छह इंस्पेक्टर और 14 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। हल्द्वानी के नए कोतवाल इंस्पेक्टर विजय सिंह मेहता बनाए गए हैं। वर्तमान कोतवाल इंस्पेक्टर अमर चंद्र शर्मा को कंप्लेंट सेल का प्रभारी बनाया गया है। बनभूलपुरा कोतवाली की जिम्मेदारी अब इंस्पेक्टर सुशील कुमार को सौंपी गई है। भीमताल कोतवाल का चार्ज इंस्पेक्टर राजेश यादव संभालेंगे, जबकि रामनगर कोतवाल की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह फर्त्याल को दी गई है। इसी प्रकार सम्मन सेल के प्रभारी रहे इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह रावत को डीसीआरबी का इंचार्ज बनाया गया है। मुखानी थाना इंचार्ज रहे सब इंस्पेक्टर दिनेश जोशी को एसएसआई मल्लीताल का चार्ज मिला है, उनकी जगह सब इंस्पेक्टर सुशील चंद्र जोशी को मुखानी थाने का नया एसओ बनाया गया है।

चोरी की दो बाइक के साथ आरोपी दबोचा

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने चोर को चोरी की दो बाइक सहित गिरफ्तार किया है। । बीते 2 दिसंबर को सारिक पुत्र वारिस, निवासी बनभूलपुरा ने थाना बनभूलपुरा में तहरीर दी थी कि उनकी अपाचे बाइक चिराग अली शाह मजार क्षेत्र से चोरी हो गई है। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपी तौसीफ को चोरी की अपाचे व एक अन्य स्प्लेंडर बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार तौसीफ पेशेवर चोर है।

चार साल के लंबे इंतजार के बाद खुला बेस अस्पताल का आईसीयू, मरीजों को राहत

सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में जिलाधिकारी एलएम रयाल ने किया नौ बेड के आईसीयू का उद्घाटन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: करीब चार साल के इंतजार के बाद सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में बनाए गए आईसीयू का उद्घाटन हो गया है। आईसीयू के लिए पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था कर ली गई है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बिना किसी दिक्कतों के आईसीयू का संचालन जारी रहेगा।

बेस अस्पताल में कोविड की पहली लहर के दौरान आईसीयू को बनाया गया था। उसके बाद से अभी तक स्टाफ नहीं होने की वजह से नौ बेड के आईसीयू को बंद ही रखा गया है। अस्पताल में इस वार्ड में ताला लगा दिया गया। काम चलाऊ तौर पर आईसीयू की जगह एचडीयू की सेवा दी जाने लगी। अस्पताल प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग में निदेशालय स्तर पर कई बार पत्राचार किया और साथ ही आईसीयू को खोलने की मांग भी उठी लेकिन आईसीयू में ताला ही लगा रहा। करीब 10 दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत हल्द्वानी पहुंचे तो उनके सामने आईसीयू बंद होने का मामला उठा। तब स्वास्थ्य मंत्री ने सीएमओ नैनीताल डॉ. एचएस पंत को निर्देश दिए कि 10 दिन के अंदर आईसीयू को शुरू कर दिया जाए। इसके बाद कार्यवाही शुरू की गई और गुरुवार को बेस अस्पताल में चार साल के इंतजार के बाद आखिरकार आईसीयू का संचालन शुरू हो गया। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, सीएमओ डॉ. एचएस पंत, पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल, मेयर गजराज सिंह बिष्ट आदि की मौजूदगी में आईसीयू का उद्घाटन कर दिया गया। इस दौरान जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल, दर्जामंत्री सुरेश भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, राहुल झिंगरन, पार्षद प्रेम बेलवाल रहे।

आईसीयू के उद्घाटन पर मौजूद मेयर गजराज बिष्ट, दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, डीएम एलएम रयाल, सीएमओ डॉ. एचएस पंत।

रूटीन में भी डॉक्टरों की लगेगी ड्यूटी: सीएमओ

सीएमओ डॉ. पंत ने कहा कि तीन एनेस्थेटिक के साथ ही एसटीएच से चार प्रशिक्षित नर्सेज को लाया गया है। एसटीएच से आने वाले डॉक्टरों की रूटीन पर भी ड्यूटी लगेगी। सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भी व्यवस्था रहेगी। उम्मीद है कि आम मरीजों को इस आईसीयू का अच्छा लाभ मिलेगा।

अति गंभीर मरीजों को मिलेगा उपचार

हल्द्वानी : आईसीयू में अति गंभीर मरीजों को भर्ती किया जाता है। एसटीएच में आईसीयू है लेकिन बेस अस्पताल में आईसीयू नहीं था। अब इस अस्पताल में भी आईसीयू शुरू हो गया है। यहां मरीजों को उन्नत जीवन रक्षक उपकरण, विशेषज्ञ चिकित्सा देखभाल, संक्रमण से सुरक्षा और त्वरित उपचार का लाभ मिलेगा, जिससे उनके स्वास्थ्य लाभ की संभावना बढ़ जाती है। आईसीयू में वेंटिलेटर, डिफाइब्रिलेटर और मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर जैसे विशेष उपकरण होते हैं, जो हृदय, श्वसन और अन्य गंभीर स्थितियों वाले मरीजों के इलाज में महत्वपूर्ण हैं। अत्यंत गंभीर बीमारियों के लिए प्रशिक्षित और अनुभवी डॉक्टरों और नर्सों की 24x7 विशेषज्ञ निगरानी मिलती है।

कैथ लैब के निर्माण में भी हो रही है देरी

एसटीएच में मंडी परिषद कैथलैब का निर्माण का रहा है लेकिन लैब का अभी तक उद्घाटन नहीं हो पाया है। इसका निर्माण देरी से चल रहा है जिस पर सांसद अजय भट्ट भी नाराजगी जता चुके हैं। कैथलैब से हृदय रोगियों के ऑपरेशन आयुष्मान कार्ड पर सरकारी अस्पताल में ही हो जाएंगे। इससे मरीजों को निजी अस्पताल में लाखों रुपये खर्च नहीं करना पड़ेगा।

आयुष अस्पताल में आईपीडी शुरू करने की दरकार

बेस अस्पताल के सामने ही 50 बेड का आयुष अस्पताल बनाया गया है लेकिन यहां पर अभी तक आईपीडी शुरू नहीं हो पाई है। बहुमंजिला इमारत में केवल ओपीडी का ही संचालन होता है। इस अस्पताल में अगर आईपीडी शुरू होती तो आयुर्वेद, यूनानी, पंचकर्म, योग आदि विद्या से मरीजों का उपचार करने के लिए उन्हें भर्ती भी किया जाता।

कैंची धाम में आतंकी हमले से निपटने के लिए मॉकड्रिल करते सुरक्षा बलों के जवान।

मॉकड्रिल: दो आतंकी ढेर, तीन किए गिरफ्तार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: विश्व प्रसिद्ध श्री कैंची धाम मंदिर में संभावित आतंकी हमले की स्थिति से निपटने के लिए नैनीताल पुलिस ने बुधवार को व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देशन में हुई इस अभ्यास में पुलिस ने बम विस्फोट की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया, घेराबंदी, राहत-बचाव और आतंकवादियों के खात्मे की कार्यवाही का सफल प्रदर्शन किया।

परिकल्पित स्थिति के अनुसार मंदिर परिसर में तीन बम विस्फोट हुए। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्रा ने हाई अलर्ट जारी कर सभी इकाइयों को सक्रिय कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक-क्षेत्राधिकारी भवाली दीपशिखा अग्रवाल ने मौके पर कमान संभालते हुए पूरे क्षेत्र को सील कराया और सुरक्षा बलों ने परिसर की घेराबंदी की। आतंकवाद निरोधक दस्ते ने जवाबी कार्रवाई के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया जबकि तीन को जिंदा गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आतंकी पूछताछ के लिए थाने भेजे गए हैं। ड्रिल के दौरान परिकल्पित विस्फोट में एक नागरिक की मौत और तीन के घायल होने का आंकलन किया गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, वहीं मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मॉक ड्रिल में पुलिस, पीएसी, एसडीआरएफ, एटीएस, बीडीएस, डॉग स्क्वाड, मेडिकल टीम, मंदिर प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन ने सहभागिता की।

साइबर फ्रॉड के मामले में युवती को साथ ले गई फरीदाबाद पुलिस

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: साइबर फ्रॉड के एक मामले में फरीदाबाद से पुलिस हल्द्वानी पहुंची और एक युवती को हिरासत में ले लिया। कोतवाली में युवती से फरीदाबाद पुलिस टीम ने करीब एक घंटे तक पूछताछ भी की। बाद में युवती को लेकर पुलिस फरीदाबाद के लिए चली गई।

गुरुवार सुबह फरीदाबाद पुलिस की एक टीम हल्द्वानी में मुखानी थाना क्षेत्र में पहुंची। यहां पुलिस ने एक घर में दबिश दी और साइबर फ्रॉड से जुड़े मामले में युवती को पूछताछ के लिए कोतवाली ले आई। जब उसके परिजनों को पता चला कि तो वह हक्का-बक्का रह गए और युवती के परिजन भी कोतवाली पहुंच गए। कोतवाली में फरीदाबाद पुलिस ने युवती से करीब एक घंटे पूछताछ की। युवती का कहना था कि उसने हाल ही में एक एप्लीकेशन डाउनलोड करके पांच हजार रुपये की धनराशि निवेश की थी। जिसके बाद कुछ दिन पहले उसके खाते में इसके बदले पचास हजार से अधिक की राशि आ गई। युवती का कहना है कि उसने सोचा कि एप्लीकेशन डाउनलोड करके जो धन निवेश किया गया है, उसके एवज में ही उसके बैंक खाते में 50 हजार रुपये की रकम आई है। इधर जानकारी मिली कि जिस बैंक खाते से युवती के बैंक खाते में रुपये भेजे गए थे, उसे फरीदाबाद पुलिस ने ट्रैक किया है।

यह बैंक खाता पहले से ही एक साइबर क्राइम के मामले में दर्ज है। इस वजह से फरीदाबाद पुलिस ने युवती के बैंक खाते की जांच की और हल्द्वानी पहुंच गई। दोपहर को युवती को पूछताछ की बात कहकर पुलिस फरीदाबाद ले गई। एसएचओ हल्द्वानी विजय सिंह मेहता ने बताया कि पुलिस किसी मामले में पूछताछ के लिए आई थी। ज्यादा जानकारी उन्हें भी नहीं है।

पिकअप पलटी, बाल बाल बचे स्कूली बच्चे

नैनीताल: चार्टन लॉज क्षेत्र में गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। निर्माण सामग्री और लोहे से लदी एक पिकअप चढ़ाई पर अचानक पलट गई। गनीमत रही मार्ग से गुजर रहे स्कूली बच्चे और राहगीर इसकी चपेट में नहीं आए।

शहर निवासी नितिन अधिकारी पिकअप में निर्माण सामग्री लेकर चंद्रभवन की ओर जा रहे थे। चंद्रभवन गेट के पास चालक जैसे ही वाहन को अंदर की ओर मोड़ने लगा, चढ़ाई पर पिकअप अनियंत्रित हो गई। ब्रेक लगाने के बावजूद वाहन फिसलकर पीछे आ गया और सड़क पर पलट गया। सड़क पर वाहन पलटने से मार्ग पर यातायात भी कई घंटे बाधित रहा।

नजूल भूमि पर हो रहा निर्माण ध्वस्त किया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल रोड पर वेलेजली लॉज में नजूल भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किया जा रहा था, जिसे नगर निगम ने अपने कब्जे में लिया है। निगम को मिली जानकारी के अनुसार वेलेजली लॉज में एक व्यक्ति नजूल भूमि पर घर का निर्माण कर रहा था, जिस पर निगम की टीम ने बुधवार रात उसे निर्माण रोकने और किए गए निर्माण को ध्वस्त करने के निर्देश दिए थे। निर्माण जारी होने पर गुरुवार को निगम की टीम मौके पर पहुंची और काम रुकवाकर निर्माण ध्वस्त कर सामग्री जब्त की। देर शाम तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रही जिसके बाद नगर निगम ने मौके पर इस नजूल भूमि की खरीद-बिक्री और निर्माण पर रोक वाला बोर्ड लगाया।

निगम के लेखाधिकारी गणेश भट्ट ने बताया कि निगम को शिकायत मिली थी कि वेलेजली लॉज में निगम की नजूल भूमि पर अवैध निर्माण किया जा रहा है, जिस पर बुधवार रात को निर्माण रोकने के लिए कहा गया। टीम ने गुरुवार को निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

वेलेजली लॉज में अवैध निर्माण ध्वस्त कर सामग्री जब्त करती निगम की टीम।

फुटपाथ पर रखा सामान किया जब्त, गंदगी पर 10 हजार का जुर्माना

हल्द्वानी : नगर निगम ने कमलुआगांजा रोड पर फुटपाथ पर अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई की। निगम की टीम ने फुटपाथ पर रखे सामान को जब्त किया और सड़क पर लगाए बोर्ड हटाए। अभियान के दौरान दुकानों के आगे गंदगी फैलाने पर 10 हजार का जुर्माना लगाया गया। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने शहर के व्यवसायियों व आम जनता से फुटपाथ पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शहर अतिक्रमण मुक्त रहेगा, जिससे सभी शहरवासियों को सुविधा मिलेगी।

पुराने मकान बनेंगे आय का साधन, मिल रही सब्सिडी

संवाददाता, हल्द्वानी

- गांवों में पुराने मकानों को नवीनीकरण कर बना सकते हैं होमस्टे, सरकार दे रही 15 लाख रुपये तक सब्सिडी

अमृत विचार: बढ़ते ग्रामीण पलायन को रोकने और गांवों में रोजगार बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पर्यटन आधारित विकास को नई दिशा दी है। पर्यटन विभाग की पंडित दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास पुनर्निर्माण योजना अब गांवों के लोगों के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आ रही है।

इस योजना के तहत गांवों में बने पुराने, जर्जर या खाली पड़े मकानों का नवीनीकरण कर उन्हें होमस्टे के रूप में विकसित करने पर सरकार कुल निर्माण लागत का 50 प्रतिशत, अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सब्सिडी और कुल परियोजना लागत पर 30 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। इससे ग्रामीणों पर वित्तीय भार काफी कम होगा और वे आसानी से अपने पुश्तैनी घरों को उपयोग में ला सकेंगे। पर्यटन विभाग का लक्ष्य है कि पहाड़ों से लगातार हो रहे पलायन को रोका जाए और ग्रामीणों को गांव में ही आय के अवसर मिलें। होमस्टे पर्यटन की बढ़ती मांग को देखते हुए यह योजना युवाओं व बेरोजगारों के लिए बड़ा आय स्रोत बन सकती है।

जिले के पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि योजना में नए होमस्टे निर्माण के साथ-साथ पुराने मकानों का रेनोवेशन भी शामिल है। उन्होंने बताया कि सब्सिडी के साथ लोन पर ब्याज में भी सरकार मदद देती है, जिससे परियोजना शुरू करना और आसान हो जाता है। अतुल भंडारी ने बताया कि इस साल जिले के 150 लोग इस योजना का लाभ लेकर होमस्टे शुरू कर चुके हैं। इससे न केवल ग्रामीणों को रोजगार मिला है। कई गांव नये पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकते हैं।

इन दस्तावेजों की पड़ेगी जरूरत

योजना का लाभ लेने के इच्छुक आवेदक www.msy.uk.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए जमीन के दस्तावेज, आगणन प्रमाण पत्र, स्थाई निवास प्रमाण पत्र, नक्शा और अन्य जरूरी कागजात अपलोड करने होते हैं। प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है, जिससे आप घर बैठे आवेदन कर सकते हैं।

ट्रेनों के संचालन में आंशिक बदलाव

हल्द्वानी : रेलवे ने दिसंबर में होने वाले आवश्यक कार्यों के कारण काठगोदाम-देहरादून रूट पर ट्रेनों के संचालन में बदलाव किए हैं। काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस 9 और 10 दिसंबर को देहरादून की जगह नजीबाबाद में यात्रा समाप्त करेगी। नजीबाबाद से देहरादून के बीच यह ट्रेन निरस्त रहेगी। जिस कारण वापसी की देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस 9 और 10 दिसंबर को देहरादून की जगह नजीबाबाद से शुरू होगी। देहरादून से नजीबाबाद के मध्य ट्रेन निरस्त रहेगी। इसी तरह 8 से 10 दिसंबर तक यह ट्रेन देहरादून की जगह लक्सर में यात्रा समाप्त करेगी। काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस 11 दिसंबर को 25 मिनट नियंत्रित कर चलाई जाएगी।

स्कूल बसों में फर्स्ट एड किट गायब, एक्सपायर दवाएं मिलीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। शुक्रवार को ट्रैफिक पुलिस द्वारा निजी स्कूल बसों की चेकिंग में चार बसों में फर्स्ट एड किट या तो नहीं मिली या फिर उसमें रखी डीटोल और बिटाडिन एक्सपायर पाई गईं, जिसे देखकर ट्रैफिक इंचार्ज तक हैरान रह गए।

निजी स्कूल अपनी महंगी फीस के लिए जाने जाते हैं इसके बावजूद स्कूल बसों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोताही बरती जा रही है। गुरुवार दोपहर कालाढूंगी रोड स्थित लालडांठ के पास पुलिस ने स्कूल बसों और ऑटो की व्यापक जांच की। पांच स्कूल बसों में नियमों का पालन नहीं पाया गया। इनमें से चार बसों पर 500-500 रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि एक बस में प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं होने पर 2500 रुपये का जुर्माना ठोका गया और आरसी जब्त कर ली गई। वहीं, ऑटो चालकों पर भी कार्रवाई की गई। बिना वर्दी आटो चला रहे चालकों पर 500-500 रुपये का चालान किया गया। एक ऑटो चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिला, जिस पर 2500 रुपये का जुर्माना लगाते हुए आरसी जब्त कर ली गई।

लापता ग्रामीण का शव 11 दिन बाद घर से 800 मीटर दूर मिला

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: रामनगर-कालाढूंगी स्टेट हाइवे के किनारे स्थित धमोला गांव में गुरुवार सुबह एक शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव की पहचान रमेश कुमार (42) पुत्र मोहन राम, निवासी धमोला, के रूप में हुई।

रमेश कुमार। (फाइल)

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रमेश कुमार नयां गांव स्थित एक निजी फैक्ट्री में कार्य करता था। वह बीते 24 नवंबर की शाम से घर नहीं पहुंचा, जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने लगातार उनकी तलाश की। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ ग्रामीण शौच के लिए हाईवे से नीचे झाड़ियों की ओर गए, जहां उन्हें एक शव दिखाई दिया। सूचना पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। शव पुराना होने की वजह से चेहरा सड़-गल चुका था और वहां दुर्गंध फैल रही थी। मृतक के भाई ने कपड़ों से उसकी पहचान की। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। 11 दिन से खोजबीन कर रहे परिजन घर से मात्र 800 मीटर की दूरी पर शव मिलने से सदमे में हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीएचसी लाया, जहां पंचनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया गया। एसआई तनवीर आलम ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि सड़क किनारे झाड़ियों में पैर फिसलने से रमेश नीचे सिर के बल गिर पड़े होंगे, जिससे उनकी मृत्यु हुई। हालांकि, वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

वन्य जीवन | वन विभाग ने शुरू की तैयारियां, कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण, रिमोट सेंसिंग व ट्रैपिंग कैमरा से होगी गणना

बाघों की गणना के लिए 15 दिसंबर से शुरू होगा साइन सर्वे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जंगलात ने हल्द्वानी से लेकर अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्राज्यीय बॉर्डर से सटे खटीमा के जंगलों में बाघों की गिनती की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई चरणों में होने वाले बाघों की गणना का पहचा चरण 15 दिसंबर से शुरू होगा जिसमें साइन सर्वे होगा। फिर रिमोट सेंसिंग और तीसरी व निर्णायक गणना ट्रैपिंग कैमरा से की जाएगी।

तराई पूर्वी वन डिवीजन के जंगल 82,489 हेक्टेयर हल्द्वानी से लेकर खटीमा तक फैले हुए हैं। इनमें पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सुरई वन रेंज के जंगल तो बड़ी बिल्लियों (बाघ, तेंदुआ) के लिए मुफीद है। इन जंगलों में खासी तादाद में बाघ पाए जाते हैं। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से वर्ष 2026 में बाघों की गणना होनी है। इसको लेकर तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। वन अधिकारियों के अनुसार, बाघों की गणना का पहला चरण 15 दिसंबर से साइन सर्वे से शुरू होगा। इसमें वन कर्मी कतारबद्ध होकर जंगलों से गुजरेंगे और बाघों के पग मार्क (पंजों के चिन्ह), मल-मूत्र के जरिए बाघों का रूट तय किया जाएगा। इसी के साथ ही जंगलों में शाकाहारी वन्यजीवों की तादाद, जैव विविधता आदि का भी डाटा तैयार किया जाएगा। इसी सर्वे में बाघों की गणना के लिए ट्रैपिंग कैमरा लगाने के लिए स्थान चिन्हित किए जाएंगे। सात दिन तक यह साइन सर्वे होगा, फिर इसकी रिपोर्ट डिजिटल फॉर्मेट में भी विशेषज्ञों को भेजी जाएगी।

इसके लिए वन डिवीजन की सभी 9 रेंजों में वन कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रत्येक रेंज से अलग-अलग टीमें अपने-अपने जंगलों में साइन सर्वे करेंगी। इसके बाद रिमोट सेंसिंग और ट्रैपिंग कैमरा से गणना होगी। बाद में भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) में ट्रैपिंग कैमरे के डाटा की समीक्षा होगी और बाघों की सटीक संख्या पता चलेगी।

वर्ष 2022 में हुई थी गणना

हल्द्वानी : राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से वर्ष 2022 में बाघों की गणना हुई थी। इस गणना में सामने आया था कि राज्य में 560 बाघ हैं। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में 260 बाघ थे जबकि पश्चिमी वन वृत्त में तराई-भाबर के जंगलों में बाघों की संख्या 127 से बढ़कर 216 हो गई थी। अब फिर से बाघो की गणना की तैयारियां जोरों पर है। मई में बाघों की गणना होगी।

तराई के जंगलों में बाघों की गणना के लिए पहला चरण साइन सर्वे 15 दिसंबर से शुरू होगा। इस सर्वे के लिए कर्मियों को ट्रेनिंग दे दी गई है। सभी नौ रेंजों में अलग-अलग टीमें जंगलों में साइन सर्वे कर डाटा इकट्ठा करेंगी। इस सर्वे में बाघ की मौजूदगी, रूट के साथ ही आहार श्रृंखला के लिए जरूरी फैक्टर्स का भी डाटा जुटाया जाएगा। -हिमांशु बागरी, तराई पूर्वी वन डिवीजन हल्द्वानी

लोको पायलटों की भूख हड़ताल समाप्त

हल्द्वानी: पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के लोको पायलटों ने गुरुवार को 48 घंटे की भूख हड़ताल समाप्त कर दी है। यह हड़ताल ऑल इंडिया लोको रनिंग एसोसिएशन के आह्वान पर काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर दो दिसंबर सुबह 10 बजे से चार दिसंबर सुबह 10 बजे की गई।

भूख हड़ताल में 15-20 लोको पायलट बारी-बारी से शामिल हुए और बिना किसी ट्रेन संचालन को बाधित किए अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। हड़ताल का नेतृत्व शाखा सचिव मो. अफसर अली ने किया। हड़ताल के अंत में उमेश चंद्र पांडेय, ललित नारायण मिश्र सहित अन्य नेताओं ने पायलटों को जूस पिलाकर हड़ताल समाप्त कराई। लोको पायलटों की प्रमुख मांगों में ट्रेवलिंग अलाउंस (टीए) में 25% वृद्धि, किमी रेट पर 70% तक आयकर छूट, पुरानी पेंशन योजना की बहाली शामिल है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

खो-खो प्रतियोगिता के लिए चयन 7 को होगा

कालाढूंगी : 44वीं जूनियर खो-खो प्रयोतिगिता के लिए 7 दिसंबर को राउमावि देवीपुरा चकलुवा में चयन होगा। उत्तराचंल खो-खो संघ के महासचिव रजत शर्मा ने बताया कि आगामी 31 दिसम्बर से 4 जनवरी तक कर्नाटक में होने वाली 44वीं जूनियर खो-खो नेशनल के लिए उत्तराखंड टीम (बालक बालिका) का चयन 7 दिसम्बर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवीपुरा चकलुवा कालाढूंगी में सुबह 9 बजे से ट्रायल होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिभागी की आयु 1 जनवरी 2008 के बाद से ली जाएगी। प्रतिभागी अपने साथ आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

क्रिसमस व नव वर्ष की तैयारी को बैठक आज

भीमताल : नौकुचियाताल क्षेत्र में क्रिसमस और नव वर्ष की तैयारी को लेकर स्थानीय कारोबारी, क्षेत्रवासियों और होटल कारोबारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज 5 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से नौकुचियाताल में आयोजित की गई है। इस बात की जानकारी पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया ने दी है। उन्होंने बताया कि बैठक में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने और क्षेत्र की साज सज्जा को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में सुझाव के साथ उपस्थित रहने का निवेदन किया है।

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

रामनगर : ग्राम शक्तिनगर पूछड़ी क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले के प्रमुख आरोपी नाजिश को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ग्राम निवासी हाजी शकील अहमद ने बताया कि दो सितंबर को ईद मिलादुन्नबी से पहले जैद और अरमान बिना नंबर के ट्रैक्टर में डीजे लगाकर मोहल्ले में घूमकर लोगों को परेशान कर रहे थे। सजावट शुरू होने के कारण शकील के पिता अब्दुल कदीर ने उन्हें ट्रैक्टर न घुमाने को कहा, जिस पर आरोपियों ने बहस और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि नाजिश के इशारे पर जैद ने अब्दुल कदीर के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। भीड़ जुटने पर आरोपी धमकी देकर फरार हो गए। वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि नाजिश को शिलालपुर से गिरफ्तार किया गया है।

हजारों मील फासला तय कर हिमालय पर्वतों की सर्द नदियों की धाराओं से उड़कर पहुंचते हैं ये पक्षी

कोसी नदी पहुंचे मेहमान परिंदे आइबिसबिल

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: हिमालय पर्वतों की ठंडी हिमनद धाराओं से उड़कर आइबिसबिल पक्षी एक बार फिर कार्बेट नगरी में दिखाई देने से पक्षी प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। इसके दर्शन के लिए इनके चाहने वाली पक्षी प्रेमियों की तादाद भी अच्छी खासी है।

इस बार वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर दीप रजवार ने इन्हें कोसी नदी में अपने कैमरे में कैद किया है। दीप रजवार बताते हैं कि आइबिसबिल पक्षी सिक्किम, लद्दाख और उच्च हिमालय क्षेत्रों से हर साल हजारों किलोमीटर से उड़कर रामनगर कोसी क्षेत्र में अपना रेनबसेरा करते हैं। बताते हैं कि कुछ साल पहले दुर्लभ सात पक्षी यहां आए थे। उसके बाद इनकी संख्या घटकर पांच हो गई। और इस बार अभी तक केवल दो ही पक्षी यहां गिरिजा देवी मंदिर के पास कोसी क्षेत्र में देखे गए हैं। उम्मीद है इनकी संख्या अभी बढ़ेगी। दीप बताते है कि यह दुर्लभ हैं इनके संरक्षण के प्रति प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना जरूरी है।

कोसी नदी में मौजूद आइबिसबिल पक्षी। (फोटो सौजन्य से दीप रजवार)

सुकून पसंद हैं ये परिंदे

आइबिसबिल पक्षी अकेले और सुकून पसंद हैं। सर्दियों में यह ऊंचाई से नीचे की ओर प्रवास किया करते है। कार्बेट नेशनल पार्क, रामनगर की कोसी नदी, राप्ती नदी के आसपास इनको आजकल देखा जा सकता है। आईबिसबिल ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रजनन किया करते है खासकर हिमालयी क्षेत्र इनके प्रजनन का स्थान है। 2022 में आइबिसबिल उत्तराखंड की हर्षिल घाटी में प्रजनन के रूप में रिकॉर्ड किया गया था।

गुणवत्तापूर्ण हों जल जीवन मिशन के कार्य: हरीश बिष्ट

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने जनसमस्याओं को सुना। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। ब्लाक प्रमुख ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा उठाई गईं समस्याएं महत्वपूर्ण होती हैं हमारा प्रयास रहता हैं सभी समस्याओं का निस्तारण किया जाए। ओखलढुंगा के ग्राम प्रधान द्वारा जल जीवन मिशन में झूलते पाइप, अनियमितताओं को लेकर अवगत कराया जिस पर प्रमुख ने जल जीवन मिशन जल संस्थान के अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्वक कार्य कराने के निर्देश दिए। बताया कि इस कार्य का वह स्वयं स्थलीय निरीक्षण करेंगे। राशन कार्ड से सम्बंधित कई ग्रामीण नाम जुड़वाने के लिए कार्यालय पहुंचे प्रमुख ने खाद्य पूर्ति विभाग को न्याय पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर जन समस्याओं के निस्तारण करने के निर्देश दिए। विभागीय पंचायत एवं विकास के सभी कार्मिकों को तीव्र गति से गुणवत्तायुक्त कार्य समय पर करने के निर्देश दिए। ज्येष्ठ प्रमुख उमेश पलड़िया, प्रधान नंदन बोरा, जितेन्द्र चनौतिया, विक्रम सम्मल, धर्मेन्द्र शर्मा, नवीन पांडे , ईश्वरी दत्त, कृष्ण पलड़िया, तारा नवीन क्वीरा, कुंदन जीना, बीडीओ हर्षित गर्ग, प्रदीप पंत, भूपाल बिष्ट आदि मौजूद रहे।

स्थानांतरण पर एसओ राठौर को दी विदाई

भीमताल: भीमताल थानाध्यक्ष संजीत राठौर के नैनीताल स्थानांतरण पर भीमेश्वर समिति ने विदाई दी। भीमेश्वर समिति के अध्यक्ष शरद पांडे और अधिवक्ता सुनीता पांडे ने बताया कि थानाध्यक्ष संजीत राठौर ने भीमताल में आपराधिक मामलों और नशे पर उत्कृष्ट कार्य किए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया।

वन भूमि से अवैध कब्जे हटाने को लेकर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन ने किया सर्वे

रामनगर रेंज के ग्राम पूछड़ी क्षेत्र में स्थित वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण का मामला, अतिक्रमणकारियों में हड़कंप

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: तराई पश्चिमी वन प्रभाग की रामनगर रेंज के ग्राम पूछड़ी क्षेत्र में स्थित वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण के मामलों को लेकर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने गुरुवार को सर्वे किया। बताया जाता है कि इस भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से खेती की जा रही है। पूर्व में भी विभाग ने अतिक्रमण को चिन्हित करने की कार्रवाई की थी, लेकिन कब्जे आज तक नहीं हट पाए हैं। इस प्रकरण में कुछ लोगों ने उच्च न्यायालय में याचिका भी दायर की है, जो विचाराधीन है।

वन प्रभाग ने कुछ वर्ष पूर्व रामनगर नगर पालिका को शहर के कूड़ा निस्तारण हेतु लगभग एक हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई थी, जिसके एवज में नगरपालिका द्वारा वन विभाग को करीब एक करोड़ रुपये भी दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद उक्त भूमि पर कई लोग अवैध कब्जा कर खेती कर रहे हैं। अवैध अतिक्रमण हटाने की तैयारी अब वन विभाग ने तेज कर दी है। गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार कत्याल, वन विभाग की एसडीओ किरण शाह, राजस्व टीम, पुलिस और नगरपालिका अधिकारियों ने क्षेत्र का संयुक्त सर्वे किया। टीम ने ड्रोन की मदद से भी अवैध कब्जे वाली भूमि को चिन्हित किया। सर्वे की जानकारी मिलते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और कुछ लोगों की टीम से मामूली कहासुनी भी हुई। अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में नगरपालिका को टंचिंग ग्राउंड के लिए दी गई भूमि से अवैध कब्जा हटाया जाएगा। इसको लेकर अधिकारियों के बीच विस्तृत वार्ता भी हुई।

एएसपी मनोज कत्याल ने बताया कि वर्ष 2024 में वन भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसकी जांच जारी है। सरकार ने इस प्रकरण की जांच के लिए एसआईटी भी गठित की है। आरोप है कि वन भूमि पर फर्जी दस्तावेज बनाकर कुछ लोगों को भूमि बेची गई थी। इसी संबंध में संयुक्त सर्वे किया गया है। सर्वे के दौरान एसडीओ किरण शाह, सीओ सुमित पांडे, थानाध्यक्ष कालाढूंगी अरुण कुमार सैनी तथा नगर पालिका ईओ आलोक उनियाल आदि लोग मौजूद रहे।

रामनगर में अतिक्रमण स्थल का निरीक्षण करती टीम। ● अमृत विचार

ग्रामीणों के घर तोड़ने की तैयारी गैरकानूनी

रामनगर : वन ग्राम पूछड़ी में वन प्रशासन द्वारा ग्रामीणों के घर तोड़े जाने की तैयारी और दी जा रही धमकी पूर्णतया गैरकानूनी है तथा वन अधिकार कानून 2006 का उल्लंघन है। यह बात समाजवादी लोकमंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2024 में वन ग्राम नई बस्ती पूछड़ी में सहायक समाज कल्याण अधिकारी के निर्देशन में ग्राम स्तरीय वन अधिकार समिति का गठन किया जा चुका है। इसके तहत पूछड़ी को राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की कानूनी प्रक्रिया वर्तमान में जारी है ।वन अधिकार कानून की धारा 4(5) में स्पष्ट प्रावधान है कि कानून की प्रक्रिया पूरी किए बिना किसी भी व्यक्ति को बेदखल नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद रामनगर प्रशासन और तराई पश्चिमी वन प्रभाग इस कानून का उल्लंघन करते हुए ग्रामीणों के घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे तत्काल रोका जाना आवश्यक है।

अलाव की कोई व्यवस्था नहीं होने से जनता में रोष

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल एवं आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रात के समय तापमान काफी गिर गया है बावजूद नगर पालिका की ओर से अब तक सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे गरीब व जरूरतमंद लोगों में नाराजगी उत्पन्न हो गई है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका से पूर्व की भांति विभिन्न चयनित सार्वजनिक स्थानों पर तुरंत अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि इस बार अलाव जनप्रतिनिधियों के घरों या प्रतिष्ठानों के आगे न लगाकर केवल सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को राहत मिल सके।

अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे जनता में नाराजगी है और गरीब वर्ग बेहद परेशान है।
– **कार्तिक कर्नाटक**, सामाजिक कार्यकर्ता

नगर पालिका को जनहित में शीघ्र अलाव जलाने की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि गरीब जनता को ठंड से राहत मिल सके।
– **नीतीश बिष्ट**, सामाजिक कार्यकर्ता

तापमान बहुत कम हो चुका है, इसलिए पूर्व की तरह अलाव जलाने की व्यवस्था जल्द शुरू की जानी चाहिए। – **राहुल जोशी**, सामाजिक कार्यकर्ता

नगर पालिका द्वारा लकड़ी आपूर्ति के लिए निविदा निकाली गई थी, लेकिन किसी ने रुचि नहीं दिखाई। इसके बावजूद बुधवार को कुछ स्थानों पर अलाव नगर पालिका ने स्वयं जलाए हैं। नए स्थान भी चयनित किए जा रहे हैं। – **सीमा टम्टा**, अध्यक्ष, नगर पालिका

हाथी ने दिनभर उड़ाई गन्ने की दावत, बेबस नजर आए वनकर्मी

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: रामनगर वन प्रभाग के कालाढूंगी रेंज से सटे गुलजापुरबंकी में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाथी अब तक किसानों की कई एकड़ फसल रौंद चुके हैं। गुरुवार को भी एक हाथी दिनभर ग्रामीणों के गन्ने के खेतों में डटकर दावत उड़ाता रहा, जबकि वनकर्मी उसे भगाने में पूरी तरह बेबस नजर आए। कालाढूंगी रेंज की चकलुवा बीट से सटे गुलजापुरबंकी गांव में पिछले कई दिनों से हाथियों का आतंक जारी है।

बुधवार रात गांव में घुसा हाथी गुरुवार सुबह ग्रामीणों को सतनाम सिंह के खेत में दिखाई दिया तो लोग हैरान रह गए। सूचना फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों के शोर-शराबे और भगाने के प्रयासों का हाथी पर कोई असर नहीं पड़ा और वह अपनी मस्ती में गन्ने की दावत उड़ाता रहा। सुबह करीब दस बजे मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने पटाखे और सायरन का इस्तेमाल कर हाथी को भगाने की कोशिश की, लेकिन वह वहां से निकलकर प्रशांत बिष्ट के गन्ने के खेत में जा पहुंचा। वनकर्मियों के पास दिनभर सिर्फ उस पर नजर बनाए रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। देर शाम अंधेरा होने पर जैसे-तैसे हाथी खेत से बाहर निकला तो वनकर्मियों ने पटाखे और शोर-शराबा कर उसे जंगल की ओर खदेड़ा। ग्रामीण प्रशांत बिष्ट, ईश्वर सिंह, संदीप, सतनाम सिंह और बालम सिंह बिष्ट ने बताया कि हाथी अब तक कई एकड़ गन्ने की फसल चट कर चुके हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि वन विभाग हाथियों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। डिप्टी रेंजर भूपेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि हाथियों को रोकने के लिए खाई खोदी जा रही है।

गुलजापुरबंकी में गन्ने के खेत में आए हाथी को भगाते वनकर्मी। ● अमृत विचार

पुलिस ने सेगवे स्कूटर से गश्त शुरू की

नैनीताल: यातायात व्यवस्थाओं पर नजर रखने के लिए पुलिस ने मॉलरोड पर सेल्फ बैलेंसिंग सेगवे स्कूटर से गश्त शुरू कर दी है। गश्त करने के दौरान सेगवे स्कूटर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उत्तराखंड पुलिस को स्मार्ट पुलिसिंग व तकनीकी सुविधाओं से लैस करने के लिए बीते दो वर्ष पूर्व दो अमेरिकन सेल्फ बैलेंसिंग स्कूटर सेगवे सौंपे थे। जिसमें एक स्कूटर मल्लीताल कोतवाली व एक तल्लीताल थाने को मिला था। इसके बाद से नैनीताल में सेगवे स्कूटर से पुलिस ने गश्त करना शुरू कर दिया था। सेगवे स्कूटर से पुलिस के लिए गश्त आसान हो गई थी। अब तल्लीताल क्षेत्र में यातायात को व्यवस्थित करने के लिए दोनों सेगवे से पुलिस गश्त कर रही है। तल्लीताल में पुलिस की ओर से सेगवे स्कूटर से गश्त की गई। एसपी डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि सेगवे स्कूटर से लगातार गश्त की जा रही है।

कुचिपुड़ी नृत्य में महिषासुर मर्दन का कथानक देख झूम उठे लोग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: आर्मी पब्लिक स्कूल, हेमपुर में स्पिक मैके के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में देश की सुप्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यांगना टी. रेड्डी लक्ष्मी ने 'महिषासुर मर्दन' की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्य की दिव्य मुद्राओं, भावाभिनय और उत्कृष्ट लयकारी ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं अतिथियों से भरपूर सराहना बटोरी।

शुभारम्भ विद्यालय के चेयरमैन एवं आर्मी स्टेशन के कमांडेंट ब्रिगेडियर सुखवीर सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। दूरदर्शन की 'ए' ग्रेड कलाकार टी. रेड्डी लक्ष्मी आईसीसीआर की सूचीबद्ध कलाकार हैं तथा स्पिक मैके व आईआरसीईएन के लिए देशभर में कार्यशालाएं और नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत कर रही हैं। कार्यक्रम में संगीत संगति अत्यंत प्रभावशाली रही। गायन में जयन कोट्टाकल, वायलिन पर पर सौम्या कन्नान तथा मृदंगम पर गोकुल ने अद्भुत साथ दिया। युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए गठित संस्था, जिसे स्पिक मैके के नाम से भी जाना जाता है, स्वैच्छिक संगठन है को भारतीय शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक संगीत, योग, ध्यान, शिल्पकला और भारतीय संस्कृति के अन्य पहलुओं को बढ़ावा देकर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों और कालेजों में इस तरह के आयोजन करता है। प्रधानाचार्य डॉ. मालिनी शर्मा नें अतिथि कलाकारों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम का आनंद लेते ब्रिगेडियर सुखवीर सिंह एवं अन्य अतिथि।

मांग पर कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी

भीमताल: अमृतपुर में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर आंदोलित तारा दत्त पांडे ने पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री हरीश पनेरू के आश्वासन पर अपना धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया है। तारा दत्त पांडे ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए तथा सड़क निर्माण के दौरान खनन के बड़े-बड़े वाहनों के संचालन पर आपत्ति जताते हुए यह धरना प्रारंभ किया था।

हरीश पनेरू ने बताया कि ग्रामीणों की जायज मांगों को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन पर भी प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है, जिस पर उन्होंने प्रशासन के प्रति रोष व्यक्त किया। कई दौर की समझाइश के बाद तारा दत्त पांडे धरना-प्रदर्शन समाप्त करने के लिए तैयार हुए। हरीश पनेरू ने उनका धरना समाप्त करवाते हुए भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर प्रशासन से ठोस कार्रवाई करवाई जाएगी।

मौसम | सफेद स्वर्ग के रूप में नजर आएगा नैनीताल, पर्यटकों की निगाहें दिसंबर पर जब नैनीताल की वादियां फिर से होगी सफेद

नैनीताल में इस बार समय से पहले बर्फबारी की संभावना

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सर्दियों की आहट के साथ नैनीताल एक बार फिर बर्फ की सफेद चादर में लिपटने की तैयारी में है।मौसम विभाग के पूर्वानुमान से जहां पर्यटन जगत में उत्साह है, वहीं किसानों के लिए भी यह मौसम उम्मीदों भरा साबित हो सकता है।

उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नैनीताल में सर्दियों ने दस्तक दे दी है। अब लोगों को बेसब्री से इंतज़ार है कि आखिर इस बार बर्फबारी कब शुरू होगी। इस सवाल का जवाब अब मौसम वैज्ञानिकों ने दे दिया है।भारतीय मौसम विभाग की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर दूसरे सप्ताह मे ठंड शुरू होगा और जनवरी में यह अपने चरम पर रहेगा। अध्ययन के मुताबिक, दिसंबर के मध्यम सप्ताह तक तापमान में तेज़ गिरावट दर्ज की जाएगी, और दिसंबर मध्य के बाद नैनीताल की ऊंची चोटियों पर पहली बर्फ गिर सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जनवरी के पहले हफ्ते तक नैनीताल शहर और आसपास के क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक सकते हैं।

ला नीना का दिखेगा असर, ठंड पड़ेगी तीखी : नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार मौसम पर ला नीना का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में नैनीताल में बर्फबारी बहुत कम हुई है, लेकिन इस बार मौसम के मिजाज को देखकर लग रहा है कि ठंड कड़ाके की पड़ेगी और बर्फबारी की संभावना भी अधिक है।डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि ला नीना एक ऐसी मौसमी प्रक्रिया है जो सर्दियों में ठंड को और ज्यादा तीव्र कर देती है।

उन्होंने कहा, गर्मियों में तापमान सामान्य से अधिक रहा था, लेकिन अब वही प्रणाली सर्दियों को अधिक ठंडी बनाएगी। यह स्थिति एक्सट्रीम इवेंट कही जाती है।

पर्यटन और कृषि दोनों को मिलेगा लाभ

बर्फबारी की भविष्यवाणी से पर्यटन व्यवसायियों के चेहरे खिल उठे हैं। नैनीताल में बीते कुछ महीनों में पर्यटकों की संख्या सामान्य से कम रही थी, लेकिन दिसंबर–जनवरी में अगर बर्फबारी होती है तो पर्यटन को नई रफ्तार मिलेगी। होटल कारोबारियों और टैक्सी संचालकों को उम्मीद है कि इस बार न्यू ईयर और क्रिसमस पर शहर खचाखच भर जाएगा। वहीं, किसानों के लिए भी यह खबर राहतभरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि बर्फबारी से मिट्टी में नमी बनी रहती है, जिससे पहाड़ी फसलों को मजबूती मिलती है और अगली सीजन की पैदावार बेहतर होती है।

पर्यावरण संतुलन के लिए भी राहतभरी खबर

विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी न होने से पर्यावरण असंतुलन की स्थिति बन रही थी। इस बार अगर बर्फबारी अच्छी होती है तो इससे जल स्रोतों के पुनर्भरण के साथ-साथ प्राकृतिक पारिस्थितिकी को भी राहत मिलेगी।

अब विद्यालयों में नई तकनीक से करियर काउंसलिंग करेंगे शिक्षक

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) भीमताल में 3 एवं 4 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय बाल सखा अभिमुखीकरण एवं फॉलोअप कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य सुरेश चंद्र आर्या ने किया।

समन्वयक डॉ. ज्योतिर्मय मिश्र ने प्रथम सत्र में बाल सखा कार्यक्रम की संकल्पना, राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन, तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षण जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए विकसित माई कैरियर एडवाइजर ऐप के विषय में लाइव इंटरैक्टिव सत्र संचालित किया, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से प्रश्न, सुझाव और अनुभव साझा किए। अपराह्न सत्र में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. ललित मोहन पंत ने काउंसलिंग की बारीकियों और विधियों पर चर्चा की। सायंकालीन सत्र में बीना फुलेरा ने बाल व्यवहार, विद्यालय अनुभव और उनके प्रभाव से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। दूसरे दिन काउंसलर दीपक पंत एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के अधिकारी खजान पाठक ने विद्यार्थियों की क्षमता पहचान, करियर अवसरों, परामर्श तकनीकों, सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों तथा नेशनल करियर वेबसाइट ऐप पर सारगर्भित चर्चा की। कार्यशाला का समापन वरिष्ठ प्रवक्ता ललित प्रसाद तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में परामर्श कौशल और मनोवैज्ञानिक समझ अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में नैनीताल जिले के विभिन्न विकासखंडों से कुल 37 अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। राजेश जोशी, डॉ. सुमित पांडे, डॉ. पीएस. बुंगला, मनोज कुमार चौधरी, रेखा तिवारी, तनुजा उप्रेती रहे।

डायट भीमताल में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी।

सिटी ब्रीफ

पार्षद ने सफाई कार्मिकों की नियुक्ति की मांग की

हल्द्वानी : वार्ड 28 धर्मपुरा के स्थानीय पार्षद इमरान खान ने वार्ड में सफाई कार्मिकों की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की है। गुरुवार को पार्षद ने मेयर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि कार्मिकों की कमी के कारण वार्ड में सफाई व्यवस्था बदहाल हो गई है। उन्होंने बताया कि वार्ड की कई कॉलोनियों में सर्वे के बावजूद सीवर लाइन बिछाई नहीं जा सकी है, जिससे स्थानीय लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद ने वार्ड को सीवर लाइन से जोड़ने की भी मांग की। मेयर ने इस मामले में जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

गाय के हमले में महिला गंभीर रूप से जख्मी

लालकुआं : बिंदुखत्ता क्षेत्र में गौशाला में चारा डाल रही महिला को गाय ने सींग मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लालकुआं ले जाया गया, जहां से उसे सुशीला तिवारी चिकित्सालय रेफर कर दिया। बिंदुखत्ता क्षेत्र के घोड़ानाला बोरिंगपट्टा निवासी कृष्णा की पत्नी मनीषा (25 वर्ष) अपनी गौशाला में चारा डाल रही थी। इसी दौरान गाय ने अचानक हमला कर उनकी पीठ में सींग से चोट लगा दी, जिससे वह लहूलुहान हो गईं। महिला के पति ने बताया कि यह गाय सामान्यत: शांत दिखती थी, लेकिन अचानक उसने हमला कर उनकी पत्नी के पीठ में सींग मार दिया।

योजनाओं में जनता की सहूलियत का रखें ध्यान

डीएम ललित मोहन रयाल ने यूयूएसडीए की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

यूयूएसडीए के कार्यों की समीक्षा के दौरान डीएम एलएम रयाल, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम व अन्य।

अमृत विचार : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (यूयूएसडीए) की ओर से हल्द्वानी में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं आगामी माह में शुरू होने वाले विभिन्न प्रोजेक्ट्स की कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन में आमजन की सुविधा को ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में परियोजना प्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि शहर की विभिन्न आंतरिक सड़कों में कुल 122 किमी का निर्माण पूरा कर लिया है। अगले सप्ताह से मुख्य सड़कों में पेयजल एवं सीवर लाइन निर्माण किया जाएगा। इसमें लालडाठ-हाईडिल गेट, मुखानी-पनचक्की, मुखानी-आईटीआई व पीलीकोठी सड़क क्षेत्र शामिल हैं। इसके लिए कार्य योजना तैयार कर दी गई है। इस पर डीएम ने कहा कि इन निर्माण में आमजन को कोई परेशानी नहीं हो इसका ध्यान रखा जाए। यातायात की समस्या से निबटने को वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, विशेषकर रात में ट्रैफिक के लिए पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था हो। सभी निर्माण कार्य योजना के अनुरूप ही कराए जाए। पुलिस व प्रशासन के साथ मिलकर यातायात प्लान तैयार कर लिया जाए।

परियोजना प्रबंधक सिंह ने बताया कि खुदाई का काम दो ढंग से किया जाएगा जहां अधिक गहराई और यातायात की समस्या है ऐसे क्षेत्रों में ट्रेंचलेस ढंग से बिना खुदाई सुरंग से जमीन के भीतर पाइपलाइन डाला जाएगा। उक्त काम दिन-रात होगा ताकि समय से काम हो सके।

डीएम ने तीनपानी से नरीमन चौक व कालू सिद्ध मंदिर से कठघरिया तक सड़क चौड़ीकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त व लोक निर्माण विभाग को चौड़ीकरण की जद में आ रहे भवनों चिह्नीकरण को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि चौड़ीकरण जल्द पूरा किया जा सके। वहीं, रकसिया नाले से विभिन्न कॉलोनियों में होने वाले जलभराव से निजात के लिए भी आवश्यक प्रस्ताव बनाने के निर्देश सिंचाई, नगर निगम व यूयूएसडीए को दिए। डीएम ने बिजली अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन-जिन क्षेत्रों में बिजली की लाइनें बिछाई जानी हैं, उनमें बिजली पोल, लाइन शिफ्टिंग भी जल्द किया जाए। इस के लिए जरूरी बजट का प्रस्ताव बनाकर एजेंसी को समय से भेज दिया जाए। नैनीताल के पटवा डांगर में प्रस्तावित एसटीपी निर्माण के लिए भूमि चयन के संबंध में भी समीक्षा की। एडीएम को निर्देश दिए कि इस संबंध में गठित समिति के साथ क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण कर भूमि चयन कर अनापत्ति संबंधित कार्यवाही करते हुए प्रस्ताव शीघ्र भेजें।

इस दौरान यूयूएसडीए कार्यक्रम निदेशक अभिषेक रुहेला, एडीएम विवेक राय, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, एसडीएम राहुल शाह आदि मौजूद रहे।

मेयर ने की तीनपानी सड़क चौड़ीकरण में दोबारा सीमांकन करने की मांग

हल्द्वानी, अमृत विचार : मेयर गजराज बिष्ट ने गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल से मुलाकात कर शहर से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर वार्ता की। मेयर ने तीनपानी से नरीमन चौराहा काठगोदाम तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण में बीच से दोनों ओर नहर कवरिंग करते हुए दोबारा सीमांकन करने की मांग रखी, ताकि आम जनता को चिह्नीकरण के दौरान हो रही दिक्कतों से राहत मिल सके। साथ ही पनियाली कठघरिया से चंबल पुल होते हुए पनचक्की चौराहे तक नहर कवरिंग कार्य को जल्द पूरा करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि तेजी से कार्य कर इसे शीघ्र पूरा कराया जाएगा। मेयर ने बताया कि खनन गतिविधियों से शहरी क्षेत्र प्रभावित होता है, इसलिए शहर के विकास के लिए खनन न्यास से नगर निगम को सीधे धन उपलब्ध कराया जाए, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। उन्होंने शहर में जगह-जगह लगे लाल निशानों से जनता को हो रही परेशानी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। मेयर ने कहा कि जनता का अनावश्यक नुकसान किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं होगा और पूर्व में की गई कार्यवाही पर पुनर्विचार कर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। डीएम रयाल ने सभी मुद्दों पर विचार कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

क्षेत्र की जनता के हितों का रखा जाए ध्यान: पार्षद

हल्द्वानी : बरेली रोड तीनपानी क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण को लेकर स्थानीय लोगों का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पार्षद मनोज जोशी के नेतृत्व में डीएम से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम के समक्ष मांग रखी कि सड़क चौड़ीकरण में एक ही तरफ की सड़क पर दबाव न बनाया जाए और कार्यवाही पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए। पार्षद मनोज जोशी ने कहा कि वर्षों से अपना रोजगार कर रही क्षेत्र की जनता के हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सिंचाई विभाग की उपलब्ध भूमि का उपयोग कर सड़क चौड़ीकरण किया जाए, जिससे किसी भी भूमिधर या दुकानदार का नुकसान न हो। डीएम ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन देते हुए कहा कि किसी का रोजगार समाप्त नहीं होने दिया जाएगा और सभी भूमिधरों के हितों की रक्षा की जाएगी।

सड़क निर्माण विवाद पर बनी सहमति धरना किया समाप्त

हल्द्वानी, अमृत विचार: अमृतपुर अमियां, जमरानी बांध क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य की खराब गुणवत्ता के विरोध में जारी ग्रामीणों का तीन दिवसीय धरना गुरुवार को समाप्त हो गया है।

पूर्व दर्जाधारी व राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों और विभागीय अधिकारियों के बीच वार्ता हुई, जिसके बाद प्रदर्शनकारी धरना स्थगित करने पर सहमत हुए। तारा दत्त पांडे के नेतृत्व में ग्रामीण बीते तीन दिनों से आंदोलनरत थे। उनका आरोप था कि सड़क की निर्माण सामग्री व तकनीक मानकों के आधार पर नहीं बनी है।

गुरुवार को धरनास्थल पर पहुंचे हरीश पनेरू ने दोनों पक्षों से बातचीत की और आश्वासन दिया कि वे जिला प्रशासन से सड़क निर्माण की गुणवत्ता में सुधार, भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक और समुचित डामरीकरण सुनिश्चित कराने हेतु ठोस कार्रवाई करवाएंगे। पनेरू ने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा, लेकिन जनता की जायज मांगों को किसी भी स्थिति में अनदेखा नहीं होने दिया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर में 108 बच्चों की हुई जांच

संवाददाता, हल्द्वानी

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करते सीएमओ डॉ. एचसी पंत, साथ में मौजूद मेयर एवं दायित्वधारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और बेस चिकित्सालय हल्द्वानी की ओर से उत्थान मंच में निःशुल्क सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर लगा। इसमें 108 बच्चों की जांच की गई। इसमें ईएनटी के सर्वाधिक मामले मिले।

बेस चिकित्सालय के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने कहा कि डीईआईसी अस्पताल का वह अभिन्न अंग है जो उन बच्चों के लिए आशा की किरण है जो जन्मजात बीमारियों से जूझ रहे हैं। सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत ने कहा कि माता-पिता जानकारी के अभाव में बच्चों की गंभीर बीमारियों (जैसे दिल में छेद या ऑटिज्म) को पहचान नहीं पाते, इसलिए आज का यह कैंप केवल इलाज के लिए नहीं, बल्कि अभिभावकों को जगाने के लिए भी था। शिविर में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आईपी अरोड़ा, प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विकास, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कविता लोहनी, मनोचिकित्सक डॉ. गरिमा कांडपाल और मेडिकल ऑफिसर डॉ. विनीत जोशी ने बच्चों की जांच की। इसमें सर्वाधिक 39 मामले ईएनटी के, 36 मामले मनोचिकित्सा के और 33 मामले गंभीर हृदय रोग के पाए गए।

बच्चों को निःशुल्क दवाइयां, डिजिटल एक्स-रे और उच्च स्तरीय परामर्श दिया गया। आयोजन में जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मदन मेहरा, डीईआईसी मैनेजर गोपाल बिष्ट और अर्ली इंटरवेंशनिस्ट दिनेश मठपाल, ऑडियोलॉजिस्ट चारुलता, फिजियोथेरेपिस्ट शैलजा ने आयोजन में भूमिका निभाई। इस दौरान मेयर गजराज बिष्ट आदि मौजूद रहे।

बाघों की गणना का प्रशिक्षण दिया

नैनीताल: अखिल भारतीय बाघ अनुमान (ऑल इंडिया टाईगर स्टीमेयान 2026) के तहत वन विभाग की ओर से एमस्ट्रैप्स इकोलॉजिकल एप के माध्यम से बाघों की गणना का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रक्रिया में बाघों के वैज्ञानिक प्रमाण इकट्ठा करने के लिए फील्ड वर्क, फुट सर्वे, साइन इंटरप्रिटेशन और डेटा संग्रह शामिल हैं।

गुरुवार को नैनीताल जू में डीएफओ आकाश गंगवार के नेतृत्व में वन क्षेत्राधिकारी नितिन पंत की ओर से विभागीय कर्मचारियों को मोबाइल एप के माध्यम से डेटा अपलोड करना सिखाया। वहीं एसडीओ ममता चंद ने बताया कि भारत में बाघों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा व निगरानी के लिए इस एप का प्रयोग किया जा रहा है। बताया कि गुरुवार को 40 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

ऋण लेने में नैनीताल जिला अव्वल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राज्य के सभी जिलों में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण परिवारों का क्षमता एवं कौशल विकास करके उन्हें आजिविका से जोड़ना है। इसके लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन करके पात्रों को बेहद की कम ब्याजदर पर ऋण दिया जाता है। ऋण आवंटन के मामले में नैनीताल जिला पहले नंबर पर है।

उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस योजना के तहत वर्तमान तक 66637 स्वयं सहायता समूह की 4.90 लाख गरीब परिवारों की महिलाओं को संगठित करके 7183 ग्राम संगठन और 490 कलस्टर स्तरीय संगठन का गठन हुआ है। कुल 15877 स्वयं सहायता समूहों को अभी तक करीब 200 करोड़ रुपये की धनराशि बतौर ऋण उपलब्ध कराई गई है। इनमें 27.43 करोड़ रुपये ऋण के साथ नैनीताल जिला पहले नंबर पर है। कुल स्वयं सहायता समूहों के मामले में ऊधमसिंह नगर जिले का पहला स्थान है।

स्वयं सहायता समूह का लक्ष्य, उपलब्धियां, ऋण लक्ष्य, ऋण वितरण (करोड़ों में)

जिला	लक्ष्य	उपलब्धियां	ऋण लक्ष्य	ऋण वितरण
अल्मोड़ा	2400	1392	19.40	14.52
बागेश्वर	1100	661	10.70	9.28
चमोली	2300	920	25.60	9.55
चंपावत	1600	300	13.20	2.88
देहरादून	2100	1428	34.90	25.84
हरिद्वार	2700	892	20.60	14.24
नैनीताल	2400	1934	32.80	27.43
पौड़ी	3700	1712	32.70	19.39
पिथौरागढ़	2100	598	16.40	7.32
रुद्रप्रयाग	1150	644	13.90	7.64
टिहरी	2150	1181	13.60	15.18
यूएस नगर	4200	2525	49.30	25.74
उत्तरकाशी	2100	1690	16.90	22.87

(स्रोत-ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखंड)

कृषि कार्य को ली भूमि पर रिसॉर्ट बनाने का आरोप

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : युवा कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आनंद रावत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एक ज्ञापन एसडीएम को दिया। ज्ञापन में बताया कि ग्राम सभा लालूपुर बासीटीला में बाहरी राज्य के एक व्यक्ति ने दस बीधा कृषि भूमि कृषि कार्य के लिए खरीदी थी। उस भूमि पर होटल निर्माणाधीन है। जबकि यह नियम के विरुद्ध है।

आरोप है कि उक्त व्यक्ति द्वारा कृषि भूमि पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही है। भूमाफिया द्वारा पूर्व में क्षेत्र के अन्य गांवों में समय, समय पर गतिविधियां की गई है यह बाहरी राज्य के भूमाफिया सीधे-साधे यह गरीब किसानों से औने पौने दामों में कृषि भूमि को खरीद लेते हैं या फिर अन्य तरह का लालच देते हैं फिर उक्त कृषि भूमि पर होटल और रिसोर्ट बना लेते हैं। ग्राम सभा लालूपुर बासीटीला जो कि कार्बेट पार्क की सीमा से लगा गांव होने की बजह से इको सेंसेटिव जोन में आता है इस कारण इन ग्राम सभाओं में वर्ष 2013 से पूर्ण तरह से प्रतिबंधित है और उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए गए भू कानून के नियम का उल्लंघन हो रहा है और इन बाहरी राज्यों के भूमाफियाओं द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही। ग्रामीणों ने इस दस भीगा भूमि पर चल रहे व्यवसायिक कार्य को तुरंत रोका जाए और निष्पक्ष जांच की जाए।

समिति के नामित पदाधिकारी को हटाकर निष्पक्ष चुनाव की मांग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- क्रियाशाला सेवा समिति मुखानी की कार्यकारिणी को लेकर विवाद
- रिसीवर पर पुरानी कार्यकारिणी को ही संचालन सौंपने का आरोप

अमृत विचार : क्रियाशाल सेवा समिति मुखानी की कार्यकारिणी को लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक गुट ने आरोप लगाया कि एसडीएम के आदेश के बाद नियुक्त रिसीवर ने पुरानी कार्यकारिणी को ही संचालन का जिम्मा दे दिया जिससे 20 दिसंबर को होने वाले चुनाव में धांधली हो सकती है। उन्होंने वर्तमान नामित पदाधिकारी को हटाने व निष्पक्ष चुनाव की मांग की है।

विपिन चंद्र बिष्ट निवासी शिव पार्वती विहार ने एसडीएम व तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर क्रियाशाला सेवा समिति के आगामी 20 दिसंबर को होने वाले चुनाव में धांधली की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि एसडीएम राहुल शाह ने बीती 7 नवंबर को क्रियाशाला सेवा समिति के बीती 23 फरवरी 2024 को हुए चुनाव प्रक्रिया को निरस्त करते हुए गठित कार्यकारिणी को भंग कर दिया था। उन्होंने हल्द्वानी तहसीलदार को उक्त समिति का रिसीवर बनाया और एक माह में चुनाव कराने के आदेश दिए थे। उन्होंने सौंपे ज्ञापन में कहा कि तहसीलदार ने एसडीएम के इस आदेश के विपरीत उन्हीं पदाधिकारियों को फिर से समिति संचालन का जिम्मा सौंप दिया जिन पर पिछले कई वर्षों से बिना किसी विधिवत चुनाव के पदों पर कब्जा जमाए रहने के आरोप लगे हैं। जो खुद आरोपों के घेरे में हैं, उनकी देखरेख में समिति का संचालन भी संदेह के घेरे में आ गया है।

आरोप लगाया कि एसडीएम ने आदेश में संस्था के सभी सदस्यों को कोर्ट के उक्त आदेश की प्रति उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए थे लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है। आशंका जताई कि वर्तमान नामित पदाधिकारी नए सदस्य बनाकर चुनाव प्रभावित कर सकते हैं।

दिव्यांगता दिवस पर वॉकथॉन का आयोजन

हल्द्वानी: विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर रोशनी सोसाइटी, ने गुरुवार को संचार साहस का शीर्षक से वॉकथॉन का आयोजन किया। वॉकथॉन में लगभग 250 दिव्यांग बच्चे, अभिभावक, एजुकेटर्स और प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक समाज कल्याण अधिकारी राहुल आर्या ने किया।

वॉकथॉन सुभाष नगर स्थित पुनर्वास केंद्र से तिकोनिया चौराहे तक निकाला गया। सोसाइटी की अध्यक्ष शिवानी पाल ने कहा कि विशेष बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। सचिव गोविंद मेहरा और उपाध्यक्ष हेमा परगांई ने भी अभियान को जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में सेवालय संस्था जेडीएम स्कूल दमुवाढूंगा व एमबीपीजी कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने भी भाग लिया।

दिवाकर भट्ट के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते यूकेडी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

दिवाकर भट्ट को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हल्द्वानी, अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य आंदोलन के फील्ड मार्शल और उत्तराखंड क्रांति दल के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को यूकेडी कार्यकर्ताओं ने डीके पार्क में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। जिलाध्यक्ष प्रताप चौहान ने कहा कि दिवाकर भट्ट ने जिस निष्ठा और दृढ़ता के साथ उत्तराखंड की अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई लड़ी, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। युवा मोर्चा नैनीताल के जिलाध्यक्ष हरीश मेवाड़ी और युवा मोर्चा चंपावत के जिलाध्यक्ष अमित विनवाल ने कहा कि उनके संघर्ष और नेतृत्व ने हजारों युवाओं को मार्गदर्शन दिया। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे दिवाकर भट्ट द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए उत्तराखंड की मूल भावना और आंदोलन के आदर्शों को आगे बढ़ाएंगे। श्रद्धांजलि सभा में पार्षद रवि वाल्मीकि, एडवोकेट मोहन कांडपाल, विजया ध्यानी, मोहन सिंह बिष्ट, प्रमोद सती, मदन सिंह मेर, प्रकाश जोशी, इंद्र सिंह मनराल, महेश तिवारी, कमल पंत, बच्ची सिंह बिष्ट, आनंद सिंह मेर सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनदेखी

आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं निगम के संविदा, विशेष श्रेणी और आउटसोर्स कर्मचारी, रोजी-रोटी का संकट

आर्थिक संकट में परिवहन निगम कर्मी, दो माह से वेतन के लाले

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : परिवहन निगम के कर्मचारियों को वेतन के लाले पड़े हैं। निगम को ओर से कर्मचारियों को 2 माह से अधिक समय से वेतन नहीं दिया गया है। जिससे कर्मचारी आर्थिक और मानसिक रूप से प्रभावित हैं। खासकर संविदा, विशेष श्रेणी और आउटसोर्स कर्मचारियों पर रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

उल्लेखनीय है कि लंबे समय से कर्मचारियों को अनियमित वेतन का भुगतान हो रहा है, इसे लेकर कर्मचारी पूर्व में कई बार धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या के समाधान के लिए शासन और निगम मुख्यालय स्तर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कर्मचारियों को मजबूरन कर्ज लेकर और छोटी-मोटी बचत के सहारे अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं।

कर्मचारियों का आरोप है कि शासन और निगम मुख्यालय पूरी तरह कर्मचारियों और निगम के हितों की अनदेखी कर रहा है। कहा कि डग्गामारी पर रोक लगाने में शासन और निगम में बैठे उच्चाधिकारी पूरी तरह विफल हो चुके हैं। जिससे निगम धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोते जा रहा है। हैरानी की बात है कि परिवहन जैसा महत्वपूर्ण विभाग स्वयं मुख्यमंत्री के पास है, लेकिन इसके बावजूद कर्मचारियों की हितों की अनदेखी की जा रही है। वेतन की समस्या को लेकर कर्मचारी पूर्व में भी कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद वेतन का भुगतान नियमित नहीं हो रहा है। करीब एक साल से कर्मचारियों को अनियमित रूप से वेतन का भुगतान किया जा रहा है। जिसका अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

एस्मा लागू करने पर कर्मचारियों में आक्रोश

अनियमित वेतन को लेकर कर्मचारियों की ओर से बार-बार धरना प्रदर्शन करने के बाद रुके हुआ वेतन जारी किया जा रहा था। बाद में सरकार ने एस्मा कानून लागू कर इस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया। अब कर्मचारी अपनी समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन या कार्यबहिष्कार भी नहीं कर सकता है। इसे लेकर भी कर्मचारियों में आक्रोश है।

पिछले दो माह से वेतन नहीं दिया गया है और करीब एक साल से अनियमित भुगतान हो रहा है। बार-बार धरना प्रदर्शन के बाद भी कर्मचारियों के हितों को लेकर कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला जा रहा है। वेतन न मिलने से परिवार में आर्थिक संकट छा गया है। - **राजीव भट्ट**, परिचालक हल्द्वानी डिपो

वेतन न मिलने से कर्मचारियों का परिवार भी मानसिक रूप से परेशान है। परिवार की जरुरतें पूरी करने के छोटी-मोटी बचत भी खर्च कर चुके हैं। नियमित वेतन का स्थायी समाधान नहीं निकलने पर उग्र आंदोलन होगा। - **जगदीश बिष्ट**, परिचालक, काठगोदाम डिपो

परिवहन निगम की समस्याओं से निपटने के लिए कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। लंबे समय से अनियमित रूप से वेतन दिया जा रहा है और पिछले दो माह से वेतन नहीं दिया गया है। कर्मचारियों की समस्याओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। -**विजय कुमार**, परिचालक, अल्मोड़ा डिपो

मुख्यमंत्री और उच्चाधिकारियों से अनुरोध है कि कर्मचारियों को उनके वेतन का भुगतान नियमित रूप से किया जाए। वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों पर आर्थिक संकट बढ़ता जा रहा है। जिससे परिवार की जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। -**नवीन चंद्र**, चालक हल्द्वानी डिपो

रेलवे स्टेशन पर अधेड़ का शव मिलने से हड़कंप

संवाददाता, लालकुआं

- लगभग 50-55 वर्षीय व्यक्ति की मौत ठंड से होने की आंशका

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन कैंपस के एक भवन के बरामदे में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया लगभग 50-55 वर्षीय व्यक्ति की मौत ठंड लगने से होना प्रतीत हो रही है। पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन कोई पहचान नहीं हो सकी।

गुरुवार सुबह रेलवे स्टेशन पिट लाइन के पास स्थित एक विभागीय भवन के बरामदे में शव मिलने की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने की कोशिश की, पर सफलता नहीं मिली, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट या हिंसा के निशान नहीं मिले हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह राणा ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सूचना दी थी कि रेलवे भवन में एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि वह व्यक्ति इस क्षेत्र में पहली बार दिखाई दिया था। मृतक के पास से लखनऊ का रेलवे टिकट भी बरामद हुआ है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,5 दिसंबर 2025

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

दो युवकों की मौत मामले में बस चालक पर केस

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत रुद्रपुर-किच्छा नेशनल हाईवे पर चार दिन पहले हुई सड़क दुर्घटना में पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है ।विगत 29 नवंबर को देवरिया टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार बस ने मोटरसाइकिल सवार जीशान और मोहम्मद अरबाज को टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जीशान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अरबाज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक जीशान के भाई मोहम्मद फिरोज की शिकायत पर, जिसमें उन्होंने बस चालक पर लापरवाही और तीव्र गति से वाहन चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

17 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत कलकत्ता चौकी पुलिस ने देर रात गश्त के दौरान धौराडॉम क्षेत्र से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी ओमप्रकाश नेगी के नेतृत्व में टीम ने 56 वर्षीय वीर सिंह नामक आरोपी को संदिग्ध अवस्था में दबोचा ।तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 51 पाउच में रखी करीब 17 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह शराब ग्राम भगवानपुर से खरीदी थी।

फेसबुक आईडी हैक की

बाजपुर : एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की फेसबुक और इंस्टाग्राम आईडी हैक होने का आरोप अज्ञात व्यक्ति पर लगाते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित ने पुलिस बताया कि पत्नी के नाम की एक फेसबुक, इंस्टाग्राम आईडी बनी हुई थी, जो पिछले पांच वर्षों से बंद थी। अज्ञात व्यक्ति ने पत्नी की इस निष्क्रिय आईडी को हैक कर लिया है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मैं भगवान सिंह पुत्र श्री मदन सिंह मटेला निवासी-पौधर र.फ. पव्वाधर, पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड। मेरे आर्मी दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश YUVAANSH SINGH BISHT एवं पुत्र की जन्मतिथि 02/04/2022 गलत दर्ज है। जबकि सही व वास्तविक नाम YUVANSH SINGH BISHT एवं जन्मतिथि 30/03/2022 आर्मी दस्तावेजों में दर्ज किया जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम JARIF से बदलकर JARIF AHAMAD रख लिया है और मुझे भविष्य में JARIF AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये। JARIF AHAMAD S/O BANNEY, WARD NUMBER 1, BHOLA COLONY, GADARPUR US NAGAR (UTTARAKHAND)

सूचना

सूचित करना है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस UK-0420060085887 में मेरा नाम प्रमोद सिंह पुत्र श्री आलम सिंह गलत दर्ज हो गया है। जब कि मेरा सही नाम पान सिंह पुत्र आलम सिंह है। मुझे पान सिंह के नाम से जाना जाए। **पान सिंह पुत्र श्री आलम सिंह निवासी झुमा खेत लल्ला, झुमखेत, चमोली (उत्तराखण्ड)।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम PREETI BOHRA (पुराना नाम) से बदलकर अब PREETI GOBARI (नया नाम) कर लिया है। अतः अब से भविष्य में PREETI GOBARI (नया नाम) पत्नी संतोष सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाए वर्तमान पता प्रीति गोबाड़ी पत्नी संतोष सिंह, ग्राम-नदन्ना, खटीमा, उधम सिंह नगर।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पूर्व नाम माधव अग्रवाल पुत्र राकेश कुमार को बदलकर विनायक गर्ग पुत्र राकेश गर्ग कर लिया है। भविष्य में मुझे वास्तविक नाम विनायक गर्ग के नाम से जाना व पहचाना जाए। **विनायक गर्ग पुत्र राकेश गर्ग, बसंत गार्डन, किशनपुर, किच्छा (ऊधम सिंह नगर)।**

आढ़तियों को दुकान नहीं देने से भड़के पूर्व विधायक ठुकराल

मंडी गेट पर किया धरना प्रदर्शन, बोले-जल्द दुकानें आवंटित नहीं हुईं तो होगा आंदोलन

संवाददाता, रुद्रपुर

मंडी समिति कार्यालय गेट पर धरना देते पूर्व विधायक ठुकराल व किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: एक बार फिर नवनिर्मित अनाज मंडी का मुद्दा उठाते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने किसानों के साथ मंडी समिति गेट पर धरना प्रदर्शन किया और शासन-प्रशासन पर भवन को खुर्दबुर्द करने का आरोप लगा दिया। उनका कहना था कि आढ़तियों को दुकानें आवंटित होने के बाद किसानों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने आगाह किया कि यदि जल्द ही दुकानों को आवंटन शुरू नहीं हुआ तो वृहद आंदोलन होगा।

गुरुवार की सुबह पूर्व विधायक ठुकराल किसानों के साथ मंडी समिति बगवाड़ा पहुंचे और सचिव कार्यालय गेट के सामने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान मंडी समिति सचिव ने समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन ठुकराल नहीं माने। उनका कहना था कि चार साल पहले उनके विधायक काल में आदित्य नाथ झा इंटर कॉलेज की भूमि को हस्तांतरण कर विशाल अनाज मंडी का निर्माण किया था। जिसका उद्देश्य उत्तराखंड और यूपी के हजारों किसानों को लाभ मिल सके और फसल बेचने के लिए बेहतर व व्यवस्थित स्थान मिल जाए।

ठुकराल ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है कि अनाज मंडी खंडहरनुमा बन चुकी है और परिसर नशेड़ियों का अड्डा बनती जा रही है। बताया कि मंडी परिषद 62 दुकानें मंडी समिति को हस्तांतरित कर चुका है, बावजूद मंडी ने दुकानों को आवंटन प्रारंभ नहीं किया। बताया कि मंडी समिति के कुछ अधिकारी दुकान आवंटन को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं और शासन-प्रशासन चुप्पी साधे बैठा हुआ है। शिकायतें आ रही है कि दुकान आवंटन में सुविधा शुल्क का भी खेल चल रहा है।

उन्होंने आगाह किया कि यदि जल्द ही दुकानों का आवंटन नहीं हुआ तो मंडी परिषद कार्यालय के सामने आमरण अनशन प्रारंभ होगा। दोपहर डेढ़ बजे के करीब मंडी सचिव विश्व विजय सिंह देव ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आवंटन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। इस मौके पर लघु उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव गुप्ता, विकास बंसल, संजय ठुकराल, गगन ग्रोवर, आनंद शर्मा, ललित सिंह बिष्ट, भुवन गुप्ता, राकेश सिंह, विक्रमजीत सिंह, अमृतपाल सिंह, हीरा सिंह, राजवीर सिंह विर्क, सद्दाम पाशा, सुरेंद्र गुप्ता, संजीव गुप्ता, जयप्रकाश सक्सेना, सत्ता कोली, गोविंद साहनी, कमल देव सोनकर, सुनील चुग आदि मौजूद रहे।

फायरिंग प्रकरण में दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

बाजपुर: सप्ताहभर पहले हुए हरिपुरा जबरान मारपीट व फायरिंग प्रकरण में पुलिस ने दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से 12 बोर की अवैध बंदूक भी बरामद की है।

ग्राम हरिपुरा जबरान में 26 नवंबर की दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे खेत के पानी को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट एवं फायरिंग मामले में वादी गुरचरण सिंह पुत्र प्रेम सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मामला पंजीकृत किया था। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने त्वरित अनावरण हेतु विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक काशीपुर के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी बाजपुर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बाजपुर के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त नानक सिंह पुत्र बरीत सिंह निवासी हरिपुरा जबरान को गिरफ्तार कर लिया। टीम को मिली सफलता के बाद आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध 12 बोर बंदूक व एक खोखा कारतूस बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम तथा 3(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। आरोपी को गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मुकदमे में शामिल आरोपी के भाई को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से गहराया संकट

बाजपुर में पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से गली में बहता पेयजल।

संवाददाता, बाजपुर

● पानी सड़क पर बहने से लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानी

अमृत विचार: शहर के पासी वाली गली में पेयजल सप्लाई लाइन क्षतिग्रस्त होने से बीते कई दिनों से बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है। मुख्य लाइन में लीकेज आने के कारण पेयजल सप्लाई प्रभावित होने लगी है, जिससे क्षेत्र में संकट और गहरा गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह-शाम निर्धारित समय पर नलों में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं आ पा रहा, जबकि सड़क पर लगातार पानी बहने से लोगों को आवागमन में भी परेशानी हो रही है। लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पाइप लाइन टूटने के बावजूद भी मरम्मत कार्य में देरी होती रही, जिसके चलते पानी सड़क पर फैलकर बह रहा है। मोहल्लेवासियों ने जल संस्थान से लाइन जल्द दुरुस्त करने की मांग करते हुए कहा कि पानी की बर्बादी के साथ-साथ सप्लाई बाधित होने से उन्हें रोजमर्रा के कामकाज में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस संबंध में जल संस्थान के अवर अभियंता हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य लाइन में लीकेज की शिकायत मिलने के बाद बुधवार को मरम्मत कार्य पूरा कर दिया गया था, लेकिन गुरुवार सुबह सप्लाई सुचारू करने पर पता चला कि एक अन्य उपभोक्ता के आवास को जाने वाली लाइन के जोड़ पर लगी क्लेम्प गल चुकी है। यह कनेक्शन कई दशक पुराना है और काफी गहराई में दबा हुआ है, जिसके कारण मरम्मत में समय लग रहा है।

तकनीकी खराबी से 20 घंटे बंद रही मिल

संवाददाता, बाजपुर

चीनी मिल में टूटी बायलर को बागास फीड करने वाली चेन की शाफ्ट। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सहकारी चीनी मिल में तकनीकी खराबियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार देर रात करीब नौ बजे मिल के बायलर को बागास फीड करने वाली चेन की शाफ्ट अचानक टूट गई, जिससे मिल का संचालन पूरी तरह बाधित हो गया और हादसे के बाद गन्ना पिराई का कार्य रोकना पड़ा था। युद्ध स्तर पर हुए मरम्मत के उपरांत लगभग बीस घंटे बाद मिल को संचालित किया जा सका।

मिल सूत्रों के अनुसार शाफ्ट टूटने के साथ ही एक प्रमुख विद्युत केबल भी असंतुलित और अनियंत्रित लोड के कारण जल गई, जिसके चलते केन यार्ड में लगी क्रेन भी बंद हो गई। क्रेन के ठप पड़ते ही गन्ने की ढुलाई और यार्ड प्रबंधन कार्य बाधित हो गया है। तकनीकी टीम द्वारा निरीक्षण के बाद तत्काल मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसके चलते लगभग 16 घंटे के बाद छोटी मिल और करीब 20 घंटे के उपरांत बड़ी मिल को भी संचालित कर दिया गया। प्रधान प्रबंधक डा.अमृता शर्मा के लगातार पर्यवेक्षण और दबाव के बाद मिल के टेक्निकल अधिकारियों द्वारा तकनीकी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए, जिसके चलते कारखाने में गन्ना पेराई सुचारु हो पाया है। उधर मिल की महाप्रबंधक डॉ.अमृता शर्मा ने बताया कि कारखाने में इस तरह की टेक्निकल दिक्कत होना स्वभाविक है। अचानक टूटी बायलर को बागास फीड करने वाली चेन की शाफ्ट की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर कारखाने को संचालित करवा दिया गया है।

चौड़ीकरण व जाम की समस्या का होगा समाधान

● विधायक बोले-मास्टर प्लान एजेंडे में शामिल हुई 60 फीट सड़क

संवाददाता, रुद्रपुर

रुद्रपुर में पत्रकारों से वार्ता करते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि वर्तमान में शहर की दो बड़ी समस्याएं हैं। जिसको लेकर काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण को लेकर व्यापारी भयभीत हैं। वहीं जनता जाम के जंजाल से परेशान है। जिसका जल्द ही समाधान होगा। कारण दोनों ही समस्या अब मास्टर प्लान एजेंडे में शामिल हो चुकी है।

गुरुवार को प्रेसवार्ता में विधायक अरोरा ने कहा कि कई वर्षों पहले काशीपुर बाईपास एक मार्ग था और वर्तमान में यह मार्ग हाईवे बन चुका है। जिसको लेकर चौड़ीकरण और जाम मुक्त शहर बनाना उनकी प्राथमिकता रही और उनके द्वारा एक मास्टर प्लान प्राधिकरण व शासन को भेजा था, लेकिन प्लान को लॉक कर दिया था। यही कारण है कि पिछले कुछ समय से काशीपुर बाईपास का व्यापारी 75-75 फीट चौड़ीकरण को लेकर भयभीत हो रहा था।

उन्होंने कहा कि जब उनके द्वारा लगातार प्राधिकरण और शासन स्तर तक पैरवी की तो प्राधिकरण द्वारा 60-60 फीट चौड़ीकरण के प्रस्ताव को मास्टर प्लान एजेंडे में शामिल कर लिया और मुख्यमंत्री धामी ने भी रिंग रोड के साथ ही 1100 करोड़ की सड़क निर्माण को एजेंडे में शामिल कर लिया है। उनको विश्वास के ही प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाएगी और कम नुकसान के साथ ही व्यापार हो जाएगा और हजारों लोग जाम मुक्त हो जाएगा।

सभासद खष्टी नंदन जोशी को सम्मानित करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अधिवक्ता दिवस पर सभासद जोशी सम्मानित

रामनगर : अधिवक्ता दिवस पर रामनगर टैक्स बार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता व लगातार पांच बार के वार्ड मेंबर खष्टी नन्दन जोशी एवं पूर्व सभासद भुवन डंगवाल को उनके उत्कृष्ट योगदान एवं समाजसेवी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। टैक्स बार के पदाधिकारियों ने उन्हें शॉल व प्रतीक चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने न्याय व्यवस्था में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान एडवोकेट पूरन पाण्डेय, प्रबल बंसल, फिरोज़ अंसारी, गौरव गोला, मनु अग्रवाल, विशाल रस्तोगी, गुलरेज़ रज़ा, मनोज बिष्ट, जिशान मलिक, शोभित अग्रवाल, भोपाल रावत, राकेश रही, बलविंदर कोहली समेत कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

पियूष व डॉली का खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन

● जय मोहन इंटर कॉलेज कानिया के छात्र हैं दोनों

संवाददाता, रामनगर

खिलाड़ियों का स्वागत करते विद्यालय की प्रबंधन टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जय मोहन इंटर कॉलेज कानिया के छात्र पीयूष बिष्ट एवं छात्रा डॉली आर्या ने उत्तराखण्ड की टीम से 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेल-प्रतियोगिता में छात्र पीयूष बिष्ट ने बालक वर्ग से अंडर- 19 एथलेटिक्स में तथा छात्रा डॉली आर्या ने बालिका वर्ग से अंडर - 19 वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

प्रतियोगी छात्रों के कोच एवं खेल शिक्षक राकेश चन्द्र ने बताया कि दोनों विद्यार्थी अभूतपूर्व खेल प्रतिभा के धनी है। छात्रों का खेल के प्रति समर्पण एवं परिश्रम उन्हें निश्चित रूप से भविष्य में उत्तराखण्ड टीम का नेतृत्व करने का सामर्थ्य प्रदान करेगा। विद्यालय प्रबंधन ने दोनों उभरते खिलाड़ियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। विद्यालय के संस्थापक, गोपाल दत्त जोशी, प्रबंधक अमन जोशी, प्रधानाचार्य एमडी तेवाड़ी, सह प्रधानाचार्य डीएस मनराल खेल संयोजक मंगल सिंह बिष्ट ने दोनों विद्यार्थियों एवं कोच राकेश चंद्र को बधाई देते हुए उनके छात्रों की उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आलूखेत में भूस्खलन का होगा स्थायी उपचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कई वर्षों से नैनीताल के आलू खेत और खूपी क्षेत्र में हो रहे भूस्खलन का स्थाई उपचार उत्तराखंड न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र करेगा। शहर के आलुखेत, खुपी और ढूंगसील क्षेत्रों में लगातार सक्रिय भूस्खलन अब स्थायी उपचार की दिशा में बढ़ा है। सिंचाई विभाग ने उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र को प्रभावित क्षेत्रों के स्थाई उपचार हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का पत्र भेज दिया है।

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता एमएस बिष्ट ने बताया कि नैनीताल की बुनियाद में लंबे समय से सक्रिय भूस्खलन शहर के लिए जोखिम बना हुआ है। ऐसे में विशेषज्ञ संस्था यूएलआरएमसी को स्थायी रोकथाम, तकनीकी अध्ययन और ड्रेनेज सुधार जैसे उपाय तय करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र न केवल वर्तमान भूस्खलन का समाधान सुझाएगा, बल्कि आसपास के सभी संवेदनशील क्षेत्रों पर भी निरंतर निगरानी रखेगा। अध्ययन पूरा होने पर डीपीआर सरकार को भेजी जाएगी, जिसे स्वीकृति मिलने पर स्थायी ट्रीटमेंट कार्य शुरू किया जाएगा।

तैयारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में तैयारियों पर की गई चर्चा

रामलीला मैदान की रैली को ऐतिहासिक बनाएंगे

संवाददाता, खटीमा

कांग्रेस की बैठक में मंचासीन विधायक कापड़ी और अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दिल्ली के रामलीला मैदान में 14 को आयोजित राहुल गांधी की "वोट चोर गद्दी छोड़ रैली" को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियों को लेकर किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाडी और कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा के यहां पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि देश में पहली "चोरी" तब हुई जब केंद्र सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया बदल दी। पहले चुनाव आयुक्तों का चयन एक पारदर्शी और संतुलित प्रणाली के तहत होता था। लेकिन अब सरकार ने चयन प्रक्रिया में बदलाव कर लोकतंत्र की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रहार किया है। स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से तीन दिन की रोक केवल दिखावा है ताकि यह देखा जा सके कि इन्हें और तेजी से कैसे लगाया जाए। जनता की समस्याओं को समझने और समाधान करने के बजाय सरकार उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालने का काम कर रही है। विधायक कापड़ी ने कहा कि 14 दिसम्बर की रैली ऐतिहासिक होगी और उत्तराखंड से बड़ी संख्या में लोग दिल्ली पहुंचकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना संदेश देंगे। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य जसविंदर सिंह बाजवा, बॉबी राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, मान सिंह, जिला अध्यक्ष यूथ कांग्रेस नरेंद्र आर्य, महिला जिलाध्यक्ष रेखा सोनकर, देवेंद्र कन्याल, लक्ष्मी देवी, नासिर खान, राजू सोनकर, विजय शंकर यादव, उमेद बिष्ट, लतीफ, गौर सिंह, सुरेश बोरा, सुखविंदर, गुलफाम रजा, ब्लॉक अध्यक्ष यूथ कांग्रेस सागर शाही, बीना राणा, शांति सामान, पुष्पांजलि, नीरज कन्याल, विद्या, शमीम अख्तर, दीपक मुंडेला, विकास राणा, लक्ष्मण राणा आदि मौजूद रहे।

डायमंड जुबली जंबूरी में की शिरकत

भीमताल : भारत स्काउट और गाइड्स के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन लखनऊ में 23 नवंबर से 30 नवंबर तक आयोजित किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज गुनियालेख धारी नैनीताल के कृष्ण चंद्र तथा अटल उत्कृष्ट राधिका देवी बिष्ट राजकीय इंटर कॉलेज सुंदर खाल की पुष्पा बिष्ट ने 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में विकासखंड धारी का प्रतिनिधित्व किया। पुष्पा बिष्ट की मार्गदर्शन शिक्षिका माया आर्य ने बताया, पुष्पा ने विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग किया जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूड प्लाजा आदि प्रमुख रहे। कृष्ण चंद्र के मार्गदर्शक स्काउट मास्टर गौरी शंकर काण्डपाल ने कहा कि, कृष्ण चंद्र के द्वारा पिछले तीन महीने से जंबूरी के लिए तैयारी की थी।

आईलेट्स और सीएससी संचालकों के साथ बैठक करते कोतवाल सुंदरम शर्मा।

सीएससी में सीसीटीवी दुरुस्त रखें संचालक

सितारगंज : कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बृहस्पतिवार को आईलेट्स और सीएससी संचालकों के साथ कोतवाली परिसर में बैठक की। इस दौरान उन्होंने आईलेट्स और सीएससी संचालकों को अपने संस्थान में सभी सीसीटीवी कैमरे को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी फर्जीवाड़े से बचने के लिए जरूरी है कि उनके दस्तावेजों का ठीक से सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि कबूतरबाजों पर पुलिस पैनी नजर बनाए हुए हैं। फर्जीवाड़ा करने वालों को किन्हीं भी कीमतों पर बक्सा नहीं जाएगा। उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर एलआईयू प्रभारी भास्कर बड़ोला, एसएसआई विक्रम धामी, एसआई कैलाश देव आदि उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

गन्ना मूल्य बढ़ने पर मुख्यमंत्री धामी का जताया आभार

किच्छा : वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह की अगुवाई में कार्यकर्ताओं और किसानों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से खटीमा स्थित कैंप कार्यालय पर मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री धामी ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए गन्ने के समर्थन मूल्य में 30 प्रति क्विंटल से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि की है। इस वृद्धि के बाद उत्तराखंड अब गन्ना किसानों को उत्तर प्रदेश से अधिक समर्थन मूल्य देने वाला राज्य बन गया है। संजीव सिंह ने कहा कि इस फैसले से प्रदेश के लगभग 3 लाख से अधिक गन्ना किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने किच्छा चीनी मिल द्वारा किसानों का करोड़ों रुपये का भुगतान करने के लिए भी धामी सरकार का आभार जताया।

महिला के खिलाफ किया मानहानि का दावा

शक्तिफार्म : ग्राम सभा अरविंद नगर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्राम प्रधान पति निखिलेश घरामी ने गांव की ही एक महिला के खिलाफ मानहानि का दावा किया है। अधिवक्ता के माध्यम से महिला को भेजे गए नोटिस में कहा कि गत नवंबर में महिला ने सोशल नेटवर्क फेसबुक और इंस्टाग्राम में निखिलेश के खिलाफ आधारहीन वीडियो और पोस्ट अपलोड कर उनकी छवि को धूमिल करने का काम किया है। अधिवक्ता ने मानहानि के एवज में चौबीस लाख रुपये हर्जाने का दावा किया है। निखिलेश ने फेसबुक राष्ट्रीय हेड और सीईओ को भी नोटिस की प्रति भेज कार्रवाई की मांग की है।

बुजुर्ग को किया लहूलुहान

रुद्रपुर : अयान निवासी सीरगोटिया ने बताया कि एक दिसंबर की सुबह सवा दस बजे चचेरा भाई रिजवान आया और बुजुर्ग मां फरहा बी से अभद्रता करते हुए मां के ऊपर बैसाखी छीनकर सिर पर कई वार कर दिए। हमले में मां लहूलुहान होकर नीचे गिर गयी और हमलावर रिजवान जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। आनन फानन में घायल बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां वर्तमान में उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो चुका है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान

काशीपुर : नगर निगम द्वारा शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में सफाई और अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के तहत उन व्यापारिक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। जिन्होंने नालियों के ऊपर सामान फैलाकर अतिक्रमण किया था और दुकानों के आसपास कचरा और गंदगी फैलाई थी। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं सफाई निरीक्षक मनोज बिष्ट के नेतृत्व में नगर निगम की टीम द्वारा 10 से 12 व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर चालानी कार्यवाही करते हुए, कुल सात हजार पांच सौ रुपये का जुर्माना वसूल किया। साथ ही नगर निगम टीम द्वारा सभी व्यापारियों और नागरिकों से अपील की गई कि वे सार्वजनिक स्थानों, नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखें और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, ताकि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी यह सख्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

छत से गिरकर एक घायल

काशीपुर : ग्राम बांसखेड़ा निवासी अमन सिंह देर रात छत पर टहल रहे थे। इस दौरान अचानक पैर फिसलने से नीचे गिरकर घायल हो गया। परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

इस वित्तीय वर्ष के अंत तक बन जाएगा रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित, बोले-निर्माण के लिए आवश्यक धनराशि देगी राज्य सरकार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, तराई क्षेत्र के संस्थापक पंडित रामसुमेर शुक्ल की 47 वीं पुण्यतिथि पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्व.पंडित रामसुमेर शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी व उनके जीवन परिचय के शिलापट्ट का अनावरण किया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा। निर्माण में जो भी धनराशि की आवश्यकता होगी उसे राज्य सरकार पूरा करेगी।

गुरुवार को मुख्यमंत्री धामी रुद्रपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हम सब एक ऐसे महामानव की स्मृति में एकत्र हुए हैं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनसेवा और समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। पंडित रामसुमेर शुक्ल में अध्ययन करने के दौरान ही राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रखर भावना विकसित हो चुकी थी। गांधी जी के आदर्शों ने उनके मन पर इतना गहरा प्रभाव डाला कि उन्होंने कानून की प्रैक्टिस छोड़कर स्वयं को पूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि आज उनकी राह पर चलते हुए उनके पुत्र और मेरे मित्र राजेश शुक्ला भी तराई क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राज्य के शहरों से लेकर सुदूर पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। वहीं कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि भारतरत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत के नेतृत्व में पं. रामसुमेर शुक्ल ने तराई को बसाने का कार्य किया।

पंडित राम सुमेर शुक्ल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते सीएम पुष्कर सिंह धामी, विधायक शिव अरोरा, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला।

रुद्रपुर के मास्टर ड्रेनेज प्लान को मिली मंजूरी

रुद्रपुर : मुख्यमंत्री ने कहा कि रुद्रपुर रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण के साथ-साथ नई सिग्नल लाइनें और दो रेल ओवरब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए रुद्रपुर के मास्टर ड्रेनेज प्लान को मंजूरी प्रदान की गई है। साथ ही सार्वजनिक स्थानों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट्स का निर्माण भी प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर में 15 करोड़ रुपये की लागत से उत्तराखंड के पहले कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का भी निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही 17 करोड़ रुपये की लागत से एक एडवांस कूड़ा प्रबंधन प्लांट भी स्थापित किया गया है। किच्छा में 351 करोड़ रुपये की लागत से 100 एकड़ भूमि पर एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही पंतनगर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा का निर्माण भी किया जा रहा है।

ये घोषणाएं कीं

- लालपुर-नगला मोटरमार्ग से अम्बेडकर कॉलोनी तक सड़क मार्ग का डामरीकरण।
- किच्छा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण कर उप जिला चिकित्सालय बनाये जाने ‹bha›-
- पंडित राम सुमेर शुक्ल राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में आगामी सत्र से इंटरमीडिएट की कक्षाएं प्रारंभ कराना।
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के गांव में ब्लॉक प्रमुखों के प्रस्ताव के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा सेनानी भवन बनाया जाएगा।

विभिन्न विकास परियोजनाओं पर किया जा रहा है काम

रुद्रपुर : मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार ऊधमसिंह नगर जनपद और रुद्रपुर क्षेत्र के विकास के लिए भी विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही है। रुद्रपुर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पं. राम सुमेर शुक्ल के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। करीब 590 करोड़ रुपये की लागत से रुद्रपुर बाईपास निर्माण और रुद्रपुर को खटीमा-टनकपुर एवं गदरपुर-जसपुर से जोड़ने वाली फोरलेन सड़कों का निर्माण करा रहे हैं। 55 करोड़ रुपये की लागत से मानू नगर-गदरपुर से दिनेशपुर-मटकोटा होकर सीधे हल्द्वानी को जोड़ने वाले मोटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य भी किया जा रहा है।

ये जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे मौजूद

विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, दीपक बाली, दर्जामंत्री अनिल कपूर डब्बू, फरजाना बेगम, खातिब मलिक, मंजीत सिंह, उत्तम दत्ता, मुकेश कुमार, अध्यक्ष नगर पालिका गदरपुर मिंटू गुम्बर, नगला सचिन शुक्ला, नगर पंचायत दिनेशपुर, मंजीत कौर, अध्यक्ष पंडित राम सुमेर शुक्ल मेमोरियल फाउंडेशन ट्रस्ट दिनेश शुक्ला, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, एसपी क्राइम निहारिका तोमर, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. उत्तम सिंह नेगी, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. जीएस तितियाल, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल आदि मौजूद थे।

काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण समेत कई मुद्दों को रखा

रुद्रपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रुद्रपुर आगमन पर महापौर विकास शर्मा ने शहर के कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उनके समक्ष उठाया। इस दौरान महापौर ने काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण, सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की आर्थिक सहायता, अग्निकांड पीड़ितों के मुआवजे मांग सहित अन्य जनहित के मामलों पर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद महापौर विकास शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री से काशीपुर बाईपास सड़क के चौड़ीकरण की योजना पर चर्चा की। यह मार्ग नगर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महायोजना 2031 में इस मार्ग की चौड़ाई 45 मीटर (लगभग 148 फीट) अंकित की गई थी। राजस्व और अन्य अभिलेखों के परीक्षण के पश्चात यह पाया गया कि मार्ग की चौड़ाई में समरूपता नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर के दोनों ओर हाईवे के माध्यम से पहले ही 4-लेन सड़क एवं बाईपास का निर्माण हो चुका है। ऐसे में मार्ग को 45 मीटर चौड़ा करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि काशीपुर बाईपास की चौड़ाई को महायोजना 2041 में संशोधित कर 120 फीट (दोनों तरफ 60-60 फीट) किया जाए, जिससे राजस्व और महायोजना के अभिलेखों में समरूपता बनी रहे और नगर का नियोजित विकास सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने इस मामले में संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने अन्य मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

सीएम ने छह महिलाओं को सौंपी ई-रिक्शा की चाबी

खटीमा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को पंतनगर के लिए रवाना होने से पूर्व लोहियाहेड स्थित कैंप कार्यालय में जनता की समस्या सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने रीप परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की छह महिलाओं को ई-रिक्शा की चाबी सौंपी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर के तमाम व्यापारियों ने मुख्यमंत्री धामी को ज्ञापन सौंपकर नगर के बाढ़ प्रभावित व्यापारियों को स्वीकृत धनराशि जल्द से जल्द वितरित कराने और नगर पालिका क्षेत्र में लीज की संपत्ति को फ्री होल्ड कर मालिकाना हक दिए जाने की मांग की। जिसपर सीएम धामी ने शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में रवीश भटनागर, विक्की रस्तोगी, जीशान अहमद, राजेश राणा, असलम अंसारी, अंकुर अग्रवाल, प्रकाश तिवारी, राजेश बतला, जतिन बत्रा, सगीर अहमद, कामिल खान, जफर, प्रियांशु बंसल, शुभम अग्रवाल आदि थे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, गंभीर सिंह धामी, भवानी भंडारी, नवीन बोहरा, सीडीओ दिवेश शाशनी, एसपी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी आदि उपस्थित रहे।

रेलवे पटरी पार कर रहे दंपती की मौत

संवाददाता, खटीमा

- पैरा मिलिट्री फोर्स (ग्रीफ) के राम दत्त छुट्टी पर आए थे घर, जम्मू कश्मीर हो गया था स्थानांतरण

अमृत विचार: पैरा मिलिट्री फोर्स ग्रीफ के जवान दंपती की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। ग्रीफ के जवान का स्थानांतरण जम्मू कश्मीर के लिए हुआ था और वह 15 दिन की छुट्टी पर घर आए थे। बृहस्पतिवार सुबह वह अपनी पत्नी के साथ रिश्तेदारी में पटरी क्रॉस कर जा रहे थे कि हादसा हो गया। पुलिस पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे शिव कॉलोनी निवासी पैरा मिलिट्री फोर्स के जवान रामदत्त (57) पुत्र गोपाल दत्त अपनी पत्नी नंदा देवी (53) के साथ रिश्तेदारी में संतना गांव जाने के लिए घर से निकले। उन्होंने कृषि मंडी समिति से होते हुए फल आदि खरीदे और मंडी के पिछले रास्ते से रेलवे पटरी पार कर संतना जाने लगे। उसी दौरान ट्रेन आ जाने से दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के साथ ही मौके पर रेलवे और कोतवाली पुलिस पहुंच गई। रेलवे पुलिस ने शव कोतवाली पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। जिनका शाम को नगर के श्मशान घाट मुक्ति धाम में दंपती का अंतिम संस्कार किया गया। जिन्हें पुत्र प्रकाश जोशी ने मुखाग्नि दी। मृतक रामदत्त का स्थानांतरण असम से जम्मू कश्मीर के लिए हो गया था। जिसके बाद वह 15 दिन के अवकाश पर घर आए हुए थे और छुट्टियां समाप्त होने के बाद उन्हें जम्मू कश्मीर जाना था कि बीच में यह हादसा हो गया है। मृतक अपने पीछे पुत्र प्रकाश जोशी और नाती पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

राम दत्त व पत्नी नंदा देवी (फाइल फोटो)।

लोको पायलटों की भूख हड़ताल समाप्त

काशीपुर: ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के तहत लोको पायलट मंगलवार से 48 घंटे की भूख हड़ताल पर रेलवे स्टेशन पर बैठे थे।

बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे 48 घंटे होने के बाद भूख हड़ताल को समाप्त कर दिया गया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार भूख हड़ताल के जरिए रेलवे प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा। बृहस्पतिवार सुबह दस बजे 48 घंटे पूरे होने के बाद एक दूसरे को जूस पिलाकर भूख हड़ताल को समाप्त किया। इस मौके पर चंदन सिंह, नितिन कुमार, शैलेंद्र कुमार, सनी लाल आदि शामिल रहे।

सिटी पार्क को लेकर किया निरीक्षण

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देश पर पूर्वी तराई वन प्रभाग हल्द्वानी के प्रभागीय अधिकारी हिमांशु बांगरी और पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने साल बोझी नंबर एक वन भूमि पर सिटी पार्क के निर्माण की योजना को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया।

पालिकाध्यक्ष जोशी ने बताया कि जल्द ही मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट सिटी पार्क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। नगर पालिका और वन विभाग के संयुक्त प्रयास से पीलीभीत रोड स्थित साल बोझी वन विभाग की भूमि में स्वच्छ खटीमा, सुंदर खटीमा, स्वस्थ खटीमा की तर्ज पर सिटी पार्क के आयोजन की योजना है। जिसमें ओपन जिम, रनिंग ट्रैक, एडवेंचर्स क्रीड़ा स्थल, योग सेंटर और बच्चों के लिए पार्क का निर्माण किया जाएगा। तीन माह के भीतर पार्क का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। खटीमा के विकास के लिए पार्क का निर्माण मिल का पत्थर साबित होगा। डीएफओ बांगरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सिटी पार्क के निर्माण की तैयारियां जल्द से जल्द कर ली जाए और पार्क निर्माण की औपचारिकताएं जल्द पूरी करें। इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी खटीमा रेंज एमसी जोशी, भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, जिला कार्यकारिणी सदस्य राहुल सक्सेना, वन दरोगा डोली डोभाल आदि मौजूद रहे।

साल बोझी की वनभूमि पर बनने वाले पार्क को लेकर निरीक्षण करते डीएफओ।

अज्ञात लोगों ने एंबुलेंस के चालक को पीटा

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार : सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी में मरीज छोड़कर वापस लौट रही एंबुलेंस पर अज्ञात हमलावरों ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमलावरों ने चालक की भी पिटाई कर दी।

वार्ड नंबर 9, रम्पुरा निवासी एम्बुलेंस स्वामी गुरविंदर सिंह ने बताया कि 1 दिसंबर को चालक गुरमीत सिंह सितारगंज के एक निजी अस्पताल से मरीज को हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल ले गया था। वहां से वापस लौटते समय बमनपुरी तिराहे के पास अज्ञात हमलावरों ने लाठी-डंडे से एंबुलेंस पर हमला कर दिया। इससे एम्बुलेंस कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई। हमलावरों ने चालक गुरमीत सिंह को भी पीट दिया, इससे वह भी घायल हो गया। उसने बताया कि यह घटना एंबुलेंस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। उसने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी हमलावरों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिजली चोरी करते पकड़े उपभोक्ता, मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर : विद्युत विभाग और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने छापेमारी करते हुए फाजलपुर महरौला में बिजली चोरी करते हुए दो उपभोक्ताओं को पकड़ लिया और विद्युत कनेक्शन काटते हुए सीज कर दिया। अवर अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण खंड अन्नू अरोरा और विजिलेंस के सहायक अभियंता पुनीत कुमार ने 17 नवंबर को विद्युत चोरी के खिलाफ मुहिम चलाई और फाजलपुर महरौला इलाके में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पाया कि प्रीत विहार कॉलोनी निवासी कादिल खान द्वारा 0.448 किलोवाट और विद्युत उपभोक्ता हबीब द्वारा 0.324 किलोवाट बिजली चोरी हो रही थी। जिस पर टीम ने कनेक्शन काटते हुए तार को सीज कर दिया। पुलिस ने अवर अभियंता शुभम कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुलभ शौचालय में गंदगी देख भड़के मेयर

- कर्मचारियों की लगाई जमकर फटकार, बोले-लापरवाही किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: महापौर विकास शर्मा ने रैन बसेरा, सुलभ शौचालय और निगम द्वारा जलाए जा रहे अलाव का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुलभ शौचालय की साफ-सफाई की स्थिति खराब मिली, जिस पर महापौर का पारा चढ़ गया और उन्होंने मौके पर कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई। महापौर ने चेतावनी देते हुए कहा कि जनहितों की अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान रजिस्टर चेक करते महापौर शर्मा व अन्य।

बुधवार की देर सायं महापौर सहायक नगर आयुक्त राजू नवियाल सहित निगम टीम के साथ अचानक रैन बसेरा पहुंचे। यहां उन्होंने बिस्तरों की स्थिति, प्रकाश व्यवस्था, पानी की उपलब्धता और सुरक्षा से जुड़े इंतजामों को स्वयं परखा। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि रैन बसेरा में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए और लाभार्थियों की सुविधा सर्वोपरि होनी चाहिए।

वहीं सुलभ शौचालय के निरीक्षण के दौरान उन्हें गंदगी और अव्यवस्था मिली। जिसे देखकर उनका पारा चढ़ गया। उन्होंने साफ कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के मुद्दे पर लापरवाही अस्वीकार्य है। उन्होंने कर्मचारियों को तुरंत साफ-सफाई दुरुस्त करने के निर्देश दिए और संचालन में जिम्मेदारी तय करने की बात कही। उन्होंने ठंड से राहत देने के लिए नगर निगम द्वारा जलाए जा रहे अलावों की भी स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश कोली, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

गर्भवती स्त्री से दुष्कर्म आरोपी हुआ गिरफ्तार

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: कोतवाली चकराता पुलिस ने गर्भवती स्त्री से दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

थानाध्यक्ष चकराता चन्द्रशेखर नौटियाल ने जानकारी दी कि, बीती 30 नवंबर को तहसील चकराता क्षेत्र में पीड़िता महिला द्वारा अपने गांव के एक व्यक्ति मुकेश चौहान द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किये जाने से संबंध में दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर धारा 64 (2) जी/351/308 बीएनएस बनाम मुकेश चौहान पंजीकृत किया गया था, जिसकी विवेचना दो दिसंबर को जिलाधिकारी देहरादून के आदेश पर राजस्व पुलिस से नियमित पुलिस को स्थानान्तरित होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह के आदेशानुसार उक्त अभियोग की विवेचना महिला उप निरीक्षक हेमा बिष्ट के सुपुर्द की गई।

घटना की गंभीरता के दृष्टिगत एसएसपी देहरादून द्वारा अभियोग में नामजद अभियुक्त मुकेश चौहान पुत्र धर्म सिंह चौहान निवासी तहसील चकराता देहरादून की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए गुरुवार को अभियुक्त मुकेश चौहान को लाखामंडल पुल के पास से गिरफ्तार किया गया।

दावा | किच्छा विधायक ने तराई का संस्थापक कहने पर उठाए सवाल, पूर्व विधायक शुक्ला को दी चुनौती

सर्व समाज ने की थी तराई की स्थापना : बेहड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने दावा किया है कि सर्वसमाज ने तराई की स्थापना की थी। सबसे ज्यादा योगदान पंडित गोविंद बल्लभ पंत और मेजर सिंह संधू ने दिया। बावजूद पूर्व विधायक तराई भावर को ही अपने पिता का नाम देना चाहते हैं। बेहड़ ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला को चुनौती दी है कि वे सरकारी दस्तावेज दिखाएं, जिसमें संस्थापक लिखा हो।

गुरुवार को प्रेस वार्ता में किच्छा विधायक बेहड़ ने कहा कि तराई बसाने में सबसे ज्यादा गोविंद बल्लभ पंत, मेजर एचएस संधू के अलावा सभी जाति धर्म के 31 सदस्य कमेटी का योगदान है। वर्ष 1946 में पूर्व विधायक के पिता स्व. राम सुमेर शुक्ल को देखभाल के लिए लगाया गया था। वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के नाते सम्मान करते हैं। आरोप लगाते कहा कि, तराई बसाने में किच्छा विधानसभा के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अहम योगदान दिया। बावजूद, पूर्व विधायक महज अपने पिता को संस्थापक बताकर योगदान देने वाले सेनानियों को अपमानित कर रहे हैं। दावा किया कि, मेडिकल कॉलेज बनाने में उनका और तत्कालीन सीएम नारायण दत्त तिवारी का योगदान है और कांग्रेस सरकार के सीएम हरीश रावत ने ही मेडिकल कॉलेज का नाम राम सुमेर शुक्ल रखा था, लेकिन पूर्व विधायक शुक्ला सार्वजनिक मंच पर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते रहते हैं और हर बार किच्छा विधानसभा हो या फिर तराई भावर में होने वाली योजनाओं को पिता के नाम पर रखने का प्रयास करते रहते हैं। पूर्व विधायक शुक्ला वास्तव में सही हैं तो तराई भावर के उस सरकारी दस्तावेज को दिखाएं, जहां उनके पिता संस्थापक रहे हों। ऐसा हुआ तो वह भी संस्थापक मानकर सदैव सम्मान करेंगे।

विधायक ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हो या फिर महापुरुषों को सम्मान दिया है। यही कारण है कि तिवारी सरकार में मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखी गई थी और राजेश शुक्ला के भाजपा नेता होने के बाद भी सरकार ने मेडिकल कॉलेज का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय राम सुमेर शुक्ल के नाम पर रखा। पूर्व विधायक बताएं कि क्या किच्छा के पूर्वांचल गांव या पंजाबी बाहुल्य इलाके के बुजुर्गों का कोई योगदान नहीं रहा। उधर, इस संबंध में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला से उनका पक्ष जानना चाहा गया तो उन्होंने इस संबंध में कुछ भी कहने से स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया।

विधायक तिलक राज बेहड़।

चेक बाउंस में दोषी को दो माह का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 1.40 लाख चेक बाउंस प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद दोषी को दो माह का कारावास और 1.45 लाख रुपये का अर्थदंड देने की सजा सुनाई है।

वादी की अधिवक्ता ज्योति सोनी ने बताया कि सी ब्लॉक थाना ट्रांजिट कैंप निवासी तालेवर सिंह ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि वर्ष 2023 में उसकी मित्रता हरविंद निवासी मोती नगर डुडवारा कासगंज यूपी से थी। घर में आना-जाना होने के कारण अगस्त 2023 को अभियुक्त ने मित्रता का हवाला देते हुए 1.40 लाख रुपये उधार लिये थे। निर्धारित समय निकलने के बाद टालमटोल करने लगा।

दबाव बनाने पर एक अक्टूबर 2023 को आरोपी ने चेक दिया और 23 नवंबर 2023 को चेक बाउंस हो गया। पुनः तगादा करने पर आरोपी ने रकम देने से इंकार कर दिया और धमकाने लगा। अधिवक्ता के नोटिस का भी कोई जवाब नहीं दिया तो याचिका दायर की। याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट रिजवान अंसारी ने दोनों पक्षों को सुना और चेक बाउंस प्रकरण के दोषी हरविंद सिंह को दो माह का साधारण कारावास व 1.45 लाख रुपये अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,5 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

20 वाहनों के चालान दो बाइकें सीज

बाजपुर : पुलिस ने गुरुवार की तड़के प्रदेश के बार्डर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। एसएसआई जसविंदर सिंह ने बताया कि इस अभियान के दौरान 20 चालान एमवी एक्ट एवं सात चालान पुलिस एक्ट में किए गए हैं। इसके अलावा दो बाइकों को सीज किया गया है। पुलिस टीम ने वाहन चालकों के लाइसेंस, आरसी, बीमा व प्रदूषण प्रमाण पत्र की विस्तार से जांच की। चेकिंग अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर कई वाहनों के चालान काटे गए और मौके पर ही अर्थदंड भी वसूला गया। कुछ दोपहिया वाहनों को आवश्यक दस्तावेज न मिलने पर सीज भी किया गया।

जानलेवा हमले में युवक गंभीर घायल

किच्छा : लालपुर क्षेत्र में दबंगों द्वारा एक स्थानीय युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। लालपुर निवासी पीड़ित कुलदीप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि संजय उर्फ एमपी, बलवीर सिंह, और बाबू सिंह ने देर रात उन्हें घेर लिया। आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से उन पर हमला किया। मुख्य आरोपी संजय उर्फ एमपी ने तमंचे की बट से कुलदीप के सिर पर वार किया, जिससे उनका सिर फट गया और गंभीर चोटें आईं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

युवाओं को सिर्फ शिक्षित करना नहीं उनमें नेतृत्व क्षमता भी लानी है : रेखा

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कुमाऊं मंडल स्काउट गाइड समागम में की शिरकत

- कहा-युवा अच्छा नागरिक बनकर देश के विकास में देंगे सर्वश्रेष्ठ योगदान

संवाददाता, रुद्रपुर

कैडेट्स को सम्मानित करतीं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने पंतनगर में कुमाऊं मंडल स्काउट गाइड समागम 2025 कार्यक्रम का समापन किया। इस दौरान उन्होंने तीन दिन चले समागम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हमें देश के युवा को सिर्फ शिक्षित ही नहीं करना है, बल्कि उन्हें अनुशासन और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों से युक्त भी करना है। तभी युवा एक अच्छा नागरिक बनकर देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अपनी क्षमताओं की पहचान करना सफलता की राह का एक अहम पड़ाव है। युवाओं को सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने और अपने भीतर मानवीय गुणों को विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

इसके बाद कैबिनेट मंत्री आर्या ने विभिन्न प्रतिस्पर्धा में श्रेष्ठता प्रदर्शित करने वाले कैडेट्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रादेशिक संगठन आयुक्त हिमांशु सक्सेना, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त अलका मिश्रा, दुग्ध संघ डायरेक्टर उधम सिंह नगर इंदर सिंह मेहता, मंडल महामंत्री टीकम सिंह कोरंगा, दीपक कुमार तिवारी, कविता तिवारी आदि उपस्थित रहे।

महिला से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप

बाजपुरः एक महिला ने गांव के ही युवक पर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

नगरीय क्षेत्र से सटे एक गांव निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पति मजदूरी करता है और अक्सर घर से बाहर रहता है। पीड़िता के अनुसार गांव के ही एक युवक का लंबे समय से उनके घर आना-जाना था, जिसके चलते उसने महिला से मेल-जोल बढ़ा लिया। आरोप है कि 8 अक्टूबर की देर रात महिला को अकेली पाकर घर में घुस गया। रसगुल्ले में नशा देकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील तस्वीरें खींच लीं। पीड़िता के अनुसार होश आने पर जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने धमकाया और तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर चुप रहने को कहा। भय के चलते उसने किसी को कुछ नहीं बताया। इतना ही नहीं 25 अक्टूबर व सात नवंबर को भी धमकाकर दोबारा दुष्कर्म किया और दो लाख रुपये की मांग करते हुए फोटो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर आरोपी ने उसकी तस्वीरें पति को दिखा दीं, जिसके बाद परिवार में विवाद बढ़ गया।

सितारगंज पीजी कॉलेज में अध्यक्ष पद पर होगी री-पोलिंग

- हाईकोर्ट ने 7 फरवरी को पुनर्मतदान कराने के दिए आदेश

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने राजकीय पीजी कॉलेज, सितारगंज के छात्र संघ चुनाव के अध्यक्ष पद को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई की। खंडपीठ ने अध्यक्ष पद के लिए 7 फरवरी 2026 को पुनर्मतदान (री-पोलिंग) कराने के आदेश कॉलेज के रजिस्ट्रार को दिए हैं। इसी के साथ याचिका को निस्तारित कर दिया गया।

मामले के अनुसार, पीजी कॉलेज के छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद की उम्मीदवार राजविंदर कौर ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर बताया कि उन्होंने छात्र संघ के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन किया था लेकिन चुनाव कमेटी ने उनका नामांकन यह कहकर रद्द कर दिया कि वे नगर पंचायत सितारगंज की वार्ड मेम्बर भी हैं जबकि छात्र संघ के नामांकन पत्र यह कोई शर्त नहीं रखी गयी थी। उनके द्वारा कोर्ट से प्रार्थना की गई है कि इस मामले में री-पोलिंग कराई जाए और चुनाव कमेटी के द्वारा उनका जो नामांकन पत्र निरस्त किया गया है उसे बहाल किया जाए। खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए पीजी कॉलेज के रजिस्ट्रार को निर्देश दिए हैं कि वे 7 फरवरी को अध्यक्ष पद पर चुनाव कराएं और उसमें याचिकाकर्ता को शामिल करें।

किच्छा शुगर मिल ने किसानों को दिए 13.55 करोड़

किच्छा : चीनी मिल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गन्ना किसानों से खरीदे गए गन्ने का भुगतान जारी कर दिया है। मिल की अधिशासी निदेशक एपी. वाजपेई ने बताया कि हाल ही में 8.80 करोड़ का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से गन्ना समितियों के खाते में ट्रांसफर किया गया है। इसके साथ ही, वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 के अंतर्गत 16 नवंबर से 29 नवंबर तक मिल द्वारा कुल 13.55 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

राणा अध्यक्ष व शाही महासचिव चुने गए

- उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ की कार्यकारिणी का हुआ गठन

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ की नईगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ के सचिन राणा अध्यक्ष व लोकपाल शाही महासचिव सर्वसहमति से बनाए गए। इसके अलावा पांच पदाधिकारी चुने गए। इस दौरान उत्तरायणी कौतिक की तैयारियां शुरू करने के लिए दायित्व सौंपे गए।

गुरुवार को रामलीला मैदान चक्कीमोड़ में उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ के संरक्षक पूर्व जिपंस वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, पूर्व सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की, पूर्व सैनिक भगत सिंह धर्मशक्तू, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल व जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू के नेतृत्व में पदाधिकारियों व सदस्यों का सर्वसहमति से चयन किया गया। इस दौरान सेना मेडल गोविंद सिंह चौहान कोषाध्यक्ष, समाजसेवी रेखा रावत वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गीता बोरा व सन्नी मेहता उपाध्यक्ष, देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू को सर्वसहमति से सचिव चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सचिन राणा ने बताया कि उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ के तत्वावधान में विगत 25 वर्षों से लगातार 14 व 15 जनवरी को उत्तरायणी कौतिक कार्यक्रम रामलीला मैदान चक्कीमोड़ में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार भी कुमाऊनी लोक गायकों व गायिकाओं द्वारा कुमाऊनी व गढ़वाली लोकगीतों के साथ चाचरी व झोड़ा एवं छोलिया नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस मौके पर समिति के सदस्यों में समाजसेवी राजेंद्र सिंह मेहरा, भाजपा नेता योगेश पानू, सहकारी समिति डायरेक्टर मोहित चौहान उर्फ कमांडो, पूर्व उपप्रधान गोपाल सिंह ठठोला, व्यापारी नेता विजेंद्र सिंह पवार, चंचल सिंह पानू, श्याम सिंह देऊपा, दीप सिंह बिष्ट, महेश सिंह दानू, जीवन त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

नर्सरी प्लांट में हाथी आने से दहशत

बाजपुर: बन्नाखेड़ा वन रेंज की नर्सरी प्लांट में गुरुवार तड़के एक बार फिर जंगली हाथी के दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार हाथी बस्ती के बेहद नजदीक पहुंच गया और करीब 4-5 घरों के आसपास लंबे समय तक मंडराता रहा। हाथी की मौजूदगी से लोग घरों में ही दुबककर बैठे रहे। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को आबादी क्षेत्र से दूर करने के प्रयास शुरू किए। वन कर्मचारियों ने बताया कि हाल के दिनों में हाथियों की आमद बढ़ गई है, जिसके चलते नर्सरी प्लांट और आसपास के ग्रामीण इलाकों को लगातार सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। वहीं बन्नाखेड़ा रेंज के वनक्षेत्राधिकारी नवल किशोर कपिल ने बताया कि सुरक्षा खाई निर्माण और सौर ऊर्जा आधारित बाड़ की व्यवस्था को लेकर उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।

समागम में शहादत का यशगान किया

संवाददाता, बाजपुर

हेड ग्रंथी ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा को सम्मानित करते बाबा प्रताप सिंह।

अमृत विचार: गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला में चल रहे सात दिवसीय सालाना गुरु मान्यो ग्रंथ समागम के चौथे दिन का कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ।

गुरुवार के मुख्य दीवान में गुरुद्वारा साहिब शीशगंज साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा ने पवित्र कथा-कीर्तन द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की महान शहादत का हृदयस्पर्शी वर्णन करते हुए अमृत पान की महत्ता को संगत के समक्ष विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शहादत मानवता, धर्म और नैतिक मूल्यों की रक्षा का विश्व इतिहास में अनुपम उदाहरण है। समागम में रागी भाई हरजीत सिंह, कथावाचक भाई सुरजीत सिंह, कविशर जत्था भाई जोगा सिंह खालसा, कथावाचक भाई त्रिलोक सिंह यूके, महान पंथ प्रचारक बाबा अमरजीत सिंह गालिब खुर्द वाले ने अपने अमृतमयी शब्दों और गुरु परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालकर संगत को निहाल किया। समागम के दौरान गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार बाबा प्रताप सिंह ने दिल्ली बांग्ला साहिब से पधारे ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा का कृपाण व अंग-वस्त्र और सिरोपा देकर विशेष रूप से सम्मान किया। संगत द्वारा चौथे दिन के इस पवित्र समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गुरवाणी शबद कीर्तन का आनंद प्राप्त किया। समागम में भाई अनमोल सिंह, बलदेव सिंह, किशन सिंह ज्ञान सिंह, बलवंत सिंह, देवेंद्र सिंह, गुरसेवक सिंह,गुरपिंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

राजकीय चिकित्सालय में चिकित्सकों से लेकर नर्सिंग स्टाफ तक का टोटा

संवाददाता, काशीपुर

- चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत 28 पदों में से 19 चल रहे खाली

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की कमी से निपटने के लिए आउटसोर्सिंग के टेंडर निकाले गए हैं। अब तक चार सौ लोगों ने टेंडर भरे हैं। अभी इनका परीक्षण चल रहा है। प्रक्रिया पूरी होने पर तैनाती की जाएगी।
-डॉ. केके अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अमृत विचार: एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय में डॉक्टरों से लेकर नर्सिंग अधिकारी और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। सबसे खराब स्थिति नर्सिंग स्टाफ की है। नर्सिंग अधिकारी के तीस पदों के सापेक्ष केवल बीस लोग कार्यरत हैं। जबकि अस्पताल में रोजाना पांच से लेकर छह सौ लोग ओपीडी में दिखाने पहुंचते हैं।

बता दें कि काशीपुर के अलावा यहां रामनगर, बाजपुर, जसपुर के अलावा सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के भी लोग पहुंचते हैं। बावजूद इसके चिकित्सकों और कर्मचारियों की अस्पताल में भारी कमी बनी हुई है।

रेडियोलॉजिस्ट का एक पद स्वीकृत है, लेकिन वह खाली है। इससे अल्ट्रासाउंड कराने वाले मरीज परेशान घूमते हैं और उन्हें प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटरों में महंगे दामों पर अल्ट्रासाउंड करना पड़ता है। पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ का एक पद, मनोरोग विशेषज्ञ का एक पद रिक्त है। आईसीयू वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के ग्यारह पद स्वीकृत हैं जिसमें से पांच रिक्त चल रहे हैं। नर्सिंग अधिकारी के तीस पदों के सापेक्ष केवल दस कार्यरत हैं। वहीं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 28 पद स्वीकृत हैं लेकिन केवल नौ लोग कार्यरत हैं। इससे अस्पताल का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

बाजपुर में बैडमिंटन टूर्नामेंट के खिलाड़ियों के साथ एसडीएम डॉ .अमृता शर्मा। ● अमृत विचार

बैडमिंटन टूर्नामेंट में दीपिका व प्रिया की जोड़ी विजेता

बाजपुर : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बाजपुर बार एसोसिएशन की ओर से बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। बताया गया कि पुरुष वर्ग में बाजपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार पांडे व अजीम अहमद चौधरी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि अमरजीत सिंह व अर्पित बंसल की जोड़ी उपविजेता रही। महिला वर्ग में दीपिका यादव व प्रिया मैनी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का स्थान प्राप्त किया, जबकि शिल्पी कश्यप व चारु ने उपविजेता के रूप में स्थान हासिल किया। वहीं गुरुवार को टूर्नामेंट के समापन पर एसडीएम बाजपुर डॉ .अमृता शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्राफी व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान बाजपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, सोहनलाल गोयल, नीरज जोहरी, योगेश पाठक, रमेश नाथ, कुणाल उत्पल, प्रेम शर्मा, जानी राजहंस, दीपक शर्मा, मनोज सत्संगी आदि मौजूद रहे।

हाउस टैक्स जमा करने की अवधि को बढ़ाया

संवाददाता, काशीपुर

- बिना टैक्स बढ़ाये नगर निगम की आय बढ़ाने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। हाउस टैक्स जमा करने की अवधि को बदल दिया गया है। साथ ही प्रथम तीन माह टैक्स जमा करने पर छूट भी दी जाएगी। इससे टैक्स में बढ़ोतरी होगी।
-दीपक बाली, मेयर, नगर निगम, काशीपुर।

अमृत विचार: नगर निगम ने लोगों की सुविधाओं को देखते हुए हाउस टैक्स जमा करने की अवधि को बढ़ा दिया है। अब निगम ने हाउस टैक्स जमा करने की अवधि एक अप्रैल से 31 मार्च तक कर दी है। प्रथम तीन माह यानि अप्रैल से जून तक हाउस टैक्स जमा करने पर टैक्स में पांच प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

नगर निगम क्षेत्र में करीब 24 हजार 700 परिवारों से नगर निगम हाउस टैक्स वसूल करता है। वार्डों की संख्या 20 से 40 होने के बाद कराए गए ड्रोन सर्वे में यह आंकड़ा करीब 74 हजार तक पहुंचने की संभावना है। अब तक हाउस टैक्स जमा करने की अवधि एक अप्रैल से 31 अक्टूबर तक थी।

एक नवंबर से 31 मार्च तक 20 प्रतिशत पेनॉल्टी के साथ हाउस टैक्स जमा किया जाता था। अब नगर निगम ने यह अवधि एक अप्रैल से 31 मार्च तक कर दी है। प्रथम तीन माह तक हाउस टैक्स जमा करने पर हाउस टैक्स में पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इससे नगर निगम की आय में बढ़ोतरी होगी।

खतरा अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए गंभीर चिंता का कारण

सरकारी अस्पताल के पीछे उगी झाड़ियों से परेशानी

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में सरकारी अस्पताल के पीछे उगी झाड़ियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के सरकारी अस्पताल के पीछे लंबे समय से उगी घनी व ऊंची झाड़ियां अब स्थानीय लोगों और अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनती जा रही हैं। झाड़ियों के अत्यधिक फैलाव के कारण यहां सांप-बिच्छू व छोटे जंगली जानवरों के आने का खतरा बढ़ गया है। दिन ढलते ही इस क्षेत्र में आवाजाही करने से लोग बचने लगे हैं।

अस्पताल के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि कई बार झाड़ियों के बीच से जंगली जानवरों की मौजूदगी का आभास हुआ है। इससे मरीजों और अस्पताल स्टाफ में डर का माहौल रहता है। अस्पताल के पीछे की ओर अंधेरा और सफाई की कमी भी परेशानी को बढ़ा रहे हैं। लोगों ने बताया कि लंबे समय से झाड़ियां हटाने के लिए अस्पताल प्रबंधन को अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं हो पाई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अस्पताल एक संवेदनशील स्थान है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में आसपास की यह स्थिति न केवल स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाती है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंताजनक है। उनका कहना है कि झाड़ियां हटाकर क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने से मरीजों और स्टाफ दोनों का भय कम होगा। इस संबंध में सरकारी अस्पताल के सीएमएस डा.पीडी गुप्ता ने बताया कि झाड़ियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पहले चरण में इन्हें सुखाने के लिए दवाई का छिड़काव कराया जा रहा है। दवाओं के असर के बाद झाड़ियों को काटने व क्षेत्र को पूरी तरह साफ कराने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर को सुरक्षित व स्वच्छ बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

हाईवे पर ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

बाजपुर: गुरुवार तड़के एनएच-74 केलाखेड़ा क्षेत्र में ईंटों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक पलटने से हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसा उस समय हुआ जब ट्रैक्टर-ट्रॉली रुद्रपुर स्थित एक साइट से ईंटें लेकर बाजपुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने अचानक कट मार दिया, जिससे ट्रैक्टर चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रॉली हाईवे पर उलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक को मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत उसे बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिलाया। ईंटों के सड़क पर बिखर जाने के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। सूचना पर केलाखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची।

नाटक प्रतियोगिता में डायनेस्टी प्रथम

- दिल्ली में आयोजित हुई थी प्रतियोगिता

संवादाता, खटीमा

डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी के विजेता बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म ने नॉर्थ जोन विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय और राज्य का नाम रोशन किया है।

एक और दो दिसंबर को प्रगति मैदान, नेशनल साइंस सेंटर नई दिल्ली में उत्तरी भारत नॉर्थ जोन विज्ञान भारतीय महोत्सव में प्रथम रही डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी की टीम छह से आठ जनवरी 2026 को कोलकाता में आयोजित राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। बच्चों की इस जीत के साथ ही डायनेस्टी गुरुकुल के वंश भंडारी को बेस्ट एक्टर, सुरेश चंद्र ओली को बेस्ट डायरेक्टर और वैष्णवी विश्वकर्मा को बेस्ट स्क्रिप्ट राइटर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। छात्रों की उपलब्धि पर अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की निदेशक बंदना गर्ब्याल, मुख्य शिक्षा अधिकारी कुंवर सिंह रावत, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक हरेंद्र कुमार मिश्रा, जिला विज्ञान समन्वयक विनीता जगदीश चौधरी, भानु प्रताप, देवराज सिंह राणा, ब्लॉक विज्ञान समन्वयक निर्मल कुमार न्योलिया प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरू आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

ब्रीफ न्यूज

पिरान कलियर में किया फुट मार्च

हरिद्वार : हरिद्वार पुलिस ने पिरान कलियर एवं आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में गुरुवार शाम को फुट मार्च किया। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर एसपी देहात के नेतृत्व में आयोजित फुट मार्च का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना और क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाना रहा। धार्मिक महत्व वाले इस क्षेत्र में भीड़भाड़ को देखते हुए पुलिस लगातार मुख्य मार्गों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर सघन जांच अभियान चला रही है। मार्च के दौरान पुलिस बल के साथ बीडीएस टीम, पीएसी और स्थानीय खुफिया इकाई ने संयुक्त रूप से जांच, सत्यापन और सुरक्षा उपकरणों की जांच की।

एम्स में हुआ कार्यक्रम

ऋषिकेश : ऋषिकेश एम्स में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमआर) में सामाजिक प्रगति के लिए दिव्यांगता समावेशी समाज का संवर्धन थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने और उनके प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) मीनू सिंह, संकायाध्यक्ष अकादमिक प्रो. डॉ. जया चतुर्वेदी और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. बी. सत्यश्री विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

रिवर्स पलायन को बढ़ावा देकर बनाया जाएगा युवाओं को आत्मनिर्भर : नेगी

पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष एसएस नेगी की अध्यक्षता में हुआ सम्मेलन

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

चम्पावत में बैठक लेते उत्तराखंड पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष एसएस नेगी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तराखंड पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष एसएस नेगी की अध्यक्षता में रिवर्स पलायन से ग्राम विकास सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रवासियों, उद्यमियों, कृषकों, युवाओं एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लेकर अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

उपाध्यक्ष नेगी ने सभी प्रतिभागियों के सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि रिवर्स पलायन गांवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कहा कि सफल माडलों को प्रोत्साहित कर अधिक से अधिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी रहेंगे। जिला विकास सभागार में आयोजित सम्मेलन में 40 से अधिक रिवर्स पलायन कर चुके प्रतिभागियों ने अपनी बात रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के विस्तार, विपणन सहायता, प्रशिक्षण, स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव आयोग को दिए। वक्ताओं ने विभागीय समन्वय से रोजगार एवं उद्यमिता के उपलब्ध अवसरों, सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। सम्मेलन में रिवर्स पलायन कर सफल आजीविका स्थापित करने वाले प्रेरक व्यक्ति पाटी निवासी राजेश भंडारी ने फास्ट फूड व्यवसाय, जाख जिंडी लोहाघाट निवासी कमल सिंह प्रथोली, ने कोचिंग संस्थान एवं लाइब्रेरी संचालन, पुनावे निवासी पूर्व सैनिक खिलानन्द जोशी ने सेब एवं कीवी उत्पादन, लोहाघाट के ठांटा निवासी प्रदीप शर्मा ने मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट और पाटी निवासी उमाकांत ने टैक्सी सेवा शुरू कर आजीविका को समृद्ध किया है। सम्मेलन में इन सभी ने अपने अनुभव साझा किए।

जनपद के विभिन्न इलाकों से आए अन्य प्रवासियों ने भी कृषि आधारित उद्यम, पशुपालन, हस्तशिल्प, पर्यटन सेवाओं और स्वरोजगार के क्षेत्रों में अपने सफल मॉडल साझा किए। सम्मेलन में राम प्रकाश पैन्यूली, सुरेश सुयाल, दिनेश रावत, अनिल सिंह शाही, रंजना रावत नेगी, भरत चन्द्र, सीडीओ डॉ. जीएस खाती, डीडीओ दिनेश सिंह दिगारी, मुख्य कृषि अधिकारी धनपत कुमार समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

5 से 7 जनवरी तक होगी पूर्व सैनिकों की भर्ती

रानीखेत, अमृत विचार: कुमाऊं और नागा रेजीमेंट के पूर्व सैनिकों को एक बार फिर सेवा का अवसर मिलेगा। 5 जनवरी से 7 जनवरी तक उनकी डीएमसी में भर्ती की जाएगी। सिपाही जनरल ड्यूटी और सिपाही क्लर्क के पदों के लिए प्रस्तावित भर्ती में मेडिकल कैटिगरी शैप- वन वाले पूर्व सैनिक इस भर्ती में भाग ले सकेंगे।

केआरसी के भर्ती अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार सिपाही जनरल ड्यूटी भर्ती में 31 दिसंबर 2023 से 30 नवंबर 2025 तक सेवानिवृत हुए 46 साल से कम आयु के अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। सेवानिवृत्ति की अवधि 2 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। सिपाही क्लर्क के लिए 31 दिसंबर 2023 से 30 नवंबर 2025 तक सेवानिवृत हुए पूर्व सैनिक भर्ती में भाग ले सकेंगे। उनकी सेवानिवृत्ति की अवधि 5 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। भर्ती के लिए डिस्चार्ज बुक, एजीआई एक्सीडेंट इंश्योरेंस प्रमाण पत्र, एक्स पर्सनेल, एटीसी प्रमाण पत्र, अवतीर्ण प्रमाण पत्र व शैक्षिक प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ पासपोर्ट साइज की 16 रंगीन फोटो लाना जरूरी है।

टीबी जांच की पारंपरिक और नई तकनीकें बताई

मेडिकल कॉलेज में टीबी उन्मूलन को लेकर कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में टीबी उन्मूलन को लेकर 'यूनाइट टू एंड टीबीः फ्रॉम विजन टू विक्ट्री' विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ।

सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (मेडिकल कॉलेज) में हुए कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सीपी भैसोड़ा ने मुख्य अतिथि दर्जाधारी गंगा बिष्ट व अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं की पोस्टर ड्राइंग प्रतियोगिता हुई। इसमें इसके बाद हुए सत्रों में बाल रोग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार सिंह ने बाल्यकाल के समय हुए टीबी के निदान से जुड़ी समस्याएं बताई। डॉ. संजय गौड़ ने एटीटी अपडेट और नई दवाओं की जानकारी दी। डॉ. डीसी पुनेरा टीबी के वर्तमान इलाज पर व्याख्यान दिया। टीबी जांच में पारंपरिक से लेकर आधुनिक आणविक तकनीक तक की जानकारी डॉ. इराम रफीक अबिदिन ने दी। डॉ. अशोक कुमार ने एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी के निदान और चुनौतियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में टीबी मरीजों को निशुल्क पोषण किट का भी वितरण किया गया। यहां डॉ. प्रियांशु डेनियल, डॉ. विक्रांत नेगी, नोडल अधिकारी डॉ. अनिल पांडे आदि रहे।

मेयर के आश्वासन के बाद पार्षदों ने धरना-प्रदर्शन कर दिया स्थगित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा नगर निगम में गुरुवार को पार्षदों से वार्ता करने पहुंचे मेयर।

अमृत विचार: नगर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बंदरों के आतंक और नगर आयुक्त की नियुक्ति की मांग को लेकर पार्षदों ने धरना-प्रदर्शन किया। इस मौके पर धरना स्थल पर पहुंचे मेयर ने पार्षदों को एक माह के भीतर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। तब जाकर पार्षदों ने अपना धरना प्रदर्शन स्थगित किया।

दरअसल, नगर की तमाम समस्याओं और नगर निगम में नगर आयुक्त की मांग को लेकर पार्षदों ने मोर्चा खोला हुआ है। बीते बुधवार को डीएम अंशुल सिंह ने पार्षदों के साथ बैठक की। निर्देश दिए कि सीडीओ व नगर आयुक्त रामजी शरण शर्मा प्रतिदिन नगर निगम में बैठेंगे। आवश्यकीय कार्य होने पर भी वह समयानुसार कामकाज निपटाएंगे। साथ ही बंदरों की समस्या के समाधान के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा था। वहीं, गुरुवार को पार्षदों के धरना स्थल पर मेयर अजय वर्मा पहुंचे। उन्होंने पार्षदों को एक माह के भीतर समस्याओं का समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद पार्षदों ने धरना प्रदर्शन स्थगित किया। यहां पार्षद वैभव पांडे, चंचल दुर्गापाल, मधु बिष्ट, तुलसी देवी, अंजू बिष्ट, रीना टम्टा, मुकेश कुमार, भूपेंद्र जोशी, हेम तिवारी, कुलदीप मेर आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत के सपने को साकार कर रहे सीएम धामी

संवाददाता, चम्पावत

मथुरादत्त जोशी।

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देव भूमि में साकार कर रहे हैं। डबल इंजन सरकार में दोगुनी रफ्तार से विकास हो रहा है। यह बात भाजपा की विकास केंद्रित पत्रकार वार्ता श्रृंखला की शुरुआत करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मथुरा दत्त जोशी ने कही।

उन्होंने बताया कि प्रदेश से जड़े जमा चुके नकल माफिया का समूल नाश करते हुए अब तक 200 से अधिक अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। अब तक 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी है। यूसीसी कानून, धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून लागू कर सरकार ने उत्कृष्ट कार्य किया है।

उन्होंने बताया कि डबल इंजन में हुए विकास का लेखा जोखा प्रस्तुत करने के लिए सभी जिलों में भाजपा प्रवक्ता मीडिया के माध्यम से संवाद कर रहे हैं। कहा कि केदारनाथ-बद्रीनाथ मास्टर प्लान और चार धाम यात्रा का विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लाखों किसानों को आर्थिक सहायता मिल रही है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से प्राकृतिक आपदाओं और फसलों के नुकसान से किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज हुई शिकायतों को पहले निपटाएं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा कलक्ट्रेट में गुरुवार को सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक में डीएम व अन्य।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर की गई शिकायतों की गुरुवार को समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने के अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दिये।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम अंशुल ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन जन समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसलिए किसी भी शिकायत में लापरवाही या विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। डीएम ने विभागवार लंबित शिकायतों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में कार्रवाई लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखते हुए राज्य सरकार की जनहितकारी मंशा को धरातल पर उतारना सभी की जिम्मेदारी है। निर्देश दिए गए कि शिकायतकर्ता से संपर्क स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण फीडबैक प्राप्त किया जाए। वहीं, वास्तविक समाधान सुनिश्चित होने के बाद ही प्रकरणों को बंद किया जाए। कहा कि इस मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। यहां बैठक में एडीएम युक्ता मिश्र समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में गुरुवार को डीएम से मिले पूनाकोट के ग्रामीण। ● अमृत विचार

गोल खाते की जमीन पर अनियमितता का आरोप

अल्मोड़ा, अमृत विचार : पूनाकोट में गोल खाते की जमीन पर ग्रामीणों ने अनियमितता का आरोप लगाया है। गुरुवार को ग्रामीणों ने डीएम से मुलाकात कर मामले में कार्रवाई की मांग उठाई है। ग्रामीणों ने पूनाकोट में गोल खाते की भूमि पर ग्रामीणों ने कहा कि अवैध बिक्री, गलत सीमांकन और सह-खातेदारों की सहमति के बिना रजिस्ट्री की गई। ग्रामीणों ने डीएम से राजस्व टीम मौके पर भेजने, विवादित भूमि क्षेत्र का ड्रोन सर्वेक्षण कराने के साथ ही राजस्व रिकॉर्ड, रजिस्ट्री दस्तावेजों और गोल खाते की स्थिति का फिर से परीक्षण करने की बात कही है। मामले को लेकर डीएम को ज्ञापन भी सौंपा। यहां विनय किरौला, प्रकाश सिंह पूना, संजय सिंह पूना, शिवराज सिंह पूना, बलवंत सिंह मेहता, गिरीश सिंह पूना, किशन सिंह पूना, राजेंद्र सिंह पूना, सुन्दर सिंह बिष्ट, प्रकाश सिंह बिष्ट, कमल सिंह बिष्ट, मदन सिंह पूना, हर सिंह पूना बलवंत सिंह मेहता आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय में हुआ नेचुरलिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ विशेषज्ञ।

अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय में समर्पित मीडिया सोसाइटी उत्तराखंड, टूरिज्म डिपार्टमेंट ऑफ़ उत्तराखंड द्वारा 15 दिवसीय नेचुरलिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्क्रीनिंग के बाद कुल 45 प्रतिभागियों का चयन किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी ने की। प्रशिक्षण के समन्वयक प्रो. डॉ. सुनील कुमार कटियार, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शारदा वन रेंज की एसडीओ शालिनी जोशी ने प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल 12 मॉड्यूल्स का विस्तृत परिचय देते हुए प्रतिभागियों को वन्य जीव,जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और इको-टूरिज़्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी आवश्यक बताते हुए उत्साहवर्धन किया। राजीव बिष्ट एवं पंकज शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण युवाओं को प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने, जैव संसाधनों की पहचान कराने व रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. पंकज उप्रेती, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. एम.एस. चौहान सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

शारदा नदी के कुंड में मिला महिला का शव

टनकपुर : शारदा घाट के पास नदी के एक कुंड में महिला उतराती हुई मिलने पर हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को पानी से निकालकर उसे उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए उसे मोर्चरी में रखवा दिया है। एसएसआई पूरन सिंह तोमर ने बताया कि किसी भी प्रकार का परिचय पत्र नहीं मिलने से शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि महिला की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। शिनाख्त के लिए नेपाल पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है। अज्ञात महिला साड़ी और स्वेटर पहने थी और उसके गले में मंगल सूत्र था।

चम्पावत में डिजिटल प्लेज पेज में डिजिटल हस्ताक्षर करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

मुख्य सचिव ने लिया नशा मुक्त समाज का संकल्प

चम्पावत, अमृत विचार : अपने चम्पावत दौरे के दौरान उत्तराखण्ड शासन के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र चम्पावत द्वारा विकसित डिजिटल प्लेज पेज पर डिजिटल हस्ताक्षर कर नशा मुक्ति अभियान, स्वच्छता, जल संरक्षण और आदर्श चम्पावत के निर्माण में संकल्प दर्ज किया। यह प्लेटफॉर्म ध्रुव रावत (डीआईओ) और अमित बूरा (एडीआईओ) के नेतृत्व में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) चम्पावत द्वारा विकसित किया गया और जिले में लॉन्च किया गया। मुख्य सचिव ने आत्मनिर्भर भारत, नशामुक्त समाज तथा स्वच्छ और सुरक्षित जल-संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। डीआईओ एनआईसी ने इस पहल को नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें डिजिटल रूप से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

एसआईआर के लिए राजनीतिक दल कर सकेंगे दो बीएलए की नियुक्ति

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में गुरुवार को एसआईआर को लेकर दलों के साथ बैठक लेते डीएम।

अमृत विचार: एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के संबंध में गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में बीएलए की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। बताया गया कि राजनीतिक दल दो बीएलए की नियुक्ति करेंगे।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम अंशुल सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी दिनों में एसआईआर का कार्य प्रस्तावित है। इस कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए सभी बूथों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) नियुक्त किए जा चुके हैं। सभी राजनैतिक दल भी अपने अपने प्रतिनिधि को बीएलए के रूप में नामित करें, जिससे आपसी समन्वय कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को दक्षता के साथ संपादित किया जा सके।

कहा कि सभी राजनैतिक दलों के द्वारा दो प्रकार के बीएलए नियुक्त किए जाएंगे। जिसमें बीएलए प्रथम विधानसभा वार नामित किए जाएंगे और बीएलए द्वितीय प्रत्येक बूथ के लिए नामित किए जाने हैं। यह बूथ लेवल एजेंट एसआईआर के दौरान अपनी आपत्तियों एवं शिकायतों को बीएलओ को अवगत कराते हुए उनका निस्तारण करने का कार्य कर सकेंगे। यहां एडीएम युक्ता मिश्र, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी भरत रावत आदि मौजूद रहे।

रानीखेत में गुलदार के हमले में ग्रामीण घायल

संवाददाता, रानीखेत

घायल ग्रामीण का उपचार करते डॉक्टर।

अमृत विचार: रानीखेत वन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटोडी. तहसील बेतालघाट निवासी एक व्यक्ति पर आज सुबह गुलदार ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेतालघाट में भर्ती कराया गया ।

वन क्षेत्राधिकारी रानीखेत तापस मिश्रा ने बताया कि गुरुवार सुबह सूचना मिली कि रानीखेत वन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटोडी. तहसील बेतालघाट निवासी नवीन चन्द्र पुत्र बाला दत्त को सुबह करीब साढ़े नौ बजे गुलदार ने हमला कर घायल किया है। वन विभाग से अनुभाग अधिकारी बिल्लेख द्वारा क्यूआरटी टीम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेतालघाट जाकर घायल के परिजनों से मुलाकात की और उपचार के लिए आश्वस्त किया। घायल नवीन चन्द्र के शरीर व सिर पर गुलदार ने पंजों से घाव किए हैं। चिकित्सकों ने घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हल्द्वानी में उपचार की सलाह दी है। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि घायल व्यक्ति को मुआवजा देने हेतु कार्यवाही की जा रही है।

आईएसबीटी और फूड क्राफ्टिंग इंस्टीट्यूट के संचालन की मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में गुरुवार को डीएम को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: आईएसबीटी और लोधिया स्थित फूड क्राफ्टिंग इंस्टीट्यूट के संचालन की मांग को लेकर कांग्रेस मुखर हो गई है। गुरुवार को कांग्रेसियों ने डीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जनहित में जल्द आईएसबीटी और फूड क्राफ्टिंग इंस्टीट्यूट की मांग उठाई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि आईएसबीटी और फूड क्राफ्टिंग इंस्टीट्यूट का संचालन लंबे समय से संचालित नहीं हो सका है। जबकि दोनों जगहों का निर्माण कार्य कई वर्ष पूर्व पूर्ण हो चूका है। इसके बाद भी संचालन प्रारंभ न हो पाने के कारण अल्मोड़ा की जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने डीएम से उक्त संबंध मे शीघ्र कार्रवाई कर उक्त योजनाओं को संचालित करने की मांग उठाई। वहीं, डीएम अंशुल सिंह ने कांग्रेस के शिष्टमंडल को आश्वास्त किया कि जल्द इस संबंध में बैठक कर समस्या का निस्तारण किया जाएगा। यहां पूर्व दर्जा मंत्री केवल सती, पूरन रौतेला, जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह बिष्ट, अधिवक्ता कुंदन भंडारी, निर्मल रावत, मोहन, नितिन आदि रहे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

व्यक्ति अपने विचारों के सिवा कुछ नहीं है। वह जो सोचता है, वह बन जाता है।

–महात्मा गांधी, राष्ट्रपिता

निर्णय से नकार तक

संचार साथी ऐप को अचानक वापस लेने का निर्णय कई राजनीतिक, तकनीकी और सामाजिक प्रश्न उठाता है। सरकार ने इससे पहले इसे मोबाइल फ़ोन में अनिवार्य रूप से शामिल कराने की कोशिश की, चाहे उपभोक्ताओं के माध्यम से या हैंडसेट कंपनियों के जरिए, लेकिन दबाव बढ़ते ही इसे वापस लेना बताता है कि सरकार विपक्ष के आरोपों से ज्यादा सार्वजनिक स्वीकार्यता को लेकर असहज हो गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विश्व की कोई भी सरकार इस तरह के ऐप को प्री-इंस्टॉल करने की बाध्यता नहीं बनाती, तो भारत को इतनी गहन चिंता क्यों हुई?

साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड और मोबाइल चोरी की समस्या महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन इन्हें हल करने के लिए दुनिया भर में स्वैच्छिक उपकरण अपनाए जाते हैं, न कि बाध्यकारी ऐप। सरकार यह समझा न सकी कि यह कदम जनहित में है, न ही यह कि बाध्यकारी इंस्टॉलेशन नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य क्यों है। यदि सरकार समय रहते ऐप की तकनीकी संरचना, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल और निजता-संरक्षण की गारंटी जनता के साथ साझा करती, तो शायद स्थिति अलग होती। पारदर्शिता की इस कमी ने जनता में संदेह बढ़ाया कि कहीं यह निगरानी उपकरण तो नहीं। विपक्ष ने इसी बिंदु को पकड़ा और जासूसी के आरोपों को उछाला। सरकार ने इससे पहले भी कई बार अपने फैसलों पर यू-टर्न लिया है। नीति-निर्माण में लचीलेपन को लोकतांत्रिक गुण माना जा सकता है, लेकिन बार-बार हुई पीछे हटने की घटनाएं यह संकेत भी देती हैं कि फैसले पर्याप्त विचार-विमर्श के बिना लिए जा रहे हैं। यदि नीति निर्माण पर सवाल खड़े होने लगें, तो लंबे समय में इससे सरकार की विश्वसनीयता पर दुष्प्रभाव पड़ता है। यह निर्णय पूरी तरह नकारात्मक प्रभाव डालेगा यह कहना गलत होगा। इससे यह संदेश गया कि सरकार विपक्ष और जनता की आवाज़ पर कान देती है, तो सरकार के प्रति जनविश्वास बढ़ सकता है। लगेगा कि सरकार प्राइवेसी संबंधी चिंताओं पर संवेदनशील है और निर्णयों को एकतरफा नहीं थोपती। प्रश्न यह भी उठता है कि जब ऐप को लेकर शुरुआती जनता का रुझान अच्छा था और लोग स्वेच्छा से इसे डाउनलोड कर रहे थे, तो प्री-इंस्टॉल अनिवार्यता की आवश्यकता क्यों पड़ी? यह सरकार की नीति-निर्माण शैली में निहित एक असंगति को उजागर करता है। अगर लोग इसे अपना ही रहे थे, तो उन्हें मजबूर करने की आवश्यकता क्यों? यह कदम उल्टा अविश्वास पैदा करता है, न कि सुरक्षा।

इस निर्णय से सरकार को लाभ यह हो सकता है कि वह इसे 'जनभावना का सम्मान' बताते हुए सकारात्मक कहानी गढ़ सके। सरकार यह कह सकती है कि उसका उद्देश्य सुरक्षा था, निगरानी नहीं और वह नागरिकों की प्राइवेसी को सर्वोपरि मानती है। इसके साथ ही वह यह भी साबित करना चाहेगी कि वह लोकतांत्रिक आलोचना को स्वीकार करती है, लेकिन नीति-निर्माण का मूल पाठ है कि पारदर्शिता और विश्वास किसी भी लोकतांत्रिक शासन की नींव हैं। संचार साथी ऐप प्रकरण ने सरकार को यह सिखा दिया होगा कि तकनीकी समाधान जितने उपयोगी होते हैं, उतने ही संवेदनशील भी और जनस्वीकृति के बिना कोई भी डिजिटल नीति आगे नहीं बढ़ सकती।

प्रसंगवश

सीरिया में मिलीं तीन हजार बरस पुरानी ऋग्वेद रेखाएं

भारतीय वैदिक संस्कृतियों ने न सिर्फ दुनिया को एक सूत्र में पिरोया है, बल्कि 'ऋग्वेद' विधाओं के जरिए 'वसुधेव कुटुंबकम्' का नारा भी समूचे संसार में बुलंद हुआ। हाल में पुरातत्व गाथाओं के अध्ययन में एक बात सिद्ध हुई है कि सीरिया में आज से तीन हजार साल पहले भारतीय वैदिक संस्कृति 'ऋग्वेद' की ऋचाएं उकेरी गई थीं। संगीत की धुनों का आगाज तभी से हुआ था। पता ये भी चला है कि सीरियाई सीमाएं अखंड भारत का हिस्सा थीं। ऋग्वेद की ऋचाए वैदिक अध्याय की सबसे पुरानी हैं, जिसके शुरूआती निशान सीरिया से जुड़े पाए जाते हैं, यानी उनका उद्गम वहीं से हुआ। पिछले दिनों इसको लेकर एक संयुक्त शोध हुआ।

शोध में सीरियाई शहर 'लाम्चू' के 'उगारित' प्रांत में मिले भजनों के प्राचीन ग्रंथ 'हिम्न टू निकल' में कई समानताएं भारतीय संगीत और परंपराओं में पाई गईं। इससे तय होता है कि हमारी पारंपरिक वैदिक संस्कृति शताब्दियों से समूची दुनिया को भाईचारे, सभ्यता, मानवता, एकजुटता और संगीत का पाठ पढ़ाती-सुनाती आई हैं। ये खोज यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ता व प्रसिद्ध प्रोफेसर डैन सी बासियू द्वारा की गई है। बासियू ने कंप्यूटर टूल्स की सहायता से ग्रंथों के रिद्म और मेलोडी के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करके ये बात जानी। सीरिया के उगारित प्रांत की गुफाओं में पट्टिका पर उकेरे गए भजन में आज भी बाकायदा ऋग्वेद की श्रृंखलाओं की कड़ियां मौजूद हैं। उनका जब उन्होंने मिलान किया, तो आपस में समानताएं मिली।

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

'मित्तानी साम्राज्य और संगीत यात्रा' के अध्ययन पर भी कई मर्तबा विभिन्न देशों में शोध हुआ, उनमें भी हर दफे ऐसी ही समानताएं मिलीं थीं। भारत और पश्चिमी सभ्यताओं के बीच सदैव सांस्कृतिक पुल रहा। ये बात अलग है कि अब दोनों की सभ्यताएं भिन्न-भिन्न हो गई हैं। पश्चिमी सभ्यता ने मॉर्डन युग को पूरी तरह से अपना लिया है, पर, भारत आधुनिक होते हुए भी, अपनी मूल जड़ों से नहीं कटा, आज भी जुड़ा है। संगीत-सभ्यता की ताकत को कोई कमतर नहीं आंक सकता, क्योंकि संगीत प्राचीन सभ्यताओं को जोड़ने वाली असली वैश्विक भाषा रही है। भले ही, एक इंसान दूसरे इंसान की जुबान न समझ पाए, पर संगीत की धुन एक-दूसरे को आसानी से समझ आती है। संगीत ऋग्वेद की ही देन है और ऋग्वेद भारत की।

'ऋग्वेद' से जुड़ी इस रिसर्च में जो तथ्य निकले हैं, उनको लेकर शोधकर्ता बासियू ने कहा है कि यही धुनें और पैटर्न यूनानी कवयित्री सैफो की कविताओं और जर्मन कवि फ्रेडरिक होल्डरलिन की रचनाओं में भी दिखती हैं। दोनों महान रचनाधर्मियों की कविताओं में 'ऋग्वेद' की झलक है। उन्होंने विश्व से आह्वान किया है कि संगीत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। शोध में ये भी पुष्टि हुई कि विभिन्न देशों के संगीत विधा में भी ऋग्वेद का पैटर्न मिलता है। ये मेल निश्चित रूप से दुर्लभ है, इसलिए कह सकते हैं कि संगीत का जन्म 'ऋग्वेद' से ही हुआ, हालांकि ये बात भारतीय इतिहासकार सदियों से कहते आए हैं कि भजन की धुनें 'ऋग्वेद' से ही फूटी हैं।

ऋग्वेद, जिसका मूल अर्थ है स्तुति का ज्ञान, इसीलिए हिंदू धर्म में इसे चार सबसे पुराने और पवित्र वेदों में गिना गया है। यह संस्कृत श्लोकों का एक संग्रह है, जो देवताओं की स्तुति करता है। सीरिया से इस ग्रंथ की जड़ें जुड़ना बताता है कि भारतीय संस्कृति के तत्व पहले कहां-कहां मौजूद थे।

संचार साथी ऐप पर फैसला बदलने की मजबूरी

विवेक सक्सेना

अयोध्या

साइबर अपराधों की बढ़ती जटिलता, 'डिजिटल अरेस्ट' से लेकर गुमनाम व बड़े पैमाने पर घपलों, आम जनता के साथ आए दिन ठगी आदि के तमाम ऐसे मामले हैं, जिसमें साइबर अपराधियों ने सुरक्षा खामी का भरपूर फायदा उठाया है। फर्जी या छेड़छाड़ किए हुए आईएमईआई नंबरों के धड़ल्ले से इस्तेमाल ने भी कानून और प्रवर्तन एजेंसियों के लिए अपराधियों को खोज निकालना लगभग नामुमकिन बना दिया है। साइबर अपराध पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई। ऐसे में सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर संबंधी इन कमजोरियों के निवारण के लिए उठाए गए कदम पर राजनीति चिंतनीय है। हालांकि, दुनियाभर में किसी भी देश ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप को पहले से लगाना अनिवार्य नहीं किया है। एकमात्र अपवाद रूस को छोड़कर, जिसने सरकारी संदेश सेवा 'मैक्स' को सभी फोन और टैबलेट में इंस्टॉल करना अनिवार्य किया है। सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य किया और फिर विवाद होने के बाद आदेश वापस भी ले लिया।

सरकार का कहना है कि इस ऐप के जरिये डिजिटल स्कैम, फर्जी कॉल और दूसरी धोखाधड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन इसके साथ ही निजता के उल्लंघन की चिंता भी खड़ी होती है। कहीं यह ऐप यूजर्स के निजी जीवन में ताकझांक तो नहीं करेगा? इससे लोगों की निजता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। डेटा की सुरक्षा और उसके बेजा इस्तेमाल को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना है। चौतरफा विरोध के बाद केंद्र ने भले साफ किया हो कि इस ऐप को अपने फोन में रखना या डिलीट करना यूजर की मर्जी पर निर्भर करता है, लेकिन इससे चिंता का समाधान नहीं होता।

सरकार ने हाल में साइबर सिक्यॉरिटी से जुड़े दो आदेश दिए हैं। 28 नवंबर को 'सिम बाइंडिंग' का निर्देश दिया। व्हाट्सऐप, टेलिग्राम जैसे सभी कम्युनिकेशन से कहा कि वे अपनी सर्विस को सिम कार्ड से जोड़कर रखें। मतलब कि ये ऐप तभी चलें, जब मोबाइल में सिम लगा हो। टेलिकम्युनिकेशन कंपनियों ने इस फैसले का स्वागत किया। इसी बीच पहली दिसंबर को स्मार्टफोन निर्माताओं को मार्च 2026 तक सभी नये यंत्रों (डिवाइस) में डिवाइस ऑथेंटिसिटी के सत्यापन के लिए संचार साथी ऐप इंस्टॉल करना अनिवार्य करने के आदेश दे दिये। निर्देश में साफ कहा गया कि ये ऐप 'पहली बार इस्तेमाल या डिवाइस सेटअप के समय अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए आसानी से नजर आने वाला और सुगम पहुंच वाला हो तथा इसकी कार्यशीलताओं को अक्षम या सीमित नहीं किया जा सके', जिसका मतलब यह हुआ कि इस ऐप को फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के भीतर उच्च सुरक्षा मंजूरी दी जाएगी।

निजता पर संभावित खतरे मुख्य रूप से इसके द्वारा मांगी जा रही अत्यधिक अनुमतियों से जुड़े हैं। ऐप कैमरा, एसएमएस, फोन कॉल्स, डिवाइस आईडी, फोटो-मीडिया फाइल और स्टोरेज तक पहुंच मांगता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा की सुरक्षा को लेकर चिंता होती है। लोग मानते हैं कि इससे उनकी निजी जानकारियां सरकार या अन्य एजेंसियों द्वारा ट्रैक की जा सकती हैं, जिससे निगरानी और जासूसी का खतरा बनता है। राज्य निगरानी (स्टेट सर्विलांस) के लिए इस ऐप के दुरुपयोग और सुरक्षा से समझौते के बाद किसी बदनीयत व्यक्ति या संगठन द्वारा करोड़ों उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाए जाने की आशंका मौजूद है।

पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के साथ जो हुआ है, उसे देखते हुए यह डर बेबुनियाद भी नहीं है। हालांकि संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में कहा कि यह ऐप पूरी तरह स्वैच्छिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा है। यूजर्स चाहें तो ऐप को सक्रिय कर इसका लाभ ले सकते हैं और न चाहें तो वे किसी भी समय इसे अपने फोन से आसानी से डिलीट कर सकते हैं। ऐप के पक्ष में कहा जा सकता है कि यह फोन की असलियत जांचने, धोखाधड़ी रिपोर्ट करने, मोबाइल ब्लॉक करने और खोए हुए फोन का पता लगाने में मदद करता है। यह ऐप आईएमईआई नंबर की जांच करता है और यूजर्स को फर्जी कनेक्शनों की जानकारी देने में सहायक है। इसके जरिए फर्जी कॉल या धोखाधड़ी को रोका जा सकता है।

सरकार का तर्क है कि अब तक 1.5 करोड़ लोगों ने ऐप को डाउनलोड किया है। विरोध के बीच एक दिन में ही छह लाख लोगों ने ऐप को डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया। इस ऐप से चोरी हुए 26 लाख हैंडसेट का पता लगाया गया और 41 लाख मोबाइल ब्लॉक हो चुके हैं। वहीं मुख्य आलोचना यह है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य रूप से मोबाइल में इंस्टॉल करने को निगरानी और जासूसी बताया जा रहा है। विपक्षी पार्टियों द्वारा इसे नागरिकों की निजता पर बड़ा खतरा बताते हुए इस ऐप को असंवैधानिक करार दिया गया है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह ऐप लोगों की निजी जानकारी पर नजर रखने का साधन बन सकता है।

कांग्रेस ने भाजपा को 'भारतीय जासूस पार्टी' होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि ये ऐप लोगों के घरों में घुसने का षडयंत्र है। डिवाइस के सच्चेपन के सत्यापन के लिए सरकार के पास पहले ही कम घुसपैठ वाले साधन मौजूद हैं। संचार साथी वेब पोर्टल, एसएमएस-आधारित परीक्षण और यूएसएसडी कोड पर्याप्त होने चाहिए। कम घुसपैठ वाले विकल्पों की अनदेखी करके, संचार साथी पर जारी निर्देश आनुपातिकता संबंधी मानक को धता बताते हैं। इस ऐप की उपयोगिता और सुरक्षा तत्त्वों को देखते हुए यह माना जा सकता है कि यह ऐप फर्जीवाड़े और चोरी के खिलाफ एक सक्षम उपकरण साबित हो सकता है, हालांकि नागरिक गोपनीयता के अधिकार का सम्मान करते हुए उसकी पारदर्शिता और यूजर नियंत्रण के पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य किया और फिर विवाद होने के बाद आदेश वापस भी ले लिया। ये पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल भी खड़े करता है।

आमने

स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिए सरकारी धन का उपयोग करना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसे रोक दिया। मोदी सरकार ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर पटेल को सम्मान दिया।

–राजनाथ सिंह
केंद्रीय रक्षा मंत्री

सामने

सरकार रोज कोई नया विवाद खड़ा करती है, ताकि जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाया जा सके। यह बयान उसी भटकाव की राजनीति का हिस्सा है। यह सब असली मुद्दों जैसे प्रदूषण, बेरोजगारी से ध्यान भटकाने की साजिश है।

–प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

पीएमओ, राजभवनों के नाम बदलने के निहितार्थ

प्रो. महेश चंद गुप्ता

शिक्षाविद्

अक्सर कहा जाता है कि नाम में क्या रखा है? लेकिन भारतीय संस्कृति इस प्रश्न का सीधा उत्तर देती है कि नाम में ही सब कुछ रखा है। हमारे यहां 'यथा नाम तथा गुण' की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितनी हमारी सभ्यता। जब हम 'राम' का नाम लेते हैं, तो हमारे भीतर स्वतः शांति, करुणा और मर्यादा का भाव जाग उठता है। 'कृष्ण' का नाम लेते ही मन में प्रेम और मधुरता की अनुभूति होती है। हमारी मान्यताओं के अनुसार नाम एक ध्वनि है, ऊर्जा है, पहचान है और दिशा है, इसीलिए हमारे समाज में नाम केवल किसी की पहचान ही नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व और नेतृत्व का वाहक है।

मौजूदा दौर में जब दुनिया के अनेक देशों में मूल्यहीनता, आपसी संघर्षों, तानाशाही और सत्ता केंद्रित शासन का बोलबाला है, तब मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम 'सेवा तीर्थ', राजभवनों का नाम 'लोक भवन' और केंद्रीय सचिवालय का नाम 'कर्तव्य भवन' करके एक गहरी सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया है। यह केवल बोर्ड बदलने अथवा दीवारों पर नई पट्टिका लगाने का कदम भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे शासन की आत्मा बदलने वाले सांकेतिक, दार्शनिक और वैचारिक बदलाव की भावना निहित है। पीएम नरेंद्र मोदी बार-बार कहते रहे हैं कि वे प्रधान सेवक हैं और उनका कार्य सत्ता का प्रदर्शन नहीं बल्कि सेवा की साधना है।

उनके इसी मनोभाव के अनुरूप प्रधानमंत्री कार्यालय को अब सेवा तीर्थ कहा जाएगा। हमारे यहां तीर्थ शब्द का बड़ा महत्व है। तीर्थ शब्द पवित्रता, तप, श्रद्धा और जन कल्याण के भाव को व्यक्त करता है। हम तीर्थ उन स्थानों को कहते हैं, जहां लोग समाधान, शांति और आशा की उम्मीद लेकर जाते हैं। मोदी सरकार ने पीएमओ को तीर्थ कहकर यह संदेश दिया है कि वहां सत्ता संचालन नहीं, सेवा का कार्य होगा। राज भवनों का नाम बदलकर लोक भवन करना एक क्रांतिकारी कदम है। 'राज' शब्द में हमेशा एक दूरी, एक अधिकार और सत्ता भाव का अहसास जन मानस को होता रहा है, लेकिन 'लोक' शब्द में अपनापन, भागीदारी और साझेदारी का भाव समाया हुआ है। केंद्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन रखने के पीछे नौकरशाही में सेवा भाव और कर्तव्य बोध का संचार करने का भाव निहित है। दशकों से इसे अधिकार, फाइलों की गति, निर्णयों की शक्ति और नौकरशाही की ताकत का प्रतीक माना जाता रहा है, लेकिन अब जब इसका नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है, तो अब प्रत्येक अधिकारी को हर घड़ी स्मरण रहेगा कि शासन का आधार अधिकार नहीं, कर्तव्य है।

दो दिन पहले तक जब हम प्रधानमंत्री कार्यालय सुनते थे तो मन में एक विशाल, अधिकार प्रदर्शित करने वाली इमारत का भाव आता था, लेकिन सेवा तीर्थ नाम सुनते ही मन में एक अलग ही पवित्रता, जनता से जुड़ाव और विनम्रता का भाव उमड़ने लगा है। यही इस नामकरण का वास्तविक निहितार्थ है। राज कपूर की फिल्म का मशहूर गीत हर किसी को याद है- मेरा जूता है जापानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। नाम के साथ पहचान का रिश्ता कैसा गहरा होता है, इस गीत से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। जापानी शब्द जापान की आत्मा से जोड़ देता है, रूसी शब्द रूस से और हिंदुस्तानी दिल की धड़कन बना रहता है। यानी नाम हमेशा भाव जगाते हैं, भाव संस्कृति गढ़ते हैं और संस्कृति राष्ट्र का चरित्र तय करती है।

मोदी सरकार ने सिर्फ नाम ही नहीं बदले हैं, बल्कि संदेश दे दिया है कि अब सत्ता जनता के पास लौट रही है। राजभवन अब उस पुराने औपनिवेशिक प्रतीक जैसे नहीं रहेंगे, जहां जनता दूर खड़ी ताकती रहे। मेरे विचार में भविष्य में यह भी संभव है कि प्रधानमंत्री कार्यालय और राजभवनों तक जनता की सहज पहुंच और बढ़े, क्योंकि मोदी सरकार का संकल्प ही जनता का शासन, जनता के लिए शासन और जनता के बीच रहकर शासन है।

देश में यह पहला अवसर है, जब कोई सरकार हर मोर्चे पर कर्तव्य-पथ, अमृत काल और सेवा जैसे शब्दों को अपने कामकाज की आधारशिला बनाकर काम कर रही है। ऐसे में अब कर्तव्य भवन केवल नाम नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय मनोवृत्ति का निर्माण करने वाला है। यह नाम एक ऐसी भावना को बढ़ाएगा जो नौकरशाही को अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और नैतिक बनाएगी। यह नामकरण भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का महत्वपूर्ण अध्याय है। हम सब जानते हैं कि मोदी सरकार ने पहले भी कई औपनिवेशिक, विदेशी आक्रांताओं के नाम वाले और अप्रासंगिक नामों को बदलकर भारतीयता से जुड़े नाम स्थापित किए हैं। राजपथ को कर्तव्य पथ बनाना और मुगल गार्डन को अमृत उद्यान बनाना इसके बड़े उदाहरण हैं।

विपक्षी दल आलोचना कर रहे हैं। वह सवाल उठा रहे हैं कि यह सब करके सरकार करना क्या चाह रही है? सरकार का इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है, बल्कि सरकार का उद्देश्य तो स्पष्ट है। सरकार भारतीय संस्कृति को उसका खोया हुआ गौरव लौटाने के लिए हर काम करना चाहती है। कुछ लोगों को नाम बदलने का यह अभियान प्रतीकात्मक लग सकता है, मगर अभियान यह भारतीय आत्मा, भारतीय विचार और भारतीय मूल्यों की पुनः स्थापना है।

पीएमओ, राजभवनों और केंद्रीय सचिवालय के नाम परिवर्तन के साथ ही भारत एक नए दौर में प्रवेश कर गया है, जहां शासन सेवा का प्रतीक बनेगा।

सोशल फोरम

आस्ट्रेलियाई कवि मारिया रिल्के के नाम एक पत्र

प्रिय रेनर मारिया रिल्के,

दरअस्ल, यह पत्र आपको कल लिखा था, दिसंबर की ठंड से ठिठुरते हुए, दिसंबर की शुरुआत के पहले दिन के उन अंधेरे क्षणों में, जब कुछ ही देर में रोज़ की तरह रात, अपनी पारी पूरी कर जाने की तैयारी कर रही थी। कदाचित, इस दुनिया से आपके जाने का भी यही दिन था। शायद यही समय भी।

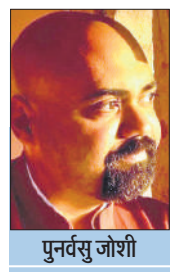

पुनर्वसु जोशी

ब्लॉगर

आपकी और मेरी सदी के बीच एक बड़े अंतर के बावजूद, मैं आपको यह ख़त उसी तरह भेज रहा हूं, जिस तरह कोई याचक अपनी प्रार्थनाओं को हर्फों में निथार कर, अपने इष्ट की मूर्ति के सामने चुपचाप रख आता है। भीतर यह उम्मीद लिए कि इष्ट की पाषाण प्रतिमा भले ही बोलेगी नहीं, पर व्यथा को सुन तो लेगी।

आपने एक बार लिखा था, सब कुछ मनन है और हमें सवालों के साथ तब तक जीना सीख लेना चाहिए, जब तक उनके जवाब, ऋतुओं की तरह ख़ुद-ब-ख़ुद हमारे सामने खुलने न लग जाएं। श्रीमान फ्रान्ज़ को लिखे आपके वे ख़त, एक आत्मीय ईमानदारी के साथ आज भी हमारे साथ मौजूद हैं। एकांत की याद दिलाते हुए, हमें हमारे अपने भीतर जाने का आग्रह करते हुए, लेकिन, कहीं न कहीं, आपके उन खतों को लिखने और मेरे इस जवाब को लिखने के बीच के समय में दुनिया बहुत ज़्यादा बदल गई है, रेनर। अब हवा में एक अजीब तरह की बैचेनी है और दुनिया की धड़कन में एक अजीब तरह की तेज़ी।

आप यह जान कर हैरान होंगे, रेनर! कि आज की इस दुनिया में, बिना अकेलापन महसूस किये एकांत में रहना कितना मुश्किल है। कहने को तो एकांत एक क्लिक से मिल सकता है, लकिन वह सच्चा एकांत, जैसा आप अपनी चिठ्ठियों में लिखा करते थे, वह एकांत जो आत्मा को विस्तार देता था, अब पहले से कहीं ज़्यादा दुर्लभ है। अब हम पहले से भी ज़्यादा आसानी से ख़ुद से पलायन करते हैं और पलायन के तरीके हमेशा हमारे मुट्ठी में ही रहते हैं।

और प्रेम की तो क्या ही कहूं, रेनर। क्या ही कहूं। प्रेम जो आपके लिए एक लम्बा चलने वाला शिष्यत्व था, एक ऐसा अनुभव जहां दो एकांत, एक दूसरे को बचाते हुए, एक दूसरे का अभिवादन करते हुए, एक दूसरे के इर्द-गिर्द रहते हैं, वैसा प्रेम लुप्त हो गया है।

शेष शुभ!

सादर, एक यायावर जो सतत आपके बताए एकांत की खोज में है।

सामयिकी

स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में जीते पहाड़ के गांव

उत्तराखंड के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रो में बसे गांवों का दृश्यमान सौंदर्य किसी चित्र की तरह मन मोह लेता है, परंतु इन पहाड़ियों के भीतर एक ऐसी सच्चाई छिपी है, जिसे देखना जितना ज़रूरी है उतना ही कष्टकारी भी। यहां के तमाम गांव आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा के इंतजार में है। गांव में न अस्पताल हैं न ही कोई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जबकि स्वास्थ्य सुविधा किसी भी समाज की पहली आवश्यकता होती है।

देश की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का जीवन ग्रामीण क्षेत्रों में व्यतीत होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ प्रतिशत महिलाएं और चालीस प्रतिशत किशोरियां समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं करा पातीं। पर्वतीय जिलों के लिए यह प्रतिशत और भी चिंताजनक हो जाता है, जहां दूरी और परिवहन की कमी स्वास्थ्य सेवा को और कठिन बना देती है।

निशा आर्य

एक्टिविस्ट

गांव की युवा पीढ़ी इस स्थिति को गहराई से महसूस करती है, हालांकि यह समस्या केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। किसी भी समाज में बुजुर्गों के लिए उपचार सबसे सहज उपलब्ध होना चाहिए, क्योंकि उन्हें सबसे अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। गांवों के कई परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर होते हैं। रोज मजदूरी करने वाले परिवारों के लिए इलाज का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधा की अनुपलब्धता के कारण कई बार लोग घरेलू उपचार पर निर्भर हो जाते हैं, या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं। इससे स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य सुविधा केवल बीमार होने पर दवा तक सीमित नहीं होती, इसमें जागरूकता, रोकथाम, समय पर जांच और उचित सलाह शामिल होती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी महत्वपूर्ण होता है। कई रिपोर्ट बताती हैं कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच नहीं मिल पाती, जिससे प्रसव संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लगभग पैंतीस प्रतिशत घरों के पास स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में आधे घंटे से अधिक समय लगता है। पर्वतीय क्षेत्रों में यह दूरी और समय कहीं अधिक बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षित मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र की उपलब्धता अनिवार्य है।

सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई गई हैं, जिनका उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। परंतु योजनाओं का लाभ तभी मिलता है, जब वे सही ढंग से लागू हों। कागजों में दर्ज योजनाएं गांव के जीवन में बदलाव तब ही लाती हैं, जब वे व्यवहारिक रूप से जमीन पर उतरती हैं। अब समय आ गया है कि प्रशासन इस क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को समझें और स्वास्थ्य सुविधा को प्राथमिकता दे। यह किसी प्रदर्शन की मांग नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। हर व्यक्ति को उपचार पाने का वही अधिकार होना चाहिए जो शहरों में रहने वालों को मिलता है।

गांव हमारे देश की वह तस्वीर हैं. जो अक्सर नजरों से दूर रह जाती है। प्रकृति भले ही खूबसूरत हो पर जीवन केवल सुंदर दृश्यों से नहीं चलता। जीवन चलता है सुविधा के साथ, सुरक्षा के साथ और इस विश्वास के साथ की बीमारी की स्थिति में इलाज पास ही उपलब्ध है। पहाड़ के गांवों का यह दर्द तभी कम होगा जब स्वास्थ्य सुविधा गांव तक पहुंचेगी और उनका जीवन सुरक्षित और संतुलित बन सकेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

टाइम ट्रैवल

विज्ञान, अंतरिक्ष और समय का संगम

समय मानव जीवन की सबसे रहस्यमय अवधारणा है। यह वह आयाम है, जो हर क्षण हमारे अस्तित्व को आगे बढ़ाता है, परंतु जिसे हम रोक नहीं सकते। सभ्यता की शुरुआत से ही मनुष्य यह समझने की कोशिश करता आया है कि क्या समय की गति को नियंत्रित किया जा सकता है, क्या अतीत या भविष्य में यात्रा संभव है? समय यात्रा या टाइम ट्रैवल का विचार इसी जिज्ञासा से जन्मा और आज यह कल्पना से निकलकर वैज्ञानिक शोध का गंभीर विषय बन चुका है। हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने समय और अंतरिक्ष को समझने के लिए कई नई खोजें की हैं। ऑस्ट्रिया की एकेडमी ऑफ साइंसेज और वियना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने क्वांटम स्विच प्रयोग में एक फोटॉन को उसकी प्रारंभिक अवस्था में लौटाने में सफलता पाई। यह मानवीय स्तर की समय यात्रा तो नहीं है, लेकिन यह दर्शाता है कि सूक्ष्म कणों की दुनिया में समय की दिशा बदली जा सकती है। इसी तरह, एटम इंटरफेरोमीटर का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक गुरुत्वाकर्षण के कारण होने वाले सूक्ष्म समय विस्तार को मापने की नई विधि विकसित कर रहे हैं। यह प्रयोग भविष्य में ऐसी घड़ियां बनाने का आधार बन सकता है, जो ब्रह्मांडीय स्तर पर भी समय की सटीकता को माप सकें।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

कारण और परिणाम का संतुलन

इसी साल 2025 में एक नए सिद्धांत में कोनिकल सिंगुलैरिटी वाले ब्रह्मांड की परिकल्पना की गई है, जिसमें समय एक चक्र के रूप में घूम सकता है। इस मॉडल के अनुसार यदि ब्रह्मांड की संरचना किसी स्थान पर कोन के आकार में मुड़ी हुई हो, तो वहां समय अपने आप पर लौट सकता है यानी अतीत और भविष्य आपस में जुड़ सकते हैं। एक अन्य अध्ययन ने ग्रैंडफादर पैराडॉक्स जैसी दार्शनिक उलझनों का वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि कोई प्रणाली समय चक्र से गुजरे, तो उसकी ऊर्जा और स्मृति स्वतः रीसेट हो जाती है। इस प्रकार, कारण और परिणाम का संतुलन बना रहता है और कोई विरोधाभास उत्पन्न नहीं होता। यह विचार क्वांटम संगति सिद्धांत से जुड़ा हुआ है। इसी बीच कॉस्मिक स्ट्रिंग की संरचनाओं पर भी अध्ययन चल रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि ऐसी अत्यंत घनी और पतली स्ट्रिंग्स ब्रह्मांड में मौजूद हों, तो वे अंतरिक्ष-काल को इस प्रकार मोड़ सकती हैं कि बंद काल वक्र बन जाए। इससे समय एक लूप में बदल सकता है, जिससे समय यात्रा सैद्धांतिक रूप से संभव हो जाती है।

अतीत में लौटना अभी भी रहस्य

बीसवीं सदी की शुरुआत में अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत ने समय और अंतरिक्ष की हमारी समझ को पूरी तरह बदल दिया था। इससे पहले इन्हें दो अलग-अलग इकाइयां माना जाता था, परंतु आइंस्टीन ने बताया कि ये दोनों मिलकर अंतरिक्ष-काल (स्पेस-टाइम) नामक एक चार आयामी संरचना बनाते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब कोई वस्तु बहुत तेज गति से चलती है, तो उसके लिए समय धीमा हो जाता है। यही समय विस्तार (टाइम डाइलेशन) है, जो समय यात्रा की वैज्ञानिक नींव रखता है। यह विचार केवल सैद्धांतिक नहीं है। प्रयोगों में पाया गया है कि पृथ्वी के चारों ओर उपग्रहों में लगे परमाणु घड़ियों का समय जमीन की घड़ियों से थोड़ा धीमा चलता है। यह अंतर बहुत सूक्ष्म होता है, पर सटीक गणनाओं से इसकी पुष्टि हुई है। इसका अर्थ यह है कि जो वस्तु तेजी से चल रही है, उसके लिए समय की गति सचमुच बदल जाती है। ब्लैक होल के पास यह प्रभाव और अधिक स्पष्ट होता है। वहां गुरुत्वाकर्षण इतना प्रबल होता है कि समय लगभग थम जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यदि कोई व्यक्ति ब्लैक होल के निकट कुछ मिनट बिताए और फिर पृथ्वी पर लौटे, तो यहां सैकड़ों वर्ष बीत चुके होंगे। इस प्रकार भविष्य की यात्रा सैद्धांतिक रूप से संभव है। परंतु अतीत में लौटना अब भी रहस्य है, क्योंकि भौतिकी के अधिकांश नियम समय की दिशा को उलटने की अनुमति नहीं देते। सापेक्षता सिद्धांत से ही वर्महोल की कल्पना उत्पन्न हुई, एक काल्पनिक सुरंग जो ब्रह्मांड के दो दूरस्थ बिंदुओं को जोड़ सकती है। यदि वर्महोल के दोनों सिरों पर समय की गति अलग-अलग हो, तो यह सैद्धांतिक रूप से समय में आगे पीछे जाने का मार्ग बन सकता है। हालांकि अब तक इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला है, पर वैज्ञानिक इसे गणितीय समीकरणों के माध्यम से संभव मानते हैं।

मानव पर गहरा प्रभाव

खगोलशास्त्रियों ने दूरस्थ क्वासरों के अध्ययन से यह भी पाया है कि अत्यधिक दूर स्थित ब्रह्मांडीय पिंडों की गतिविधियों में समय का प्रवाह अपेक्षा से धीमा दिखाई देता है। यह कॉस्मिक टाइम डाइलेशन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यानी जैसे-जैसे ब्रह्मांड फैल रहा है, समय स्वयं भी फैल रहा है। क्वांटम स्तर पर भी समय को लेकर नई समझ विकसित हो रही है। वैज्ञानिकों का मत है कि समय और स्थान संभवतः ब्रह्मांड के मूल तत्व नहीं, बल्कि किसी गहरे क्वांटम ढांचे से उत्पन्न गुण हैं। यदि यह सत्य है, तो समय की दिशा और प्रवाह केवल हमारी चेतना का अनुभव हो सकता है, वास्तविक नहीं। समय यात्रा का विषय दार्शनिक दृष्टि से भी उतना ही रोचक है। यदि कोई व्यक्ति अतीत में जाकर कुछ बदल दे, तो क्या वर्तमान बदल जाएगा? यह प्रश्न मानव स्वतंत्र इच्छा और नियति दोनों पर गहरा प्रभाव डालता है। स्थिर ब्रह्मांड सिद्धांत के अनुसार अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों समान रूप से अस्तित्व में हैं, हम केवल एक बिंदु से दूसरे की ओर बढ़ते हैं। इस दृष्टिकोण में समय यात्रा केवल धारणा का विस्तार है, वास्तविक गमन नहीं। विज्ञान कथाओं में यह विषय हमेशा से लोकप्रिय रहा है। एचजी वेल्स की द टाइम मशीन से लेकर इंटरस्टेलर और टेनेट जैसी फिल्मों तक, समय यात्रा ने लोगों को न केवल मनोरंजन दिया है, बल्कि विज्ञान के प्रति जिज्ञासा भी जगाई है। इंटरस्टेलर में दिखाया गया ब्लैक होल का समय विस्तार वास्तविक आइंस्टीनियन गणनाओं पर आधारित था और वैज्ञानिक रूप से सही भी माना गया। इन सभी प्रयोगों और सिद्धांतों से यह स्पष्ट है कि समय केवल एक बहती हुई नदी नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की संरचना का सक्रिय तत्व है। हम अभी उसकी सतह को ही समझ पाए हैं, पर जैसे-जैसे तकनीक और सिद्धांत आगे बढ़ रहे हैं, भविष्य में समय को समझने और नियंत्रित करने की संभावना वास्तविक होती जा रही है। कुल मिलाकर समय यात्रा अब केवल कल्पना की सीमा में सीमित नहीं रही, बल्कि आधुनिक भौतिकी की गंभीर खोज बन चुकी है। चाहे यह कभी व्यावहारिक रूप ले या नहीं, यह मानवता को यह विश्वास अवश्य दिलाती है कि ब्रह्मांड में असंभव कुछ नहीं है।

जब विज्ञान ने दिमाग को काबू करने की कोशिश की

रोचक किस्सा

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो (1915-2011) को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। हम मजाक नहीं कर रहे हैं: 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यावहारिक रूप से, उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे, एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

जंगल की दुनिया

गोल्डन लंगूर: असम-भूटान की सीमा का सुनहरा रत्न

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य असम और पड़ोसी देश भूटान की सीमा पर बसे घने, शांत और जैव-विविधता से समृद्ध जंगलों में एक अनोखा जीव पाया जाता है-गोल्डन लंगूर। अपनी चमकीली सुनहरी फर और सौम्य व्यवहार के कारण यह बंदर दुनिया की सबसे रहस्यमयी और मनमोहक प्रजातियों में गिना जाता है। हैरानी की बात यह है कि इतना सुंदर और दुर्लभ जीव वैज्ञानिकों की नजर में पहली बार 1950 में आया। उससे पहले तक स्थानीय लोग इसके बारे में जानते तो थे, लेकिन आधुनिक विज्ञान को इसकी उपस्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। गोल्डन लंगूर अपनी लंबी रेशमी पूंछ, नरम सुनहरी से लेकर क्रीम रंग तक फैली फर और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरे की वजह से तुरंत ध्यान आकर्षित करता है। ये आमतौर पर 40 से 50 कीड़ों, फलों, पत्तियों और फूलों पर निर्भर रहते हैं। इनका अधिकांश जीवन ऊंचे-ऊंचे पेड़ों पर बीतता है, जहां ये छोटे समूहों में रहते हुए शांतिपूर्वक भोजन और आश्रय खोजते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये 'एंडेमिक' प्रजाति हैं, यानी दुनिया में केवल एक सीमित क्षेत्र असम के पश्चिमी हिस्से और भूटान के दक्षिणी इलाकों में ही पाए जाते हैं। यही सीमित आवास इन्हें और भी संवेदनशील बनाता है। जंगलों का कटाव, मानव बस्तियों का फैलाव, सड़क निर्माण और कृषि गतिविधियों के कारण इनका प्राकृतिक घर लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसी वजह से गोल्डन लंगूर आज संकटग्रस्त श्रेणी में शामिल है और इनका संरक्षण बेहद आवश्यक हो गया है। सरकारों, स्थानीय समुदायों और संरक्षण संगठनों द्वारा इनके आवास को बचाने, जागरूकता बढ़ाने और वैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। गोल्डन लंगूर न केवल प्राकृतिक विरासत का अनमोल हिस्सा हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि पृथ्वी पर मौजूद हर प्रजाति कितनी कीमती है और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है। - फीचर डेस्क

तीन हजार तारों का भरापूरा परिवार सप्तऋषि तारामंडल

जानकारी

अंतरिक्ष के तारामंडलों में सर्वाधिक लोकप्रिय सप्तऋषि तारामंडल का अस्तित्व 12 .7 करोड़ साल पुराना है। सप्तऋषि तारामंडल तीन हजार तारों का भरा पूरा परिवार है। अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के वैज्ञानिकों के नए शोध में इसका खुलासा हुआ है। सप्तऋषि तारामंडल को प्लीएड्स (सेवन सिस्टर्स) भी कहा जाता है। यह तारा मंडल हिंदू पुराणों में खास स्थान रखता है, तो दुनिया में इससे अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा तारामंडल नहीं है। सप्तऋषि में सात तारों को बखूबी नग्न आंखों से देखा जा सकता है। इसके किस्से और चर्चे दुनियाभर में सदियों से मशहूर हैं। मगर नई खोज ने इस तारामंडल की गहराई में झांकने का प्रयास किया और नई जानकारियां सार्वजनिक की हैं।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

पूर्व में इस मंडल में माना जाता था कि सप्तऋषि में सात तारों के साथ एक हजार तारों का विशाल समूह है, मगर नई खोज के अनुसार इस तारा मंडल में तीन हजार तारे शामिल हैं, जो एक ही समय में और एक ही गैस के बादलों से इनका निर्माण हुआ है। यह दो हजार प्रकाशवर्ष के दायरे में फैले हुए हैं। तारों की इस अजूबी दुनिया को दूरबीन से बखूबी देखा जा सकता है। अब यह तारे एक दूसरे से बहुत दूर-दूर बिखर चुके हैं।

खोजकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि स्वच्छंद तारा समूह एक स्थान में स्थायी नहीं होते हैं। सप्तऋषि मंडल में कुछ मिलियन सालों में आकाश गंगा के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव और पास के बादलों से टक्कर के कारण तारे धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रहे हैं। यानी बिखरने लगे हैं। अगले कुछ लाखों साल बाद इसके सातों चमकीले खूबसूरत तारे अलग-अलग दिशाओं में चले जाएंगे।

सप्तऋषि मंडल का धार्मिक आध्यात्मिक व वैदिक महत्व

हिंदू धर्म और ज्योतिषशास्त्र में सप्तऋषि तारा मंडल का बहुत ऊंचा धार्मिक, आध्यात्मिक और वैदिक महत्व है और पवित्र माना जाता है। सप्तऋषि तारा मंडल को सात महान ऋषियों का आकाशीय रूप माना जाता है, जिनमें कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि व भारद्वाज शामिल हैं। ये सात ऋषि वेदों के द्रष्टा हैं और ब्रह्मज्ञान के संरक्षक माने जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अध्ययन का बड़ा केंद्र

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के तारों के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि सप्तऋषि तारामंडल खगोल वैज्ञानिकों के अध्ययन का बड़ा केंद्र है। समय-समय पर वैज्ञानिक इस पर अध्ययन करते आ रहे हैं। नया अध्ययन बेहद दिलचस्प है। इस तारामंडल की भविष्य में और कई जानकारियां निकलकर सामने आएंगी।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,265 .32	26,033 .75
बढ़त	158 .51	47 .75
प्रतिशत में	0 .19	0 .18

सोना 1,31,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,80,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3100, मसूरी- 1100, बासमती- 6500, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 4400, साबुत चना दाल- 4100, मूंग साबुत- 6900, राजमा- 9200-12100, दाल उड़द- 7100, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3400, उड़द साबुत- 5500, काबुली चना- 9900, अरहर दाल- 10200, लोबिया/

भारत-रूस व्यापार को संतुलित बनाने की जरूरत

केंद्रीय मंत्री गोयल बोले- द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब डॉलर तक पहुंचा

- **दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य किया निर्धारित**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-रूस व्यापार मंच के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मक्सिम ओरेशिकन और फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा इसे और अधिक संतुलित बनाने की दिशा में काम करने के व्यापक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता वस्तुएं, खाद्य उत्पाद, मोटर वाहन, ट्रैक्टर, भारी वाणिज्यिक वाहन, स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक, औद्योगिक कल-पुर्जे और वस्त्र भारत से रूस को निर्यात बढ़ाने की क्षमता रखने वाले में क्षेत्रों में शामिल हैं।

गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में कहा द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच रहा है, लेकिन हम आराम से नहीं बैठ सकते, हमें आगे बढ़ना होगा और संतुलन बनाना होगा। भारत का रूस को निर्यात 2024-25 में 4.9 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जबकि आयात 63.8 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा करीब 59 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि भारत सेवा क्षेत्र में भी रूस को बड़ी पेशकश कर सकता है।

रूसी संघ के राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मैक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि रूस के आयात में भारत की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है और इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। ओरेश्किन ने कहा कि अधिक संतुलित व्यापार के लिए इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत छह प्रमुख क्षेत्रों में आपूर्ति बढ़ा सकता है जिनमें कृषि, औषधि, दूरसंचार उपकरण, औद्योगिक कल-पुर्जे एवं मानव संसाधन शामिल हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि भारतीय व्यवसाय रूस को निर्यात बढ़ा सकें।

भारत-कनाडा ने व्यापार पर बातचीत की रूपरेखा और तौर-तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने एक्स पर लिखा, कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री सिद्धू के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने सीईपीए वार्ता शुरू करने की तैयारियों के तहत समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, व्यापक उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर शुरुआती और व्यापक चर्चा की। उन्होंने अगले साल कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमति जतायी। उल्लेखनीय है कि 2023 में, कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। उसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई थी। उसके बाद कनाडा ने भारत के साथ समझौते पर बातचीत रोक दी थी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं।

स्बरबैंक भारत में करेगा 10 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- **10 शहरों में 10 शाखाएं खोलने के लिए आरबीआई से मांगा लाइसेंस**

रूस के सबसे बड़े बैंक स्बरबैंक ने गुरुवार को कहा कि वह भारत में अपने कारोबार का धीरे-धीरे विस्तार करने की योजना बना रहा है और तीन वर्ष में यहां 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा।

स्बरबैंक के सीईओ एवं चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने कहा कि हमारे पास यहां पूर्ण बैंकिंग लाइसेंस है। हम बी2बी कारोबार को बढ़ाएंगे और बी2सी (व्यवसाय से उपभोक्ता) खंड में प्रवेश करेंगे। 2010 में अपना परिचालन शुरू करने वाले इस बैंक ने आरबीआई से 10 शहरों में 10 शाखाएं खोलने के लिए लाइसेंस मांगा है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के केंद्रीय बैंक से कार्यालय खोलने के लिए 10 शाखा लाइसेंस देने का अनुरोध किया है। वर्तमान में इसकी दो शाखाएं हैं। बेंगलुरु में एक आईटी इकाई है जो आंतरिक डेटा प्रसंस्करण केंद्र के रूप में कार्य करती है।

स्बरबैंक, जेएससी फर्स्ट ने नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' किया पेश

रूसी बैंक स्बरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' पेश किया है जो निफ्टी 50 सूचकांक के प्रदर्शन से जुड़े निवेश की पेशकश करता है। इससे रूसी खुदरा निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में सीधे निवेश का मौका मिलेगा। शेयर बाजार ने गुरुवार को कहा कि इस फंड की पेशकश की घोषणा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) में आयोजित कार्यक्रम में स्बरबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने अपनी भारत की व्यावसायिक यात्रा के दौरान की।

फिच ने भारत की वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर किया 7.4%

नई दिल्ली, एजेंसी

- **उपभोक्ता खर्च में वृद्धि व जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया**

साख निर्धारित करने वाली एजेंसी फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान को 6.9 से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया। मुख्य रूप से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है।

फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दरों में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत पर लाने गुंजाइश देती है। आरबीआई इस साल अब तक मुख्य नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। उसने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी ने दिसंबर के लिए अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के अंत तक) की शेष अवधि में वृद्धि धीमी रहेगी, लेकिन हमने पूरे वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान को सितंबर के 6.9 से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। इस वर्ष वृद्धि को मुख्य रूप से निजी उपभोक्ता खर्च गति दे रहा है। इसका कारण मजबूत वास्तविक आय गतिशीलता, उपभोक्ता धारणा में सुधार और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का प्रभाव है। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत लगभग 375 वस्तुओं पर कर की दरें कम की गई है। इससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। जीएसटी में संशोधित दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं।

2026-27 में जीडीपी वृद्धि धीमी होकर रहेगी 6.4%

फिच को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर धीमी होकर 6.4 प्रतिशत रहेगी। इसने अनुमान लगाया है कि वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष (2026-27) की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आएगी। खाने-पीने की चीजों की कम कीमतों के कारण अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0 .3 प्रतिशत के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दर में एक और कटौती करके इसे 5 .25 प्रतिशत करने की गुंजाइश देगी...। आरबीआई शुक्रवार को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। फिच के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति में सुधार और गतिविधियों के मजबूत बने रहने के अनुमान के साथ आरबीआई नीतिगत दर में कटौती के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है और अगले दो साल तक नीतिगत दर 5 .25 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

मौद्रिक नीति के फैसलों की आज घोषणा

मुंबई, एजेंसी

- **रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद, गवर्नर मल्होत्रा एमपीसी की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णयों की करेंगे घोषणा**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में लिए गए निर्णयों की घोषणा करेगा। विशेषज्ञों ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद जताई है। आरबीआई की ओर से गुरुवार को जारी बयान के मुताबिक, गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करेंगे। अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर एमपीसी की बैठक बुधवार को शुरू हुई थी।

यह बैठक घटती मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तेज वृद्धि, डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के पार जाने और मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों की पृष्ठभूमि में हो रही है। खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के बीच आरबीआई ने फरवरी से रेपो दर में तीन किस्तों में कुल एक प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि पिछली दो बार से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है लेकिन खुदरा मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट ने प्रमुख अल्पकालिक ऋण दर में कटौती की अतिरिक्त गुंजाइश पैदा कर दी है।

आरबीआई गवर्नर ने भी पिछले महीने कहा था कि नीतिगत ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश है। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की संस्थापक लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा कि मौजूदा रेपो दर एक साल पहले की 6.5 प्रतिशत दर से काफी नीचे है।

अक्टूबर में मुद्रास्फीति एक दशक के अपने सबसे निचले स्तर 0.25 प्रतिशत पर रही और थोक मूल्यों में 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई है। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को दिए जाने वाले लगभग 70 प्रतिशत ऋण सीधे रेपो दर से जुड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि नीतिगत माहौल में सुधार के बावजूद, ऋण का अंतर अब भी व्यापक है और कार्यान्वयन स्तर पर वित्त तक पहुंच अब भी कठिन है। इस स्थिति को देखते हुए, ब्याज दर में 0.25 से 0.50 प्रतिशत की और कटौती करके उन्हें 5.25 प्रतिशत पर लाना उचित एवं आवश्यक है।

राष्ट्रीय

उपकर से मिला राजस्व राज्यों से होगा साझा

वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि पान मसाला के उत्पादन पर उपकर लगाने के प्रावधान का मकसद स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने सदन में 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगा।

सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य दो प्रमुख आयामों स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संसाधनों का स्रोत तैयार करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरत होती है कि सतत निवेश हो। यह उपकर आवश्यक वस्तुओं पर नहीं लगाया जाएगा। यह सिर्फ ऐसी हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा, जो स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालती हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस उपकर को लगाने से पान मसाला का दाम बढ़ेगा तो इन्हें खाने में रुकावट पैदा होगी। इससे जो राजस्व मिलेगा उसमें से एक हिस्सा राज्यों को भी देने का प्रावधान किया गया है ताकि वे स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं में इसका उपयोग कर सकें।

लोकसभा में विधेयक पर चर्चा करतीं निर्मला सीतारमण

- **बोलीं- जीएसटी की व्यवस्था पर विधेयक का नहीं पड़ेगा कोई असर**
- **पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी रहेगा बरकरार**

राजस्व हानि की भरपाई के लिए था क्षतिपूर्ति उपकर

एक जुलाई 2017 को जीएसटी की शुरूआत हुई थी तो जीएसटी कार्यान्वयन के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए 30 जून 2022 तक पांच वर्षों के लिए क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था लागू की गई थी। क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था को बाद में 31 मार्च 2026 तक चार साल के लिए बढ़ा दिया गया था और इसके संग्रह का उपयोग उस ऋण को चुकाने के लिए किया जा रहा है जो केंद्र ने राज्यों को कोविड महामारी की अवधि के दौरान जीएसटी राजस्व हानि की भरपाई के लिए लिया था।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के कैशलेस उपचार के 20% अनुरोध खारिज

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के कैशलेस उपचार की योजना के तहत किए 6,833 अनुरोधों में से अब तक सिर्फ 5,480 पीड़ित ही पात्र मिले हैं, और बाकी 1,353 मामले (20 प्रतिशत) पुलिस ने खारिज किए हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि मोटर वाहन दुर्घटना कोष के तहत कुल 73,88,848 रुपये की धनराशि दी गई है। गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के 'कैशलेस' उपचार की योजना, 2025 के तहत, हर दुर्घटना के मामले में पीड़ित का 1.5 लाख रुपये तक का 'कैशलेस' उपचार किया जाएगा।

विधेयक का उद्देश्य स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए संसाधन जुटाना

उन्होंने कहा कि पान मसाला को लेकर जीएसटी की जो व्यवस्था है, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। जीएसटी के तहत पान मसाला के उपभोग पर सबसे ज्यादा 40 प्रतिशत कर भी लगाया जा रहा है। 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा, जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है।

वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- अमेरिका के पास सुरक्षा आधार पर निर्णय लेने का अधिकार**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है और अमेरिका के पास उसके राष्ट्रीय सुरक्षा आकलन के आधार पर वीजा देने या नहीं देने का निर्णय लेने का अधिकार है। उच्च सदन में पूरक प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में, ताजा घोषणा बुधवार को, वीजा निर्णयों को पूरी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा फैसला घोषित किया है।

जयशंकर ने यह बात ऐसे समय पर कही है जब इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि अमेरिका ने वीजा 'स्क्रीनिंग' प्रणाली को और कड़ा कर दिया है और अब वह आवेदकों के सोशल मीडिया खातों की विस्तृत जांच भी करेगा, जिसका असर भारतीय आवेदकों पर भी पड़ने का अनुमान है। जयशंकर ने कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है। अमेरिका के मामले में, उनका यह स्पष्ट मत है और ताजा घोषणा कल की है कि हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा निर्णय है। इसलिए वे किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित स्थिति का आकलन कर वीजा पर निर्णय लेने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार ने कहा है कि छात्र वीजा मामलों में वे सभी आवेदकों से सोशल मीडिया खातों की गोपनीयता सेटिंग को सार्वजनिक करने को कहेंगे ताकि वे सोशल मीडिया पोस्ट की पूरी तरह जांच कर सकें।

न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं : मेघवाल

सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि देश की विभिन्न अदालतों में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उच्च सदन में विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भाजपा के संजय सेठ द्वारा पूछे गये प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। सेठ ने सरकार को ध्यान दिलाया कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए विभिन्न कदमों से देश में नागरिकों की औसत आयु सीमा बढ़ गयी है। अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आजीवन सेवा देते हैं, जबकि ब्रिटेन, बेल्जियम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में इनकी आयु 70 वर्ष है। भारत में जिला अदालतों में न्यायाधीशों की आयु सीमा 60 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और उच्चतम न्यायालय में 65 वर्ष है। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए क्या वह न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके जवाब में मेघवाल ने कहा कि अभी कोई ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए बनाएं राष्ट्रीय कानून

राज्यसभा सदस्य फौजिया खान ने गुरुवार को डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाने की मांग की। राकांपा (एसपी) की नेता खान ने कहा कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी जीवनरक्षक होते हैं और लोग उन पर ईश्वर के बाद सर्वाधिक भरोसा करते हैं। लेकिन आज यही डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी धमकाए जा रहे हैं, उन पर हमले हो रहे हैं, उन्हें गालियां दी जा रही हैं और भीड़ द्वारा घेरा भी जा रहा है। उन्होंने कहा कि समस्या का स्तर इतना बड़ा है कि उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नीट परीक्षा ने शिक्षा का व्यावसायीकरण किया : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने देश में कोचिंग प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सरकार से मांग की कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट की समीक्षा की जाए। टैगोर ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) ने मेरिट को बढ़ावा नहीं, बल्कि निजी कोचिंग संस्थानों को मजबूत करके व स्कूलों को कमजोर कर शिक्षा का व्यावसायीकरण किया है।

टीईटी परीक्षा पास करने की अनिवार्यता में हस्तक्षेप करे सरकार

देश के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पहले से कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता संबंधी अदालती आदेश का हवाला देते हुए गुरुवार को कुछ सांसदों ने सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया। शिवसेना के धैर्यशील माने ने लोकसभा में कहा कि पहले से सेवारत प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा अनिवार्य करने की वजह से उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है।

जल जीवन मिशन की शिकायतों पर होगी कार्रवाई : पाटिल

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफ से जो शिकायतें आई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी और समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी। पाटिल ने बताया कि 'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक 15 करोड़ घरों में पानी पहुंचा दिया गया है तथा चार करोड़ और घरों में पानी पहुंचाने का काम जारी है। इस बार भी योजना के लिए 67 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की मांग

विपक्ष के कई सांसदों ने लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाई जाए क्योंकि अब भी बहुत सारी संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो पाया है। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की जियो-टैगिंग के बाद डिजिटल सूची बनाने के लिए छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' पोर्टल के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, टीएमसी की सजदा अहमद ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया।

देवी-देवताओं पर रेवंत की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। देवी-देवताओं पर दिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के बयान को लेकर भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और मांग की कि राहुल गांधी इस मामले पर चुप्पी तोड़ें और साफ करें कि क्या वह जिहाद के साथ खड़े दिखना चाहते हैं।

कांग्रेस की बैठक में रेड्डी ने कहा था कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है। यह बात उन्होंने हिंदू धर्म से तुलना करते हुए की और कहा कि भक्त कई भगवानों की पूजा करते हैं। हिंदुओं के कितने भगवान हैं? तीन करोड़? जिनकी शादी नहीं हुई है उनके लिए हनुमान हैं। जिनकी दो बार शादी हुई है उनके लिए एक और भगवान हैं। इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रेड्डी के बयान को सनातन विरोधी बताया।

लंबित तेजाब हमले के मामलों का ब्योरा दें हाईकोर्ट

- **सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह का समय देते हुए 16 वर्षों से लंबित मामले को बताया शर्मनाक**

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वे देश भर में तेजाब हमले के मामलों से संबंधित लंबित मुकदमों का ब्योरा चार सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। न्यायालय ने दिल्ली की अदालत में तेजाब हमले का एक मामला 16 वर्षों से लंबित रहने को शर्मनाक करार दिया।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर जनहित याचिका पर केंद्र और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को भी नोटिस जारी किए। पीठ ने मलिक के मुकदमे में लंबे समय से हो रही देरी को राष्ट्रीय स्तर पर शर्म की बात कहा। यह मुकदमा रोहिणी की अदालत में 2009 से लंबित है। पीठ ने कहा कि यह न्याय व्यवस्था का कैसा मजाक है। यह बहुत शर्मनाक है। अगर देश की राजधानी में ऐसे मामलों से निपटा नहीं जा सकता तो कौन इससे निपटेगा? सीजेआई ने मलिक से कहा कि वह याचिका में ही आवेदन दायर कर बताएं कि मामला अभी तक समाप्त क्यों नहीं हुआ है।

सेना पर टिप्पणियों के मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने पर लगी रोक बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर की आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा चलाने पर लगी रोक की अवधि अगले साल 22 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने गुरुवार को गांधी की अपील स्वीकार कर ली और कहा कि वह मामले की विस्तार से सुनवाई करेगी। राहुल गांधी ने निचली अदालत के समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया था लेकिन उच्च न्यायालय ने 29 मई को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद गांधी ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके, नुकसान नहीं

ढाका। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस महसूस किए गए। समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उसका केंद्र नरसिंगडी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि भूकंप में जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार भूकंप का केन्द्र कम गहराई पर होने के कारण ढाका और आसपास के जिलों के निवासियों को हल्के झटके ही महसूस हुए।

खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन ले जाने की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका परिवार उन्हें इलाज के लिए लंदन ले जाने की तैयारी कर रहा है। लंदन में जिया के बेटे एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान रहते हैं। खालिदा जिया (80) को हृदय और फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार दिन बाद, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने पर उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में भर्ती किया गया।

अमेरिका: गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल, हमलावर ढेर

ओमाहा। ओमाहा में एक गैस स्टेशन पर हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए, जबकि संदिग्ध हमलावर मारा गया। पुलिस प्रमुख टॉड श्माडरर ने बताया कि संदिग्ध हमलावर की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी, जिसने दोपहर के समय किराने की दुकान पर पहले 61 वर्षीय व्यक्ति के सीने पर कई गोलियां मारी थीं। अधिकारियों ने घटनास्थल से संदिग्ध की कार की लाइसेंस प्लेट नंबर हासिल की और उसकी कार का पीछा करते हुए गैस स्टेशन तक पहुंचे।

रूस: आतंकवाद के समर्थन के आरोप में रोब्लॉक्स पर प्रतिबंध

मॉस्को। रूस ने लोकप्रिय गेमिंग प्लेटफॉर्म 'रोब्लॉक्स' पर आतंकवाद के समर्थन और बच्चों को एलजीबीटी-संबंधित कंटेंट परोसने के आरोप में प्रतिबंध लगा दिया है। रूसी मीडिया के अनुसार रोब्लॉक्स हिंसक अपराधों के आह्वानों में भी शामिल रहा है। बयान में कहा गया कि यह गेमिंग प्लेटफॉर्म ऐसे असभ्य कंटेंट से भर गया था जो बच्चों के आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

मोजाम्बिक में विस्थापितों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- हिंसा के कारण 1,20,000 लाख विस्थापित झेल रहे हैं समस्याएं

संयुक्त राष्ट्र ने उत्तरी मोजाम्बिक प्रांत में हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित किए हैं। नामपुला प्रांत में 1,20,000 लोग विस्थापित हुए हैं जिनके लिए केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (सीईआरएफ) से बुधवार को सहायता जारी की गई।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि मंगलवार तक लगभग एक लाख लोग मध्य नवंबर में प्रांत में हिंसा फैलने के बाद से अपने घरों से पलायन कर चुके हैं। ओसीएचए ने कहा, विस्थापित लोगों में से दो तिहाई से अधिक बच्चे हैं जो अब भीड़भाड़ वाले स्कूलों, अस्थायी संरचनाओं, खुले स्थानों या पहले से ही कमजोर मेजबान परिवारों में आश्रय ले रहे हैं। आश्रय के अलावा उनके पास सुरक्षित जल, संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सेवाओं तक भी सीमित पहुंच है जबकि कुछ क्षेत्रों में हैजा फैल रहा है। कार्यालय ने कहा कि महत्वपूर्ण सहायता का भंडार लगभग समाप्त हो चुका है और सीईआरएफ की धनराशि से एराटी और मेम्बा जिलों में लोगों के लिए जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सहायता, बुनियादी घरेलू सामान, साथ ही आश्रय, सुरक्षा और आजीविका सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी।

भारत-रूस संबंध

जवाहरलाल नेहरू से नरेंद्र मोदी तक

भारत की आजादी के वक्त से ही रूस के साथ उसके संबंध गहरे और बहुआयामी रहे हैं। पिछले करीब सात दशक तक इन संबंधों का आधार आपसी विश्वास के साथ रणनीतिक सहयोग भी रहा है। रूस के साथ भारत के आधिकारिक राजनयिक संबंध स्वतंत्रता से ठीक पहले 13 अप्रैल 1947 को स्थापित किए गए थे। शीत युद्ध के दौरान भारत की गुटनिरपेक्ष नीति के बावजूद सोवियत संघ भारत का मजबूत सहयोगी बना। इस साझेदारी ने रक्षा, भिलाई स्टील प्लांट जैसे भारी उद्योग और अंतरिक्ष सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। अगस्त 1971 में हस्ताक्षरित 'शांति, मैत्री और सहयोग की संधि' इन संबंधों में एक मील का पत्थर थी। सोवियत संघ के विघटन के बाद भी यह रिश्ता बना रहा। अक्टूबर 2000 में 'भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी पर घोषणा' पर हस्ताक्षर किए गए, और 2010 में इसे 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया गया।

जब-जब सच्चा दोस्त साबित हुआ रूस

- 1971 के युद्ध के दौरान जब अमेरिका और चीन पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे, तब सोवियत संघ ने भारत को महत्वपूर्ण राजनयिक और सैन्य सहायता प्रदान की।
- रूस और सोवियत संघ ने कश्मीर मुद्दे और अन्य राजनीतिक मामलों पर भारत के रुख का समर्थन करते हुए कई बार संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया।
- भारत के पहले उपग्रह 'आर्यभट्ट' का 1975 में सोवियत रॉकेट से प्रक्षेपण, बाद में ब्रह्मोस मिसाइल जैसी संयुक्त परियोजनाओं ने गहरे तकनीकी सहयोग को दर्शाया।
- भारत की ओर से 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण पर पश्चिमी देशों की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी रूस ने भारत के साथ अपने संबंध पूर्ववत बनाए रखे।

संबंधों का वर्तमान महत्व

- भारत अमेरिका के साथ संबंध बढ़ाना चाहता है लेकिन रूस उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का आधार हैं।
- भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए अभी भी बड़े पैमाने पर रूसी उपकरणों और स्पेयर पाट्र्स पर निर्भर है।
- यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने रूस से तेल आयात जारी रखा जो उसकी ऊर्जा सुरक्षा में मददगार रहा।
- दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, एससीओ और ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग करते हैं।

रूस और पश्चिमी देश

- रूस के साथ संबंध रक्षा, ऊर्जा और राजनीतिक समर्थन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में कसौटी पर खरे उतरे हैं। पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंध लेनदेन वाले और वैश्विक परिदृश्य से प्रभावित हैं, रूस के साथ ऐतिहासिक भावनाओं पर टिके हैं।

78 साल : 1947 से अब तक

- जवाहर लाल नेहरू ने सोवियत संघ के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन के ढांचे के भीतर।
- इंदिरा गांधी के समय में भारत-रूस संबंध चरम पर पहुंचे। इस बीच 1971 की शांति, मैत्री और सहयोग की संधि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर थी।
- लियोनिद ब्रेजनेव ने सोवियत नेता के रूप में इंदिरा गांधी के साथ 1971 की संधि में निभाई, जिससे मजबूत सैन्य और आर्थिक संबंधों की नींव पड़ी।
- अटल बिहारी वाजपेयी और पुतिन ने वर्ष 2000 में रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिसने पुराने संबंधों को एक नई दिशा दी।
- रूस के सबसे लंबे समय नेता रहे पुतिन ने भारत के साथ संबंधों को लगातार प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में कई क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत हुई है।
- मनमोहन सिंह ने पुतिन और दिमित्री मेदवेदेव के साथ असैन्य परमाणु सहयोग जैसे प्रमुख समझौते किए, जिससे ऊर्जा सुरक्षा क्षेत्र में आगे बढ़े।
- नरेंद्र मोदी ने रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखी, वार्षिक शिखर सम्मेलनों में भाग लिया है और द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया है।

अमेरिकी सांसदों का रूबियो को पत्र पाकिस्तान पर लगाएं कड़े प्रतिबंध

शरीफ और मुनीर पर मानवाधिकार संकट और अंतर्राष्ट्रीय दमन का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

वाशिंगटन से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद प्रमिला जयपाल की अगुवाई में अमेरिकी संसद के कई सदस्यों ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इन सांसदों का कहना है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सरकार में मानवाधिकार संकट और अंतरराष्ट्रीय दमन लगातार बढ़ रहा है। सांसदों ने उन पर वीजा पाबंदी से लेकर उनकी संपत्ति फ्रीज करने तक कई प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है।

जयपाल की ओर से बुधवार को सार्वजनिक किए गए इस पत्र में अमेरिका में प्रभावित लोगों की सुरक्षा और इस्लामाबाद के साथ डील में मानवाधिकार स्तर को बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर अमेरिकी प्रशासन से औपचारिक जवाब भी मांगा गया है। पत्र में इन घटनाओं को पाकिस्तान में लोकतंत्र के पतन के एक बड़े पैटर्न से जोड़ा गया है, जिसमें पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज पर कार्रवाई का जिक्र किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि हाल के सालों में, पाकिस्तान में तानाशाही के गलत इस्तेमाल के खिलाफ बोलने वाले अमेरिकी नागरिकों और निवासियों को धमकियों, डर और परेशानी का सामना करना पड़ा है। ये परेशानियां अक्सर पाकिस्तान में उनके परिवारों तक भी पहुंच जाती हैं।

पत्र में यह भी कहा गया है कि इन तरीकों में मनमाने ढंग से हिरासत में लेना, जबरदस्ती करना और हिंसा करना शामिल है। सरकार इन तरीकों से बाहर से आए लोगों और उनके रिश्तेदारों को निशाना बनाती है। सांसदों ने कहा कि इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका की जमीन पर विदेशी दखल के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, हालांकि हम मानते हैं कि आतंकवाद विरोध और दूसरे मुद्दों पर अमेरिका-पाकिस्तान साझेदारी अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है, लेकिन यह साझेदारी मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक शासन और कानून के राज के लिये आपसी प्रतिबद्धता पर आधारित होनी चाहिए।

विदेश विभाग से मांगा जवाब : पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले सांसदों ने पूछा कि अमेरिकी प्रशासन पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के साथ इस तरह से कैसे जुड़ने का प्लान बना रहा है, जिससे मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए अमेरिका के बताए गए वचनों को बनाए रखा जा सके और तानाशाही व्यवहार को सही ठहराने की किसी भी सोच से बचा जा सके। उन्होंने विदेश विभाग से 17 दिसंबर तक लिखकर जवाब देने को कहा है।

तानाशाही शासन की ओर से बढ़ रहा है पाकिस्तान

सांसदों ने दावा किया कि पाकिस्तान तानाशाही शासन की तरफ ओर बढ़ रहा है। राजनीतिक विरोधियों को बिना किसी औपचारिक आरोप के जेल में डाला जा रहा है, स्वतंत्र पत्रकारों को धमकाया जा रहा है या देश निकाला दिया जा रहा है। नागरिकों को भी ऑनलाइन गतिविधि के लिए हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों और बलूचिस्तान सहित अन्य जातीय समूहों पर बढ़ते खतरे की ओर भी इशारा किया। सांसदों का कहना है कि ये समूह सरकारी दमन का खामियाजा भुगत रहे हैं। सांसदों ने ऐसी घटनाओं को नागरिक समाज को कुचलने और सैन्य शासन की सभी चुनौतियों को खत्म करने की एक सोचे-समझी साजिश करार देते हुए कहा, पाकिस्तान तानाशाही के बढ़ते संकट का सामना कर रहा है, जहां लोकतांत्रिक संस्थाओं और बुनियादी आजादी को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है।

कट्टरपंथी इस्लाम विश्व और अमेरिका के लिए खतरा : मार्क रूबियो

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने चेतावनी दी कि कट्टरपंथी इस्लाम की ज्यादा क्षेत्रों और अधिक लोगों को नियंत्रित करने की महत्वाकांक्षा दुनिया के लिए एक आसन्न खतरा है। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका नाइजीरिया और विश्व स्तर पर ईसाइयों के खिलाफ हिंसा को धन मुहैया कराने या उनका समर्थन करने वालों के लिए वीजा प्रतिबंधित करेगा। रूबियो ने एक साक्षात्कार में कट्टरपंथी इस्लामवादियों को संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए दावा किया कि इस्लामी कट्टरपंथी अमेरिका को पृथ्वी पर बुराई का मुख्य स्रोत मानते हैं। रूबियो ने कहा, यह विचार कि कट्टरपंथी इस्लाम इराक या सीरिया के किसी प्रांत को नियंत्रित करके ही संतुष्ट रहेगा, ऐसा इतिहास से सिद्ध नहीं होता है। कट्टरपंथी इस्लाम ने दिखाया है कि उनकी इच्छा सिर्फ दुनिया के एक हिस्से पर कब्जा करके अपने छोटे से खलीफा से संतुष्ट होना नहीं है, वे विस्तार करना चाहते हैं।

हसीना के बेटे जॉय के खिलाफ अरेस्ट वारंट

ढाका। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासित बेटे साजिब वाजेद जॉय के खिलाफ बृहस्पतिवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह वारंट मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में उनकी मां को मौत की सजा सुनाने के एक महीने बाद जारी किया गया है।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के एक अभियोजक ने बताया, न्यायाधिकरण ने जुलाई के विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के लिए जॉय के विरुद्ध दर्ज मामले में वारंट जारी किया है। आईसीटी मामलों के तत्कालीन कनिष्ठ मंत्री जुनैद अहमद पलक के विरुद्ध भी ऐसा वारंट जारी किया गया था। पलक पहले से ही जेल में हैं।

ब्रिटेन: नर्व एजेंट हमले के लिए रूसी खुफिया एजेंसी पर पाबंदी

लंदन, एजेंसी

- पुतिन पर लगाया आदेश देने का आरोप, रूस का राजदूत तलब

ब्रिटेन ने 2018 के 'नर्व एजेंट' हमले को लेकर बृहस्पतिवार को रूस की खुफिया एजेंसी जीआरयू पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके साथ मॉस्को के राजदूत को भी तलब किया। ब्रिटेन ने यह कदम एक जांच में निकले निष्कर्ष के बाद उठाया है, जिसमें दावा गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2018 में ब्रिटेन की भूमि पर हुए 'नर्व एजेंट' हमले के लिए जिम्मेदार थे।

'नर्व एजेंट' ऐसे जहरीले रसायन हैं जो सीधे तंत्रिका तंत्र पर असर करते हैं। ये मस्तिष्क तक जाने वाले संकेतों को बाधित कर देते हैं, जिससे शरीर ठीक तरह से काम करना बंद कर देता है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि सैलिसबरी शहर में हुए उस हमले के लिए जीआरयू पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिसमें ब्रिटेन आए पूर्व सोवियत एजेंट सर्गेई स्क्रिपल को निशाना बनाया गया था। 'नोविचोक नर्व एजेंट' के संपर्क में आने से एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्गेस की मौत हो गई थी। स्टर्गेस की मौत की जांच का नेतृत्व करने वाले ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एंथनी ह्यूजेस ने कहा कि स्क्रिपल पर हमले को पुतिन की ओर से उच्चतम स्तर पर अधिकृत किया गया होगा।

अंतरिक्ष मिशन के लिए मिल सकते हैं रूस से सेमी क्रायोजेनिक इंजन

इंजन के साथ तकनीक भी हस्तांतरित करने को रूस सहमत

मॉस्को, एजेंसी

रूस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करते हुए अपने सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन आरडी-191 की आपूर्ति करने और इसके निर्माण की तकनीक भारत को देने के लिए सहमत है। यह कदम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की गुरुवार से शुरू हो रही दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान इस बेहद खास सौदे की घोषणा हो सकती है।

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री बकनोव ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि भारत के साथ रॉकेट इंजन का सौदा होने वाला है। उन्होंने मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष स्टेशन के विकास में भी सहयोग की संभावना जताई। बकनोव ने इंजन के प्रकार का उल्लेख नहीं किया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह एक सेमी-क्रायोजेनिक इंजन होगा। दोनों देशों के बीच रॉकेट इंजन सौदे पर पिछले कुछ वर्षों से बातचीत चल रही थी। यह रूस और भारत के बीच दूसरा प्रमुख सौदा होगा, इससे पहले ब्रह्मोस मिसाइल का संयुक्त उद्यम सफलतापूर्वक चल रहा है।

- पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हो सकते हैं अहम सौदे

यह दूसरी बार होगा जब भारत रूस से रॉकेट इंजन खरीदेगा।

पहले भारत ने इसरो के जीएसएलवी रॉकेट के शुरुआती चरण के लिए सात क्रायोजेनिक इंजन खरीदे थे, लेकिन अमेरिकी भूराजनीतिक दबाव के कारण रूस ने बाद में आपूर्ति रोक दी थी और कोई तकनीक हस्तांतरण नहीं किया गया था। भारत अपने मौजूदा भारी-लिफ्ट रॉकेट एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) में आरडी-191 सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उपयोग करना चाहता है। वर्तमान में, एलवीएम3 की पेलोड क्षमता भूस्थिर कक्षा के लिए केवल चार टन है। इसरो इस क्षमता को पांच टन तक बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए शक्तिशाली क्रायोजेनिक इंजन के साथ एलवीएम3 के दूसरे चरण के तरल इंजन को सेमी-क्रायोजेनिक इंजन से बदला जाएगा। ये संवर्द्धन पेलोड क्षमता को बढ़ाएंगे और न्यूस्पेस इंडिया के जरिए वाणिज्यिक पेशकशों के लिए रॉकेट को तैयार करेंगे। अभी भारत को चार टन से अधिक वजन वाले संचार उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के लिए विदेशी एजेंसियों को भारी रकम चुकानी पड़ती है।

नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सहयोग की घोषणा

मास्को। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने कहा है कि उनका देश नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग को और बढ़ाने के लिए तैयार है। मंटुरोव ने एक साक्षात्कार में स्पुतनिक से कहा, रूस एक ऐसा भागीदार है जो भारत के साथ न केवल अत्याधुनिक विमानन तकनीक की आपूर्ति करके, बल्कि भारत के घरेलू विमानन उद्योग के विकास के लिए भी काम करने के लिए तैयार है। हमारा मानना है कि आपसी हित सैन्य क्षेत्र से आगे जाकर नागरिक उड्डयन में भी सहयोग का विस्तार करने में हो सकता है। गौरतलब है कि दोनों देशों का विमानन सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। सुप्रसिद्ध मिग-21 और सुखोई-30एमकेआई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान भारत में लाइसेंस के तहत बनाए जाते हैं।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में गिरा अमेरिका का एफ-16

ट्रोना। अमेरिकी वायुसेना के विशिष्ट 'थंडरबर्ड्स' दस्ते का एक लड़ाकू विमान दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट समय रहते बाहर निकलने में सफल रहा।

सैन बर्नार्डिनो काउंटी के दमकल विभाग के अनुसार, पायलट का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उसे जानलेवा चोट नहीं लगी हैं। नेवादा में स्थित नेलिस एयरफोर्स बेस की ओर से जारी बयान के अनुसार, एफ-16सी फाइटिंग फाल्कन बुधवार सुबह लगभग 10:45 बजे कैलिफोर्निया में नियंत्रित हवाई क्षेत्र में प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

दमकल विभाग ने बताया कि विमान लॉस एंजिलिस से 290 किमी उत्तर में स्थित मोजावे रेगिस्तान के ट्रोना के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने की यूक्रेन को 6.2 करोड़ डॉलर की सैन्य मदद देने की घोषणा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के लिए 9.5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की, जिसमें रक्षा बल सामग्री एवं उपकरण शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने विदेश मंत्री पेनी वोंग और रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय के साथ एक बयान में कहा कि नए पैकेज से यूक्रेन को ऑस्ट्रेलिया की कुल सहायता 1.7 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक हो जाएगी।

नई सैन्य सहायता में नाटो की प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची में 5.0 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान शामिल होगा, जिसके माध्यम से यूक्रेन को महत्वपूर्ण उपकरण, साथ ही 4.3 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति की जाएगी। एडीएफ उपकरणों में सामरिक वायु रक्षा रडार, युद्ध सामग्री और लड़ाकू इंजीनियरिंग उपकरण शामिल होंगे।

- नए सहायता पैकेज में रक्षा बल सामग्री और उपकरण शामिल

पुतिन पर शांति प्रयासों में दिखावे का आरोप

कीव। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने पुतिन पर शांति वार्ता में रुचि दिखाने का दिखावा करने का आरोप लगाया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री य्वेट कूपर ने कहा कि पुतिन को दिखावा और खूनखराबा बंद करके वार्ता करनी चाहिए और उचित व दीर्घकालिक शांति के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने पुतिन से दुनिया का समय बर्बाद न करने की अपील की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 6 दिसंबर 00 .55 तक तत्पश्चात द्वितीया।

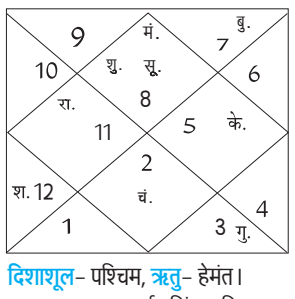

मेष — आज अपने खर्चों में कटौती करें वरना बजट गड़बड़ा सकता है। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। बाहर का भोजन करने से पाचन खराब हो सकता है।

वृष — आज आप पूरी मेहनत से काम करेंगे। कारोबार में उत्तम धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च करेंगे पुराने निवेश से धन लाभ होगा। युवा जातक प्रेम सम्बन्धों को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। तात्कालिक निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। बिना मांगे किसी को राय देने से अपमान हो सकता है। अनैतिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उधार धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कर्क — आज कारोबार को लेकर यात्रा हो सकती है। उच्च अधिकारी आपके काम से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शेयर मार्केट से धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। लोग आपसे परामर्श लेना पसंद करेंगे।

सिंह — आज आपके कार्य धीमी गति से पूर्ण होंगे। पड़ोसियों के साथ विवाद उभरने की आशंका है। रिश्तों में मधुरता का आनंद लेंगे। कारोबार में कठिनाई हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ नहीं है। अपनी दिनचर्या संतुलित रखें।

कन्या — आज महत्वपूर्ण कार्यों के लिए दिन शुभ है। धर्म-कर्म में रुचि कम होने की संभावना है। शोधकार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। मतभेदों का निवारण हो सकता है।

तुला — आज कारोबार में बड़ा निवेश करने से पहले पूरी जांच-परख कर लें। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। नए कार्यों की शुरुआत न करें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थकान महसूस होगी। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर हो सकता है।

वृश्चिक — आज आपके सभी कार्य अच्छी तरह से पूर्ण होंगे। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। साझेदारी में नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक समय का आनंद उठाएंगे। प्रेम विवाह को लेकर समस्या हो सकती है।

धनु — आज का दिन कानूनी मामलों के लिए शुभ है। कोई कठिन कार्य पूरा हो सकता है। किसी से द्वेष व कपटपूर्ण बर्ताव न करें। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पुराना उधार चुकाने में सफलता मिलेगी।

मकर — आज अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास करें। नव विवाहित लोग कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। अपने प्रेमी जन को प्रपोज करने के लिए दिन शुभ है। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े कारोबार में धन लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज आप अपने करियर को लेकर अत्यन्त गंभीर रहेंगे। नजदीकी लोगों की सलाह की उपेक्षा करना नुकसानदेह हो सकता है। दांपत्य संबंधों में कड़वाहट हो सकती है। व्यर्थ के खर्चे बढ़ सकते हैं। सरकारी कार्यों में रुकावटें आने की संभावना है।

मीन — आज कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी संवादशैली से लोग प्रभावित रहेंगे। करियर में बड़ा बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। दांपत्य संबंधों में भावनात्मक लगाव और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 11 .46 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

सुडोकू -181

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3					
				4				
		7						
3			2					
5								9
			5					
						1	7	
	4	8						

सुडोकू - 180 का हल

5	1	8	7	2	4	3	9	6
2	7	4	3	9	6	1	8	5
3	9	6	5	8	1	4	2	7
9	2	7	1	6	3	5	4	8
1	8	3	2	4	5	6	7	9
6	4	5	8	7	9	2	3	1
8	5	2	6	3	7	9	1	4
7	6	9	4	1	2	8	5	3
4	3	1	9	5	8	7	6	2

रन तभी मायने रखते हैं जब आप मैच जीतते हैं। ईमानदारी से कहूं तो कम से कम मेरे लिए तो यही मायने रखता है। अगर हम दूसरा वनडे हार जाते तो मैं पिछले मैच की तरह ही दुखी होता। जीत हासिल करके मुझे बहुत खुशी हुई है।
- एडेन मार्करम

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नारायण 600 टी-20 विकेट चटकाने वाले पहले क्रिकेटर बने

अबु धाबी। गेंदबाजी में विविधता के लिए पहचाने जाने वाले रहस्यमयी स्पिनर सुनील नारायण ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में 600 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। वेस्टइंडीज के नारायण ने बुधवार को यहां शारजाह वारियर्स के खिलाफ अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। त्रिनिदाद के इस 37 वर्षीय क्रिकेटर ने टॉम एबेल को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। उनकी यह उपलब्धि टी20 प्रारूप में महानतम गेंदबाजों में से एक के रूप में नारायण के दर्जे को और मजबूत करती है। मैच के बाद अबु धाबी नाइट राइडर्स ने नारायण के विशेष जर्सी दी जिसमें 600 अंक लिखा था जो उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि को दर्शाता है।

चेन्नई सुपर वॉरियर्स प्लेऑफ में पहुंचा

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर वॉरियर्स बृहस्पतिवार को यहां इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 4-2 से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। चेन्नई की टीम चार जीत से 12 अंक के साथ तालिका में सबसे ऊपर है। उसके बाद हैदराबाद की टीम दूसरे स्थान पर है। लखनऊ की टीम तीसरे और गुड़गांव की टीम चौथे स्थान पर है। मुंबई की टीम अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है जिससे वह सबसे नीचे है। वहीं बेंगलुरू पांचवें स्थान पर है।

बैडमिंटन : भारत का दमदार प्रदर्शन

गुवाहाटी। तन्वी शर्मा और अश्मिता चालिहा की अगुआई में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बृहस्पतिवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में दबदबा बनाते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 41वीं नंबर की खिलाड़ी और आठवीं वरीय तन्वी ने महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पासा ओर्न फानाचेट को सीधे गेम में 21-17 23-21 से हराया। दुनिया की 96वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने पांचवीं वरीय हमवतन अनमोल खरब के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए 16-21 21-17 21-16 से जीत दर्ज की। भारत की इशारानी बरुआ ने हमवतन श्रेया लेले को 21-13 10-21 21-12 से हराया। तुषार सुवीर ने पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के बिस्मो राया ओक्तोरा को 21-17 18-21 21-15 से शिकस्त दी।

गायत्री-त्रीसा की शीर्ष 10 में वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली। सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खिताब की रक्षा करके गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने सिर्फ एक और ट्रॉफी नहीं जीती बल्कि उन्हें वह लय भी वापस मिल गई है जिसकी तलाश वे इस सत्र में कर रहीं थी। दो बार ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली गायत्री और त्रीसा की जोड़ी ने 2025 की सकारात्मक शुरुआत की। इस साल की शुरुआत में भारतीय जोड़ी 13 हफ्तों तक दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी थी और वे 2026 को दोबारा शीर्ष 10 में वापसी करना चाहती है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज माधव कौशिक। एजेंसी

उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराया

कोलकाता, एजेंसी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

समीर रिज्वी के अर्धशतक के बाद भुवनेश्वर कुमार की धारदार गेंदबाजी से उत्तर प्रदेश ने बृहस्पतिवार को यहां सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप बी मैच में चंडीगढ़ को 40 रन से हरा दिया।

उत्तर प्रदेश के 213 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ की टीम भारतीय टीम से बाहर चल रहे भुवनेश्वर (23 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 172 रन ही बना सकी। उत्तर प्रदेश ने इससे पहले रिज्वी की 42 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों से 70 रन की पारी और सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक (67 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की बदौलत सात विकेट पर 212 रन बनाए। सिद्धार्थ यादव ने भी रन आउट होने से पहले 12 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से 28 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा (61 रन) ने एक छोर संभाले रखा पर दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला।

हार्दिक पंड्या के प्रशंसकों की दीवानगी के कारण मैच स्थल बदला गया

हैदराबाद : भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को देखने के लिए जबरदस्त भीड़ को देखते हुए आयोजकों को बृहस्पतिवार को यहां जिमखाना मैदान जैसे साधारण स्थल से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच को अधिक सुरक्षित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में स्थानांतरित करना पड़ा। यह मुकाबला उनकी टीम बड़ौदा और गुजरात के बीच खेला गया। इसमें बड़ौदा ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हार्दिक की मौजूदगी के कारण अप्रत्याशित भीड़ और सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया गया।

केरल की चैंपियन मुंबई पर सनसनीखेज जीत

लखनऊ : कप्तान संजू सैमसन (46), विष्णु विनोद (नाबाद 43) और शराफुद्दीन (नाबाद 35/ एक विकेट) के बाद केएम आसिफ (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर केरल ने ग्रुप ए मुकाबले में गुरुवार को चैंपियन मुंबई को 15 रनों से शिकस्त दी।

नई भूमिका से सामंजस्य बैठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई : गायकवाड़

बोले - ओपनिंग करूं या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी, कुछ देर बाद समान हो जाती है प्रक्रिया

रायपुर, एजेंसी

रुतुराज गायकवाड़।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नई भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। भारत इस मैच में हालांकि चार विकेट से हार गया था।

गायकवाड़ ने कहा मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया। उन्होंने कहा यह केवल शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए।

गायकवाड़ ने कहा एकदिवसीय प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब भी मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं। उन्होंने कहा मैं जानता हूं कि 11 से 40 ओवरों के बीच कैसे खेलना है, स्ट्राइक रोटेट कैसे करनी है और बाउंड्री के विकल्प क्या हैं। मुझे अपनी पारी आगे बढ़ाने के लिए खुद पर पूरा भरोसा था। गायकवाड़ चोटिल होने के कारण इस साल आईपीएल के सभी मैच में नहीं खेल पाए थे और उन्हें काफी समय तक बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि वह अतीत पर ध्यान नहीं देते और वर्तमान में रहने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा यही बेहतर होता है कि आप इस तरह की चीजों के बारे में अधिक नहीं सोचें क्योंकि अगर आप वर्तमान में नहीं हैं तो आपका ध्यान और तैयारी पर असर पड़ता है। मेरे दिमाग में कुछ चीजें चल रही थीं, लेकिन उसके बाद मैंने तय किया कि चाहे किसी भी प्रारूप का मैच हो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। गायकवाड़ ने कहा अगर मुझे मौका मिलता है, तो यह अच्छी बात है, अगर मुझे मौका नहीं मिलता है, तब भी ठीक है। मुझे यह बात अच्छी तरह से पता है कि जितना हो सके रन बनाते रहना मेरा कर्तव्य है और अगर चीजें फिर से मेरे अनुकूल होती हैं तो यह अच्छी बात है और अगर नहीं होती हैं, तब भी अच्छी बात है। गायकवाड़ ने स्वीकार किया कि 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से खेली गई 105 रन की पारी उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने कहा मैं हां कहूंगा क्योंकि नंबर चार पर बल्लेबाजी करना भी मेरे लिए एक चुनौती थी। सुपरस्टार विराट कोहली के साथ खेलने का मौका मिलना कुछ ऐसा था जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी, लेकिन गायकवाड़ ने अपना ध्यान रन बनाने पर केंद्रित रखा।

जिन्होंने करियर में कुछ हासिल नहीं किया वे रोहित-कोहली का भविष्य तय कर रहे

शारजाह। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं। हरभजन ने यहां कहा यह मेरी समझ से परे है। मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा क्योंकि मैं खुद एक खिलाड़ी रहा हूं और जो मैं देख रहा हूं वह मेरे साथ भी हुआ है। मेरे कई साथियों के साथ ऐसा हुआ है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम इस बारे में बात नहीं करते या इस पर कोई चर्चा नहीं करते। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 417 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कोहली और रोहित के साथ किए जा रहे व्यवहार के संदर्भ में कहा जब मैं विराट कोहली जैसे खिलाड़ी को देखता हूं जो अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है तो मुझे बहुत खुशी होती है।

पहली गेंद से ही लग रहा था कि कोहली लगातार दूसरा शतक लगाने में सफल रहेंगे : गावस्कर

रायपुर। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में शुरू से ही लग रहा था कि विराट कोहली शतक लगाने में सफल रहेंगे, क्योंकि इस दिग्गज बल्लेबाज ने छक्का लगाकर अपना खाता खोला और पिछले मैच के अपने आत्मविश्वास को बनाए रखा। कोहली ने बुधवार को यहां 93 गेंदों पर 102 रन बनाए, जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 53वां शतक और सभी प्रारूप में मिलाकर 84वां शतक है। हालांकि भारत यह मैच चार विकेट से हार गया। उन्होंने 30 नवंबर को रांची में खेले गए पहले मैच में 120 गेंदों पर 135 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 17 रन से जीता था। जियोस्टार विशेषज्ञ गावस्कर ने कहा ईमानदारी से कहूं तो किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि वह शतक नहीं बना पाएंगे। पहली गेंद से ही ऐसा लगा कि वह रांची की अपनी पारी को ही आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कोहली ने हुक करके छक्का जड़कर शुरुआत की।

आनंद को हराकर एरिगैसी ने खिताब जीता

जेरूशलम, एजेंसी

जेरूशलम मास्टर्स

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।

एरिगैसी ने बाद में कहा यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने आगे कहा आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफ़ी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के ख़िलाफ़ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ एरिगैसी को 55,000 अमेरिकी डॉलर, जबकि आनंद को 35,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। एरिगैसी ने सेमीफाइनल में रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर को जबकि आनंद ने विश्व ब्लिट्ज चैंपियन इयान नेपोमनियाची को हराया था।

रूट का ऑस्ट्रेलिया में पहला शतक

ब्रिस्बेन, एजेंसी

- एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट का पहला दिन
- स्टार्क के छह विकेट के बावजूद इंग्लैंड संभला

325 रन नौ विकेट पर बना लिए इंग्लैंड ने पहले दिन स्टंप तक

एशेज सीरीज में शतक लगाने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के जो रूट। एजेंसी

जो रूट (नाबाद 135 रन) ने बृहस्पतिवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक जड़ा जिससे इंग्लैंड ने स्टंप तक पहली पारी में नौ विकेट पर 325 रन बना लिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 71 रन देकर छह विकेट झटके लेकिन इंग्लैंड शुरूआती झटकों से उबरकर अच्छी स्थिति में पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया में रूट ने अभी तक शतक नहीं लगाया था और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 एशेज टेस्ट में उनका सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 89 था। लेकिन उन्होंने लंबा इंतजार खत्म करते हुए 181 गेंद में 11 चौके से 100 रन पूरे किए। वह अभी तक 202 गेंद का सामना करके 15 चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं।

स्टार्क ने बेन डकेट और ओली पोप को खाता भी नहीं खोलने दिया जिससे तीसरे ओवर में इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर पांच रन हो गया था। तभी रूट क्रीज पर आए। उन्होंने पर्थ में सीरीज के पहले मैच में मिली आठ विकेट की हार के बाद इंग्लैंड की पारी को संभालते हुए आत्मविश्वास दिलाने की कोशिश की। वह 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ क्रीज पर मौजूद हैं। आर्चर ने अपने करियर का सबसे अच्छा नाबाद 32 रन का स्कोर बनाया। इससे रूट और आर्चर ने अंतिम विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी निभा ली है। स्टार्क ने बीच के सत्र में हैरी ब्रूक (31 रन) को आउट कर अपने करियर का 415वां विकेट हासिल किया।

ईपीएल : आर्सेनल को पांच अंकों की बढ़त

लंदन, एजेंसी

आर्सेनल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में पांच अंक की बढ़त हासिल कर ली है जबकि लिवरपूल का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा।

आर्सेनल ने जहां ब्रेंटफोर्ड पर 2-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं लिवरपूल ने एनफील्ड में अंतिम क्षणों में आत्मघाती गोल की मदद से संदरलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला।

मौजूदा चैंपियन लिवरपूल की टीम अब आठवें स्थान पर है। उसके कोच आर्ने स्लॉट आलोचकों के निशाने पर हैं और स्टार फारवर्ड मोहम्मद सलाह को लगातार दूसरे मैच में शुरुआती लाइनअप से बाहर रखने के उनके फैसले की कड़ी आलोचना होने की संभावना है। इस बीच चेल्सी को लीड्स के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को झटका लगा। इस हार से चेल्सी चौथे स्थान पर खिसक गई और आर्सेनल से नौ अंक पीछे हो गई, जिसने सभी प्रतियोगिताओं में अपना अजेय अभियान 18 मैचों तक बढ़ा लिया है और 2004 के बाद से पहली बार लीग खिताब जीतने की ओर अग्रसर है।

आखिरी स्थान पर चल रहे वॉल्वरहैम्प्टन को नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट के हाथों अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि एस्टन विला ने ब्राइटन पर 4-3 से जीत हासिल की।

ओलंपिक मशाल इटली को सौंपी

एथेंस (यूनान)। यूनान ने गुरुवार को ऐतिहासिक पैनाथेनाइक स्टेडियम में मिलान-कॉर्टिना ओलंपिक शीतकालीन खेल 2026 के समारोह के लिए ओलंपिक मशाल इटली को सौंपी। जहां से इसे एक महीने से अधिक समय तक देशभर में घुमाया जाएगा।

मशाल को विश्व कुश्ती चैंपियन जॉर्जियोस कौगियोउमटसिडिस स्टेडियम में ले गए। उन्होंने इसे इटली की ओलंपिक चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी और साइकिलिस्ट फिलिपो गान्ना को सौंपा। यह मशाल ओलंपिक गेम्स की जन्मभूमि यूनान और आने वाले शीतकालीन ओलंपिक के मेजबान देश इटली के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों की निशानी है। वर्ल्ड वॉटर पोलो चैंपियन एलेनी जेनाकी ने फिर मशॉल ली और यूनान की राष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर, कल्लिमारमारो स्टेडियम में अग्निकुंड को प्रज्ज्वलित किया।

जूनियर हॉकी विश्व कप | क्वार्टर फाइनल में आज होगी भिड़ंत, पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने पर देना होगा ध्यान

बेल्जियम के खिलाफ भारत की होगी असली परीक्षा

चेन्नई, एजेंसी

भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप के एक मैच दौरान भारतीय खिलाड़ी। फाइल फोटो

यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए।

2016 में भारत ने आखिरी बार जीता था खिताब

पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी।

इंग्लैंड ने चिली दक्षिण अफ्रीका ने मलेशिया को हराया

चेन्नई। इंग्लैंड ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में गुरुवार को चिली को 3-1 से हराया। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मैच में इंग्लैंड के लिये काडेन ड्रेसे ने तेरहवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल दागा। वहीं कप्तान मैक्स एंडरसन ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में फील्ड गोल करके बढत दुगुनी कर दी। दक्षिण अफ्रीका ने जेडन बूकर के दो गोलों की मदद से मलेशिया को नौवे से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मैच में 3-1 से हराया। मैच में चारों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए। बूकर ने 18वें और 39वें मिनट में गोल दागे जबकि तीसरा गोल रोस मोंटगोमेरी ने 58वें मिनट में किया।